विद्यार्थी याद रखें, यही शिक्षकों का सर्वोच्च पुरस्कार - 3

जीएसटी दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को - 12

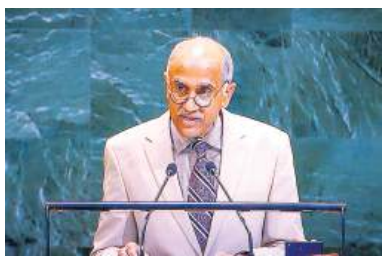

यूक्रेन युद्ध के परोक्ष परिणाम ग्लोबल साउथ के देशों पर डाल रहे हैं असर - 13

यूएस ओपन में सबालेंका और अनिसिमोवा के बीच होगी खिताबी भिड़ंत - 14

आज का मौसम

32.5° अधिकतम तापमान

27° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.53

सूर्यास्त 06.28

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 01:41 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 6 सितंबर 2025, वर्ष 35, अंक 219, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

फर्जीवाड़ा को लेकर सेबी ने किया आगाह

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को निवेशकों को आगाह किया कि वे सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर उसके नाम से प्रसारित हो रहे धोखाधड़ी वाले संदेशों और सूचनाओं को लेकर सतर्कता बरतें। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों से कहा कि वे ऐसे संदेशों के आधार पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने या धनराशि देने से बचें। सेबी ने कहा कि उसके संज्ञान में कई ऐसे मामले आए हैं जिनमें धोखेबाजों ने सेबी अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करने के साथ प्रतीक चिह्न (लोगो), लेटरहेड और मुहर का दुरुपयोग किया तथा फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर संदेश भेजे।

वैष्णो देवी यात्रा 11वें दिन भी स्थगित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए यात्रा शुक्रवार को लगातार 11वें दिन भी स्थगित रही। 26 अगस्त को भूस्खलन के बाद यात्रा स्थगित कर दी गई थी। इस भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। हालांकि दस दिन की भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद मौसम में काफी सुधार हुआ है और धूप निकली है, लेकिन अधिकारियों ने अभी तक यात्रा को फिर से शुरू करने पर कोई फैसला नहीं लिया है। इस बीच, माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर जम्मू और कटरा के बीच शुरू की गई लोकल ट्रेन सेवाएं निलंबित रहीं।

छह माओवादियों पर प्राथमिकी दर्ज

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू में पुलिसकर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ के संबंध में तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के छह सदस्यों के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए और एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, टीएसपीसी के स्वयंभू जोनल कमांडर शशिकांत गंझू, कार्यकर्ता मुखदेव यादव, उमेश सिंह खरवार, रोहिणी गंझू, कुलदीप और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव में गुरुवार रात करीब साढ़े 12 बजे सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित टीएसपीसी संगठन के सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई थी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के इंजन में आई खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर (मध्यप्रदेश), एजेंसी

- **विमान को इंदौर में एहतियातन उतारा गया, सभी 161 यात्री सुरक्षित**

दिल्ली से इंदौर आ रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को एक इंजन में तकनीकी खराबी की सूचना के बाद यहां देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर शुक्रवार को एहतियातन उतारा गया और इसमें सवार सभी 161 यात्री सुरक्षित हैं।

हवाई अड्डे के निदेशक विपिनकांत सेठ ने बताया कि इंजन में तकनीकी खराबी की सूचना मिलने पर हमने तमाम एहतियात बरतते हुए इस वायुयान को इंदौर के हवाई अड्डे पर सुबह 09:55 बजे उतारा। निर्धारित समय के मुताबिक इस विमान को सुबह 09:35 बजे इंदौर हवाई अड्डे पर उतरना था। उन्होंने बताया कि उड़ान संख्या आईएक्स 1028 वाले इस विमान का चालक दल और इसमें सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। विमान के पायलट ने एटीसी को पैन-पैन संकेत भेजा जिसके बाद एसओपी के तहत हवाई अड्डे पर अग्निशमन और चिकित्सा के इंतजाम किए गए।

हमने भारत-रूस को चीन के हाथों खो दिया : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- **टैरिफ वॉर के बीच एससीओ समिट के बाद नरम पड़े अमेरिकी राष्ट्रपति के तेवर**
- **ट्रुथ सोशल पर लिखा- चीनी राष्ट्रपति पुतिन और किंग जोंग के साथ रच रहे साजिश**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, लगता है कि हमने भारत व रूस को चीन के हाथों खो दिया है। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय में संभवतः सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। वहीं, भारत ने ट्रंप की इस नई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने से इंकार कर दिया है।

सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले चीन के शहर तियानजिन में एससीओ के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के बीच गर्मजोशी से हुई बातचीत ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। साथ में उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध हो! ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में खटास आ गई है,पिछले कुछ दिनों में, व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत पर निशाना साधने के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है।

अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने का लगाया आरोप

ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति पर पुतिन और उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के साथ मिलकर अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कृपया व्लादिमीर पुतिन और किम जोंग उन को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं दें, क्योंकि आप अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं।

भारत ने पीटर नवारो की टिप्पणियां की खारिज

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को गलत और भ्रामक बताते हुए शुक्रवार को खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने नवारो द्वारा दिए गए गलत और भ्रामक बयानों को देखा है और हम उन्हें स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। पिछले सप्ताह, नवारो ने भारत पर क्रेमलिन के लिए तेल धन शोधन केन्द्र होने का आरोप लगाया था। भारत रूसी हथियार खरीदना जारी रखे हुए है, जबकि उसने अमेरिकी रक्षा कम्पनियों से संवेदनशील सैन्य प्रौद्योगिकियों को स्थानांतरित करने और भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने का आग्रह किया था।

आतंकवादी जहां भी होगा, उसे ढूंढ़कर मारा जाएगा: सीडीएस

चौहान बोले- युद्ध व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता

- **गोरखपुर में भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी में रखे विचार**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध में सफलता प्राप्त करने के लिए सरप्राइज एक महत्वपूर्ण फैक्टर होता है। भारतीय सेनाओं ने हर बार दुश्मन को सरप्राइज कर अपना टारगेट पूरा किया। आतंकवादी कहीं भी हो, उसे ढूंढ़कर मारा जाएगा। उन्होंने आने वाले समय में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी की जरूरत भी गिनाई। कहा कि युद्ध व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।

गोरखपुर में शुक्रवार को भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि समग्र रूप से राष्ट्र की सुरक्षा के लिए तीन घटक भूमि की सुरक्षा, विचारधारा की सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण होते हैं। कहा कि सैन्य तत्परता के लिए रक्षा संसाधनों, अनुसंधान एवं विकास के साथ रणनीतिक संस्कृति अहम होती है। जनरल चौहान ने एक जर्मन विद्वान के उद्धरण के हवाले से कहा कि अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में युद्ध, राजनीति का ही विस्तार है। सैन्य क्षमता की मजबूती इस बात पर भी निर्भर होती है कि किसी राष्ट्र ने शांतिकाल में रक्षा क्षेत्र में कितना खर्च किया। सीडीएस ने बताया कि उरी सर्जिकल स्ट्राइक में भारत ने जमीन के रास्ते जाकर आतंकी ठिकानों को बर्बाद किया, बालाकोट में एयर स्ट्राइक का सहारा लिया जबकि पहलगाम हमले के बाद लो एयर स्पेस, ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। बालाकोट हमले के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों ने अलग अलग सीख ली। पाकिस्तान ने एयर डिफेंस पर ध्यान दिया तो भारत ने लंबी दूरी तक हमला करने वाले हथियारों पर। सीडीएस ने यह भी कहा कि 'न्यू नॉर्मल' नीति ऐसी स्थिति होती है जो संकट खत्म होने के बाद बनती है। जैसे कोविड के बाद वर्क फ्रॉम होम और नोटबंदी के बाद डिजिटल लेनदेन की अभ्यस्तता। पर, न्यू नॉर्मल में यह स्पष्ट है कि आतंकवाद और बातचीत, व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते।

ऑपरेशन सिंदूर में कम थी आमने-सामने की लड़ाई

सीडीएस चौहान ने कहा कि राजनीतिक नेतृत्व से सैन्य बलों को दिशा मिलती है। ऑपरेशन सिंदूर में नेतृत्व से क्लियर कट दिशानिर्देश था कि आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाना है, नागरिक ठिकानों को नहीं। दुश्मन के किसी भी उकसावे पर सेना को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दी गई थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का मकसद सिर्फ बदला लेना नहीं था, धैर्य का स्तर भी बढ़ाना था। ऑपरेशन सिंदूर ऐसा पहला युद्ध तहस जिसमें दुश्मन से आमने सामने की लड़ाई काफी कम थी। इसमें न फ्रंट था और न रियर। ऑपरेशन सिंदूर अभी ऑफिशियली टर्मिनेट नहीं किया गया है।

सीमा विवाद राष्ट्र की सुरक्षा में पहली चुनौती

सीडीएस ने कहा कि भारत में राष्ट्र की सुरक्षा की पहली चुनौती सीमा विवाद की है। पाकिस्तान और चीन से हुई लड़ाइयां सीमा विवाद का ही परिणाम हैं। पाकिस्तान की तरफ से प्रॉक्सी वार, पड़ोसी देशों में अस्थिरता और युद्ध के बदलते स्वरूप अन्य चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध का स्वरूप अब विकेंद्रित होता जा रहा है। भविष्य में नई तकनीकी आधारित, रोबोटिक्स और मानवरहित युद्ध हो सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में बाढ़, नोएडा के सेक्टरों में घुसा पानी

बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही

- **दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही**
- **हिमाचल में 350 श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टरों से निकाला गया**

नई दिल्ली, एजेंसी

बारिश के कारण पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही आ गई है। यमुना का उफनता पानी दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में तबाही मचा रहा है। दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जिससे यहां कई इलाकों में बाढ़ की चपेट में आ गए। नोएडा में सेक्टर-135 और सेक्टर-151 डूब गए हैं। कई इलाके में 3 से 4 फीट पानी भर गया। उत्तर दिल्ली के मजनू का टीला की तंग गलियों में पानी घुस आया, जिससे दर्जनों घर और दुकानें जलमग्न हो गईं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

यमुना नदी में आई बाढ़ ने फरीदाबाद में भारी तबाही मचाई है और बाघपुर के मोहना पुल के पास सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। फरीदाबाद और पलवल जिलों के 20 से अधिक गांवों के लोगों का उत्तर प्रदेश में आवागमन बंद हो गया है। वहीं पंजाब में बाढ़ में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर 43 हो गई। राज्य के 23 जिलों के 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। हिमाचल में मणिमहेश यात्रा मार्ग पर फंसे करीब 350 श्रद्धालुओं को भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों के जरिए भरमौर से चंबा पहुंचाया गया। चंबा जिले के विभिन्न भागों में सैकड़ों तीर्थयात्री अब भी फंसे हुए हैं। क्षेत्र में अगस्त के अंतिम सप्ताह में भारी बारिश से हुए कई भूस्खलनों और अचानक आई बाढ़ की वजह से सड़क संपर्क टूट गया है।

नोएडा में यमुना नदी के उफान के कारण जलमग्न हुआ क्षेत्र।

बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा करेंगे प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा कर हालात का जायजा लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। कुछ राज्य सरकारों ने संकट से निपटने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता की मांग की है।

बैंक ऑफ बड़ौदा का भी अनिल अंबानी पर धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

- **एसबीआई, बीओआई भी पूर्व में लगा चुके हैं आरोप**

एसबीआई और बैंक ऑफ इंडिया के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिवालिया रिलायंस कम्युनिकेशंस के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाला घोषित किया है। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे बैंक ऑफ बड़ौदा से दो सितंबर को एक पत्र मिला जिसमें कंपनी एवं उसके प्रवर्तक अनिल अंबानी के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाला वर्गीकृत करने के उसके फैसले की जानकारी दी गई है।

इसमें कहा गया कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये और 862.50 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा स्वीकृत की थी। ऋणदाताओं के पत्र के अनुसार, कुल 2,462.50 करोड़ रुपये में से 28 अगस्त तक 1,656.07 करोड़ रुपये बकाया थे। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने कहा कि इस खाते को पांच जून 2017 से एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है। रिलायंस कम्युनिकेशंस कॉर्पोरेट दिवाला समाधान कार्यवाही से गुजर रही है और कंपनी को अपने नियंत्रण में लेने तथा अपनी देनदारियों को चुकाने के लिए उपयुक्त व्यक्ति की तलाश है। बैंक ने पत्र में कहा कि वर्तमान में एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित कोई सक्रिय समाधान योजना नहीं है। धोखाधड़ी की घोषणा फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में निष्कर्षों/टिप्पणियों पर आधारित है और यह वर्गीकरण न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने कहा कि बीओबी की कार्रवाई 12 साल से भी अधिक पुराने मामलों से संबंधित है।

बीओबी की कार्रवाई से कारोबार पर असर नहीं

नई दिल्ली। रिलायंस पावर ने कहा कि रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की कार्रवाई का उसके कारोबारी संचालन और वित्तीय प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। शेयर बाजार को बताया कि वह एक अलग और स्वतंत्र सूचीबद्ध इकाई है, जिसका रिलायंस कम्युनिकेशंस से कोई व्यावसायिक या वित्तीय संबंध नहीं है।

विस्फोटक के साथ 14 अतंकियों के मुंबई में घुसने की धमकी

मुंबई। मुंबई यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष को एक संदेश मिला जिसमें दावा किया गया है कि 14 आतंकवादी 400 किलोग्राम आरडीएक्स के साथ शहर में घुस आए हैं और उन्होंने इसे वाहनों में रख दिया है, एक अधिकारी ने बताया कि गणेश उत्सव के 10वें दिन अनंत चतुर्दशी के लिए पुलिस सुरक्षा इंतजाम कर रही है, इस बीच यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष को गुरुवार को व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर धमकी भरा संदेश मिला। संदेश भेजने वाले ने इसमें 'लश्कर-ए-जिहादी'' नामक संगठन का नाम लिखा है। उसने दावा किया कि 14 आतंकवादी शहर में घुस आए हैं और 34 वाहनों में 400 किलोग्राम आरडीएक्स रखा है, जिससे देश दहल जाएगा।

बंदरों ने सो रहे बच्चे को उठाकर पानी भरे ड्रम में डाला, मौत

सीतापुर। सूरजपुर गांव में पलंग पर सो रहे दो महीने के बच्चे को बंदरों के झुंड ने पलंग से उठाकर पानी भरे नीले ड्रम में डाल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मछरेहटा थाना क्षेत्र के सूरजपुर निवासी अनुज कुमार के मुताबिक गांव में पिछले कई दिनों से बंदरों के झुंड उत्पात मचा रहे हैं। घटना के समय वह गांव में मजदूरों से निर्माण कार्य को लेकर बातचीत करने निकला था। पत्नी सविता पलंग पर दो माह के बच्चे को सुलाकर नहाने चली गईं। तभी बंदरों का झुंड नीचे उतरा और बच्चे को ड्रम भरे पानी में डुबो दिया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

- **परिजनों का दावा- चारपाई पर सोते समय उठाकर ले गए थे बंदर**

60 करोड़ की धोखाधड़ी में शिल्पा और राज के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर

मुंबई। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके व्यवसायी पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एलओसी जारी किया, क्योंकि शिल्पा और उनके पति अंतर्राष्ट्रीय यात्राएं करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू थाने में एक कारोबारी से ऋण-सह-निवेश सौदे में कथित तौर पर लगभग 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था।

पहल

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी की ऐतिहासिक घोषणा- शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइयों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा

प्रदेश के नौ लाख शिक्षकों को मिलेगा कैशलेस इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लोकभवन सभागार में इस्लामिया गर्ल्स इंटर कालेज बरेली की प्रधानाचार्या चमन जहां को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के शिक्षकों को ऐतिहासिक सौगात दी। उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश के सभी शिक्षकों को अब कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना का लाभ बेसिक, माध्यमिक, सहायता प्राप्त और उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के साथ-साथ शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों को भी मिलेगा।

उन्होंने विपक्ष के तमाम दुष्प्रचारों पर प्रहार करते हुए कहा कि एक समिति शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था लगभग नौ लाख परिवारों को राहत देगी और शिक्षकों को इलाज के लिए अब आर्थिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि तय समय सीमा में इस सुविधा को लागू किया जाए। लोक भवन में कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने चयनित शिक्षकों को सम्मानित कर टैबलेट वितरित किए और स्मार्ट क्लास का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से शिक्षा को नई दिशा देने का कार्य तेजी से हो रहा है। प्रदेश के 2204 विद्यालयों को टैबलेट, और 1236 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की शुरुआत हो चुकी है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले यूपी बोर्ड परीक्षाएं नकल के लिए कुख्यात थीं। लेकिन आज सीसीटीवी निगरानी, पारदर्शिता और समयबद्ध परिणाम के चलते यूपी बोर्ड देश के श्रेष्ठ बोर्डों में गिना जाने लगा है। उन्होंने कहा कि एक माह में परीक्षा परिणाम देना अब यूपी की पहचान बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत प्रारंभ की गई 'बाल वाटिका' में अब तक 5000 केंद्रों पर 25,000 बच्चों का नामांकन हो चुका है। इसे पोषण मिशन और आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ा गया है, ताकि बच्चे शिक्षा के साथ स्वस्थ भी रहें। निपुण भारत मिशन के तहत बच्चों की भाषा और गणितीय दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

शिक्षामित्रों के मानदेय पर विचार

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सरकार सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि ये सभी कार्मिक शिक्षा अभियान में कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं, ऐसे में सरकार उनके हितों की अनदेखी नहीं कर सकती।

नवाचार करने वाले शिक्षकों का होगा प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के अधिकारियों से कहा कि शिक्षकों के नवाचारों को प्रकाशित कर स्कूलों तक पहुंचाया जाए। इससे अन्य शिक्षक भी प्रेरित होंगे और सरकारी विद्यालयों की छवि बदलेगी। उन्होंने कहा कि आज कई सरकारी स्कूल कॉन्वेंट स्कूलों को टक्कर दे रहे हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 6 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आज कई सौगातें देंगे मुख्यमंत्री योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को परिवहन विभाग के जरिए प्रदेशवासियों को कई सौगातें देंगे। आयोजन शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में होगा। कार्यक्रम में परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1.5 लाख जनसेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने की भी शुरुआत करेंगे। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सरल परिवहन हेल्पलाइन 149 की भी करेंगे। आईआईटी खड़गपुर, परिवहन विभाग, परिवहन निगम व सीएससी के मध्य एमओयू होगा। इसके अलावा कई अन्य सुविधाओं का लोकार्पण करेंगे।

प्रतापगढ़ के धार्मिक स्थलों का होगा विकास

अमृत विचार, लखनऊ : धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों के विकास के लिए प्रतापगढ़ में 8 करोड़ रुपये की आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन योजनाओं के तहत जिले के प्रमुख मंदिरों, धामों और बौद्ध स्थलों के आसपास पर्यटक सुविधाओं का विस्तार और विकास किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि स्वीकृत विकास कार्यों में नगर पालिका बेल्हा, सुगता नन्द बौद्ध बिहार, राम जानकी मंदिर, ग्राम सभा बुआपुर (रूपपुर), बौद्ध बिहार, बाबा घुईसरनाथ धाम, मां दुर्गा मंदिर, नरसिंह धाम मंदिर (गंगा तट), बाबा अवधेश्वरनाथ धाम मंदिर (गंगा तट) तथा मां ज्वाला देवी धाम सिद्धपीठ शामिल हैं। प्रत्येक धार्मिक स्थल को पर्यटन विकास के लिए एक-एक करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हुई है।

बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त व्यस्त

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पूर्व से लेकर पश्चिम तक बारिश और बाढ़ से आम जनजीवन अस्तव्यस्त है। इस बीच खीरी-पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर में बाढ़ का कहर बढ़ता जा रहा है। वहीं, वाराणसी और प्रयागराज में एक बार फिर गंगा में उफान आने लगा है। कच्चा बंधा फटने से खीरी के धौरहरा में 60 से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। बाढ़ विस्थापित लोग नेशनल हाईवे के किनारे आकर बसे हैं। वाराणसी और प्रयागराज में तीन बार गंगा इस सीजन में लोगों को पलायन के लिए मजबूर करने के बाद चौथी बार बढ़ने लगी हैं। वर्तमान में बाढ़ की रफ्तार धीमी तो है, लेकिन निरंतर बारिश के कारण इसकी गति बढ़ सकती है।

मेरे वाहन पर आठ लाख का जुर्माना : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुलिस पर जनता से वसूली करने का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि मेरी गाड़ी का ओवर स्पीड में आठ लाख रुपये का चालान कर दिया है। सपा अध्यक्ष शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से जो गाड़ी हमें दी गई है, वो चलने की हालत में नहीं है। भाजपा सरकार जनता से वसूली कर रही है। बिना सुविधाएं जमकर टैक्स वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के टैरिफ ने भाजपा के लोगों के मुंह पर ताला लगा दिया है। मेक इन इंडिया की बात करने वाले लोग हमारे बाजारों में चीन का माल भर दे रहे हैं। चीन का सामान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट को पूरी तरह खत्म कर देगा।

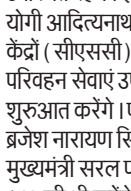

मतदेय स्थलों पर अब लंबी नहीं होगी मतदाताओं की लाइन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रत्येक मतदेय स्थल पर 1500 मतदाताओं के मानक को कम कर किया 1200 : रिणवा
- मतदाता सूची भी बड़ी नहीं होगी और सत्यापन व रखरखाव हो जाएगा आसान
- 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं का शत प्रतिशत सत्यापन हो

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रति मतदेय स्थल पर 1500 मतदाताओं के मानक को कम कर अब 1200 मतदाता कर दिया है। इससे अब चुनाव के दिन मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की भीड़ कम होगी और लंबी लाइनें नहीं लगेंगी। अब चुनाव के दौरान मतदाता मतदेय स्थल पर ज्यादा देर तक प्रतीक्षा किए बगैर आसानी से अपना मत डाल सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इस बाबत जानकारी साझा करते हुए कहा कि मतदाता सूची भी बड़ी नहीं होगी और बीएलओ के लिए मतदाता सूची का सत्यापन एवं रखरखाव करना आसान हो जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी मतदेय स्थलों पर न्यूनतम आश्वासित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए, जिसमें पीने का साफ पानी, महिला एवं पुरुष मतदाताओं के लिए अलग-अलग शौचालय, पर्याप्त फर्नीचर की व्यवस्था, मतदेय स्थल पर पर्याप्त बिजली की व्यवस्था, दिव्यांग मतदाताओं की व्हीलचेयर के लिए मतदेय स्थल पर स्थायी रैम्प उपलब्ध हो।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

उन्होंने कहा कि 83 साल की आयु से अधिक उम्र के सभी वयोवृद्ध मतदाताओं का शत प्रतिशत सत्यापन कराया जाय, जिससे ऐसे मतदाताओं की वास्तविक संख्या का पता चल सके, जिससे वर्ष 2027 के चुनाव में घर पर रहकर वोट डालने के लिए पात्र अधिकतम मतदाताओं की संख्या का सही आंकलन किया जा सके।

त्रुटिरहित सूची समेत महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश

अमृत विचार : आगामी विधान सभा निर्वाचन के मद्देनजर मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित एवं शुद्ध बनाने की कवायद तेज होने वाली है। आयोग ने मतदाता सूचियों में मतदाताओं की धुंधली, काली, अस्पष्ट तथा मानक के अनुरूप न पाये जाने वाली फोटो को यथाशीघ्र हटा कर उनके स्थान पर स्पष्ट व मानकानुसार फोटो अपलोड करने और दोहरी प्रविष्टियों को हटाने व मतदाताओं के मकान संख्या को सही से अंकित कराये जाने के निर्देश दिये। दरअसल, वर्तमान मतदाता सूचियों में मतदाताओं के नामों में त्रुटि होने, मतदाता की फोटो त्रुटिपूर्ण होने, मकान नम्बर की जगह शून्य दर्ज होने जैसे उदाहरण सामने आए हैं, ऐसे में सभी बीएलओ को ऐसी त्रुटियों को सही कराने के लिए मतदाताओं से फार्म-8 भरवाकर एक माह के भीतर मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के निर्देश दिये। खासकर अयोध्या जिले के लिए यह भी कहा गया है कि जनसंख्या के लिंगानुपात के अनुरूप मतदाता सूची में महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ायी जाए।

17 तक कर सकेंगे दावे और आपत्तियां

अमृत विचार : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि मऊ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से सम्बन्धित सभी मतदाता अपना नाम मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उप्र. लखनऊ की वेबसाइट (ceouttarpradesh.nic.in) पर देख सकते हैं। जो व्यक्ति अर्हता तिथि 1 जुलाई को या उससे पूर्व अर्ह हो चुके हैं और उनका नाम किसी कारणवश प्रकाशित आलेख्य नामावली में अभी शामिल नहीं हो पाया है, तो निर्वाचक नामावली में नाम शामिल किए जाने को अपना आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 356-मऊ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में दावे और आपत्तियां 17 सितम्बर तक प्राप्त की जाएंगी।

बलरामपुर और श्रावस्ती आईजीआरएस में अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : आईजीआरएस की अगस्त माह की रिपोर्ट में प्रदेशभर में बलरामपुर और श्रावस्ती ने बराबर अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि शाहजहांपुर ने दूसरा और हमीरपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। आईजीआरएस द्वारा हर माह जिलों के राजस्व कार्यों, विकास कार्यों और जन शिकायत की सुनवाई की रिपोर्ट जारी की जाती है। अगस्त माह की रिपोर्ट के अनुसार बलरामपुर और श्रावस्ती ने मानक पूर्णांक 140 के सापेक्ष 137 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह शाहजहांपुर ने दूसरा, हमीरपुर ने तीसरा और पीलीभीत ने चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं सोनभद्र पांचवें पायदान पर है। वहीं टॉप टेन जिलों में बरेली, अमेठी, हाथरस, औरैया और चंदौली शामिल हैं।

दुष्टों के संहार से ही सुरक्षित रहेगा राष्ट्र : योगी

'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी में मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी, सीडीएस अनिल चौहान व साधु-संत।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों के संरक्षण और दुष्टों का संहार करके ही कोई राष्ट्र सुरक्षित रह सकता है। सुरक्षा के माहौल में ही समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

वे शुक्रवार को गोरखपुर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों पर आयोजित संगोष्ठी श्रृंखला के पहले दिन 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने आचार्य चाणक्य के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई राष्ट्र वाह्य रूप से सुरक्षित हो और आंतरिक रूप से सुरक्षित न हो तो उसे अराजक राष्ट्र माना जाता है। ऐसा अराजक राष्ट्र शीघ्र समाप्त होने के कगार पर होता है। पाकिस्तान इसी तरह के अराजक राष्ट्र का उदाहरण है। आंतरिक अराजकता से वह पूरी तरह खोखला हो चुका है। उन्होंने कहा कि अराजकता किसी भी राष्ट्र को दुर्गति की ओर ले जाती है। दुर्गति से अस्तित्व पर संकट होता है। भारत प्राचीनकाल से ही इस पर सजग और सतर्क रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदिक काल से ही भारत में यह शिक्षा दी गई है कि धरती हमारी माता है। कोई भी सुयोग्य पुत्र मां के साथ अराजकता बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारत मां की आन, बान, शान के प्रति किसी ने दुस्साहस किया तो उसके खिलाफ हर भारतीय खड़ा होगा।

लखनऊ समेत 17 नगर निगमों को 477 करोड़ रुपये जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को राज्य वित्त आयोग से जारी हुई राशि

अमृत विचार: लखनऊ, कानपुर, बरेली समेत प्रदेश के 17 नगर निगमों को इस बार पंचम वित्त आयोग की सिफारिश पर 477 करोड़ सात लाख रुपये जारी हुए हैं। इस कड़ी में सबसे अधिक 72.72 करोड़ रुपये लखनऊ नगर निगम को जारी हुए हैं। वहीं कानपुर को 62.17 करोड़ और बरेली को 21.57 करोड़ रुपये, जारी हुए हैं। मेरठ को 30 करोड़ और सहारनपुर को 16.21 करोड़ रुपये जारी हुए हैं।

इसी क्रम में गाजियाबाद को 39.89 करोड़ रुपये, प्रयागराज को 38.38 करोड़ रुपये, आगरा को 29.39 करोड़ रुपये, अलीगढ़ को 21.60 करोड़ रुपये, गोरखपुर को 20.59 करोड़ रुपये जबकि मुरादाबाद को 21.01 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

दरअसल, शासन की ओर से वैसे हर माह नगर निगमों, नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों को राज्य वित्त आयोग से राशि जारी होती है। इस पैसे से ही सफाई कर्मचारियों आदि के वेतन-भत्ते, पेंशन आदि का भुगतान होता है। शेष राशि विकास कार्यों पर खर्च की जाती है। इस बार अगस्त माह के लिए शासन से सभी 17 नगर निगमों को 477 करोड़ सात लाख 96 हजार 277 रुपये जारी किये गये हैं। माना जा रहा है कि इस बार सभी नगर निगमों में वेतन-भत्ते, पेंशन आदि पर खर्च के बाद काफी राशि विकास कार्यों के लिए उपलब्ध होंगे।

जीएसटी जनता की संतुष्टि से बड़ा नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वित्त मंत्री व जीएसटी काउंसिल के सदस्य सुरेश खन्ना ने साझा की जानकारी

अमृत विचार : वित्त मंत्री व जीएसटी काउंसिल के सदस्य सुरेश कुमार खन्ना ने शुक्रवार को जीएसटी की दरें कम होने से राजस्व पड़ने वाले प्रभावों पर मीडिया से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इससे शुरुआत में राजस्व को चोट पहुंच सकती है, लेकिन दूरगामी परिणाम सुखद होंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की संतुष्टि से बड़ा जीएसटी नहीं है, क्योंकि सरकार पैसे कमाने के लिए नहीं बैठी है। लंबी अवधि में जीएसटी सुधारों से राज्य की अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार होगा और रोजगार के भी नये अवसर सृजित होंगे। जीएसटी काउंसिल की बैठक से लौटने पर शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी में सुधार बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी था। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी दरों में बदलाव आम आदमी के हित में की गई एक बड़ी राहत है। छोटे व्यापारियों को तीन दिन के अंदर रजिस्ट्रेशन देने की बात की गई है, जो एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि अनुभव बताते हैं कि जब-जब कर की दर में कमी की गई है, तब तब वस्तुओं एवं सेवाओं का वॉल्यूम बढ़ा है यानी मांग बढ़ी है। मांग बढ़ने से अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। एक तरफ इनकम टैक्स में बड़ी छूट देने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से आम आदमी एवं व्यापारी काफी प्रसन्न है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

काउंसिल ने यूपी के प्रस्तावों को स्वीकारा

वित्तमंत्री ने यह भी बताया कि जीएसटी काउंसिल ने यूपी सरकार के प्रस्तावों को स्वीकार किया है। विलासिता की वस्तुओं पर टैक्स बढ़ा है। सरकार नशाखोरी को हतोत्साहित करना चाहती है। काउंसिल की 11 घंटे तक चली बैठक के बाद सभी राज्यों ने जीएसटी में बदलाव को ध्वनिमत से स्वीकार किया।

एक नाम से नौकरी करने वाले कर्मियों की होगी जांच

अमृत विचार,लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग में एक नाम से अलग-अलग जिलों में ड्यूटी कर छह एक्स-रे टेक्नीशियन मामले की जांच होगी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जांच आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मामला गंभीर है, दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने कहा कि उप मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार टीम गठित कर दी गयी है, एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट शासन में भेज दी जाएगी। मालूम हो कि साल 2016 में एक्स-रे टेक्नीशियन की भर्ती के दौरान अर्पित नाम के अभ्यर्थी की नियुक्ति हुई, जिसे हाथरस में नियुक्ति दी गयी, इसके बावजूद पांच अन्य लोगों ने विभिन्न जिलों में अर्पित नाम से ज्वाइन कर लिया।

राज्य पुरस्कार से 81 शिक्षक किए गए सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री ने 2204 माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को बांटे टैबलेट
- 1236 स्कूलों में स्मार्ट क्लास के लोकार्पण से डिजिटल शिक्षा की ओर बड़ा कदम

अमृत विचार : शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ स्थित लोकभवन में शुक्रवार को बेसिक और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े कुल 81 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान प्रदेश के 2204 माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को टैबलेट भी वितरित किए गए, जबकि 1236 स्कूलों में स्मार्ट क्लास का लोकार्पण कर डिजिटल शिक्षा की ओर बड़ा कदम बढ़ाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के वाहक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को मंच मिलना चाहिए। उन्होंने एससीईआरटी द्वारा तैयार की गई बाल कहानी संग्रह 'गुल्लक', हस्त पुस्तिका 'बाल वाटिका', नवाचारों की पुस्तिका 'उद्गम' का विमोचन किया। साथ ही 'उद्गम' के डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत भी की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 1236 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास का भी लोकार्पण किया और पांच विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को इस बाबत मंच से प्रमाण पत्र प्रदान किया। इनमें बांदा के अजय प्रकाश सिंह, गाजीपुर के दिनेश यादव, गोरखपुर की किरणमई तिवारी, ललितपुर की अंजना वर्मा और गोरखपुर से विश्वप्रकाश सिंह शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव दीपक कुमार, महानिदेशक कंचन वर्मा सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

सम्मान कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

- बेसिक शिक्षा के 66 और माध्यमिक शिक्षा के 15 शिक्षक सम्मानित।
- चयनित शिक्षकों को 25,000 की धनराशि, प्रशस्ति पत्र, मां सरस्वती की प्रतिमा और शाल भेंट की गई।
- गुल्लक पुस्तक के जरिए नैतिक मूल्यों और ज्ञान को सहज रूप से बच्चों तक पहुंचाने का प्रयास।
- समर कैंप और पौधरोपण पर आधारित शैक्षिक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन हुआ।

सम्मानित शिक्षक

- **बेसिक शिक्षा :** संतोष कुमार सिंह (भदोही), रेनू सिंह (मेरठ), मोहिनी श्रीवास्तव (लखीमपुर), डॉ. रीना मिश्रा (प्रयागराज), प्रमोद कुमार सिंह (गोरखपुर)
- **माध्यमिक शिक्षा :** रामप्रकाश गुप्त (हमीरपुर), कोमल त्यागी (गाजियाबाद), चमन जहां (बरेली), जंगबहादुर (जौनपुर), डॉ. वीरेन्द्र पटेल (गोरखपुर)

पर्चे पर होगा जन औषधि केंद्र का नाम, बाहर की दवा लिखने पर होगी सख्ती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बिक्री न होने की वजह से जन औषधि केंद्र संचालित करना हो रहा कठिन

अमृत विचार : सरकार के तमाम दबाव के बावजूद सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर बाहर की दवाएं लिख रहे हैं, वहीं अस्पताल परिसर स्थित जनऔषधि केन्द्र सन्नाटे में रहते हैं। इस स्थिति से उबरने के लिए शासन के निर्देश पर न केवल बाहर की दवाएं लिखने वाले डॉक्टरों की पहचान की जाएगी, बल्कि सरकारी पर्चे पर जनऔषधि केंद्र का पता लिखकर प्रचार शुरू कर दिया गया है।

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में कुल 1100 के सापेक्ष 900 जन औषधि केंद्र शुरू हो चुके हैं। इन औषधि केंद्रों के संचालकों की शिकायत है कि अस्पताल के मरीज दवाएं नहीं खरीद रहे हैं, नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर जन औषधि संचालक ने बताया कि कई बार तो डॉक्टर स्वयं, जनऔषधि की दवाएं मरीज से वापस करवा देते हैं। दूसरी तरफ बिक्री न होने की वजह से जनऔषधि केंद्र संचालित करना कठिन हो रहा है। बीते दिनों कई जन औषधि संचालकों ने शासन में शिकायत भी की थी। जिसके बाद शासन ने पूर्व में जारी आदेश को सख्त लहजे में पुनः जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा के निर्देश के बाद, सरकारी अस्पतालों में बनने वाले एक रुपये के पर्चे पर समीप में संचालित हो रहे जन औषधि केंद्र का नाम व पता प्रकाशित होने लगा है।

कोर्ट के आदेश पर एमबीबीएस शुल्क का होगा निर्धारण

अमृत विचार, लखनऊ : निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस शुल्क का निर्धारण न्यायालय के आदेश पर होगा। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय ने उक्त सूचना वेबसाइट पर जारी कर दिया है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने बताया कि शासन के निर्देश पर गैर अल्पसंख्यक निजी मेडिकल कॉलेजों के शुल्क का निर्धारण किया गया था। जिसके विरोध में अभिभावक न्यायालय चले गए थे, न्यायालय के निर्देशानुसार शुल्क निर्धारण होगा।

विकसित भारत @2047 | जेवर बनेगा देश का सबसे बड़ा एयर कार्गो और एमआरओ हब

हर मंडल में बनेगा एयरपोर्ट, हर शहर होगा स्मार्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 117 नए शहरी निकाय बनेंगे यूपी को देश का नेतृत्वकर्ता बनाने का रोडमैप तैयार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को मिशन मोड में बदलते हुए उत्तर प्रदेश को एविएशन और शहरी विकास में भारत का नेतृत्वकर्ता बनाने का रोडमैप तैयार किया है। सरकार का फोकस है कि आने वाले 22 वर्षों में यूपी देश का लॉजिस्टिक और एविएशन पावर सेंटर तो बने ही, साथ ही दुनिया के सामने शहरी विकास का भी आदर्श मॉडल बनेगा। हर मंडल में इंटरनेशनल एयरपोर्ट, हर जिले में हवाई संपर्क होगा। 117 नए शहरी निकाय, 5 वर्ल्ड क्लास स्मार्ट सिटी बनाने का लक्ष्य है।

लखनऊ समेत पांच शहर बनेंगे विश्वस्तरीय

रोडमैप में शहरी विकास को भी एक नया आयाम दिया गया है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक यूपी के हर शहर को स्मार्ट बनाना और पांच अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट सिटीज़ तैयार करना है। लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है।

> शहरी और हवाई विकास केवल ढांचा खड़ा करने की योजना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने का मिशन है। सरकार का यह विज़न यूपी को निवेश, कनेक्टिविटी और जीवन स्तर के मामले में देश का नहीं, बल्कि दुनिया का नेतृत्वकर्ता बनाएगा।
>
> -मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि आने वाले 22 वर्षों में यूपी देश का लॉजिस्टिक और एविएशन पावर सेंटर बने। इसके लिए "एक मंडल, एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट" का संकल्प लिया गया है। इस समय प्रदेश में 4 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे संचालित हैं, जबकि जेवर में बन रहा पांचवां एयरपोर्ट एशिया के सबसे बड़े और अत्याधुनिक हवाई अड्डों में शामिल होगा। जेवर एयरपोर्ट न केवल यात्री सुविधाओं बल्कि कार्गो और ट्रांजिट हब के रूप में भी भूमिका निभाएगा। यहां एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सेंटर की स्थापना से प्रदेश को वैश्विक विमानन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। प्रदेश में अब तक 16 घरेलू हवाई अड्डे संचालित हो चुके हैं और 5 निर्माणाधीन हैं। 2017 से पहले बेहद सीमित एयर कनेक्टिविटी वाले यूपी ने बीते साढ़े 8 वर्षों में ऐतिहासिक उड़ान भरी है।

इसी तरह पिछले आठ वर्षों में 117 नए शहरी स्थानीय निकाय बनाए गए और 123 का विस्तार किया गया। स्मार्ट सिटी योजना से 17 जिलों में अत्याधुनिक सुविधाएं पहुंची हैं। इसके अलावा राज्य राजधानी क्षेत्र (एसआरसी) का गठन लखनऊ और आस-पास के 5 जिलों को मिलाकर किया गया है, जिससे योजनाबद्ध विकास की नई मिसाल कायम हो रही है।

सरकार का जोर स्वच्छ पेयजल, 24 घंटे बिजली, पक्के मकान, मेट्रो, लाइट मेट्रो और वैज्ञानिक सीवेज प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं पर है।

हाईटेक व्यवस्था से बढ़ी पारदर्शिता

अमृत विचार, लखनऊ : राजस्व विभाग एक लंबे समय तक विवादों, भ्रष्टाचार और जटिल प्रक्रियाओं का प्रतीक रहा है। योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में राजस्व व्यवस्था में पारदर्शिता, तकनीक और जवाबदेही को केंद्र में रखकर ऐतिहासिक सुधार किए जा रहे हैं। जमीन से जुड़े मामलों में जो पेचीदगियां पहले लोगों के लिए सिरदर्द बनी रहती थीं, अब वे तेजी से आसान होती जा रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी राजस्व विभाग खुद देखते हैं। विभाग ने ई-खसरा और ई-खतौनी प्रणाली को राज्य के हर तहसील तक पहुंचाने का काम लगभग पूरा कर लिया है। अब लोग अपने खेत, जमीन की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल या मोबाइल ऐप पर देख सकते हैं। इसके साथ ही किसी भी जमीन के स्वामित्व में बदलाव, बंटवारा या विरासत से जुड़े मामलों की ऑनलाइन एंट्री की सुविधा भी शुरू हो गई है।

नए आठ लाख वृद्धा पेंशनरों का होगा सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अक्टूबर में आनी है वृद्धावस्था पेंशन, 15 दिन का समय
- ट्रांजेक्शन फेल 1.10 लाख पेंशनरों का भी होगा सत्यापन

अमृत विचार : प्रदेश में वृद्धा पेंशन की दूसरी किस्त आने से पहले 15 दिन में कुल 67.50 लाख लाभार्थियों का घर-घर पारदर्शिता से सत्यापन करना समाज कल्याण विभाग के लिए चुनौती से कम नहीं है। समय को देखते हुए इस वर्ष बढ़े आठ लाख लाभार्थी और पहली किस्त का ट्रांजेक्शन फेल होने वाले 1.11 लाख लाभार्थियों का सत्यापन कराया जाएगा।

वृद्धा पेंशन का मई और जून में सत्यापन कराकर कुल 67.50 लाख लाभार्थियों को जुलाई में पहली किस्त मिली थी। अब इन्हें दूसरी किस्त अक्टूबर में मिलेगी। इससे पहले 15 सितंबर तक सभी लाभार्थियों का सत्यापन कराने के निर्देश मिले हैं। ऐसे में समाज कल्याण विभाग इस वर्ष शामिल हुए नये आठ लाख लाभार्थियों का ही सत्यापन कराने की तैयारी में है, क्योंकि नये लाभार्थी एक वर्ष के अंतराल में जुड़े हैं और उनका सत्यापन शुरुआती दौर में हुआ था। वहीं, पहली किस्त 1.11 लाख लाभार्थियों के गलत खाता नंबर, एनपीसीआई व आधार से लिंक न होने के कारण ट्रांजेक्शन फेल हो गए। इन लाभार्थियों का भी सत्यापन प्राथमिकता पर किया जाएगा।

नेशनल ब्रीफ

अमृतसर ग्रेनेड हमले का वांछित गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने अमृतसर के एक मंदिर पर ग्रेनेड से हमला करने के मामले में एक वांछित आतंकवादी को शुक्रवार को बिहार से गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पंजाब के गुरदासपुर जिले के भैणी बांगर गांव के निवासी शरणजीत कुमार उर्फ सनी को गया जी से गिरफ्तार किया गया। बयान के अनुसार, शरणजीत, इस वर्ष 14 मार्च की रात अमृतसर के शेरशाह रोड स्थित मंदिर पर हुए ग्रेनेड हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल था।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में गोलीबारी, दो की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के प्रताप नगर इलाके में शुक्रवार शाम अज्ञात लोगों ने दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। हर्ष विहार थाने को शाम में करीब सवा सात बजे गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस की एक टीम प्रताप नगर के सी-ब्लॉक पहुंची, जहां पता चला कि गोली लगने से घायल दो लोगों को गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि 35 वर्षीय सुधीर उर्फ बंटी और 30 वर्षीय राधे प्रजापति की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सिक्किम: भाजपा के प्रवक्ता ने इस्तीफा दिया

गंगटोक। भाजपा की सिक्किम इकाई के प्रवक्ता पासांग चाली शेरपा ने शुक्रवार को पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राज्य के नेतृत्व की निर्णय न ले पाने की स्थिति पर नाराजगी जताई। शेरपा ने बयान में कहा, मैंने भाजपा सिक्किम के राज्य प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्य के नेतृत्व की लगातार निर्णय न ले पाने की स्थिति और परस्पर विरोधी संदेशों ने हमारी विश्वसनीयता को कमजोर किया, कार्यकर्ताओं को भ्रमित किया और जनता को गुमराह किया है। उन्होंने राज्य भाजपा नेतृत्व से यह स्पष्ट करने की मांग की कि पार्टी सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के साथ गठबंधन में है या विपक्ष में है।

यूएपीए मामले की जांच के तहत वाहन जब्त

श्रीनगर। यूएपीए के तहत दर्ज एक मामले की जांच के तहत शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक वाहन जब्त किया गया। एक पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि वाहन का मालिक अनंतनाग जिले के श्रीगुफवारा इलाके के ताकिया हुगाम निवासी मुजाकिर मोहिउद्दीन शाह है। उन्होंने बताया कि शाह मट्टन थाने में दर्ज यूएपीए मामले में आरोपी फिरदौस अहमद भट का भतीजा है।

दहेज में 1951 की रोल्स रॉयस मांग रहा था पति, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला, टूट गई शादी

नेहरू ने बड़ौदा की महारानी के लिए मंगवाई थी अपनी तरह की अनूठी कार, जिसे हाथों से बनवाया था एचजे मुलिनर एंड कंपनी ने

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक-दूसरे से अलग रह रहे दंपती के विवाह को समाप्त कर दिया है। उनके रिश्ते में रोल्स रॉयस की 1951 मॉडल की एक कार को लेकर खटास आ गई थी, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बड़ौदा की तत्कालीन 'महारानी' के लिए मंगवाया था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते को रिकॉर्ड में दर्ज किया, जिसके अनुसार महिला को पुरुष 2.25 करोड़ रुपये का भुगतान करेगा।

- वर्तमान में ढाई करोड़ से भी ज्यादा है कार की कीमत, पति की इच्छा पूरी न होने पर दोनों के बीच शुरू हुई कानूनी लड़ाई

इसके बाद उनके बीच सभी दावों का निपटारा हो जाएगा। पीठ ने 29 अगस्त को कहा, हम याचिकाकर्ता महिला और प्रतिवादी पति के बीच विवाह को समाप्त करते हैं। अब उनके बीच कोई भी रिश्ता, चाहे वह वैवाहिक हो या अन्य, नहीं रहेगा। समझौते के अनुसार, व्यक्ति 31 अगस्त तक एक करोड़ रुपये का भुगतान करेगा और शेष 1.25 करोड़ रुपये 30 नवंबर तक अदा किए जाएंगे। इस व्यवस्था के तहत, महिला अपने पति द्वारा दिए गए उपहारों को अपने पास रखेगी तथा पति उसे और उसके परिवार को मिले सभी उपहार जैसे सगाई की अंगूठी और अन्य कीमती सामान लौटा देगा, जिसे वह एक करोड़ रुपये के डिमांड ड्राफ्ट के साथ सौंपेगा। उनके बीच के सभी मामलों को रद्द करते हुए, पीठ ने इसे पूर्ण और अंतिम समझौता माना। शीर्ष अदालत ने पक्षों को आगाह किया कि संबंध विच्छेद के बाद वे सोशल मीडिया सहित किसी भी रूप में एक-दूसरे को बदनाम न करें।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में नहीं सुलझ पाया पति-पत्नी का विवाद

महिला ने अपनी याचिका में कहा, हाईकोर्ट इस बात पर विचार करने में विफल रहा कि उसके पति और ससुर की रॉल्स रॉयस कार मांगने की शुरू से ही गलत मंशा थी, जो अपनी तरह की एक अनूठी कार है और इसे 'एचजे मुलिनर एंड कंपनी' ने महारानी बड़ौदा चिमना बाई साहिब गायकवाड़ के लिए हाथों से बनवाया है। मांगें पूरी नहीं हुईं तो पति और ससुर ने शादी से इन्कार करना शुरू कर दिया और उस पर झूठे और तुच्छ आरोप लगाकर चरित्र हनन करना शुरू कर दिया। हाईकोर्ट के 5 दिसंबर 2023 के आदेश का उल्लेख करते हुए याचिका में कहा गया, पति और ससुर ने उसके पिता की रोल्स रॉयस कार के प्रति लगाव दिखाया। उन्हें यह कार उपहार में मिलने की उम्मीद थी, साथ ही मुंबई में एक फ्लैट भी दहेज की इस मांग को पूरा न करना उसे उसकी ससुराल न ले जाने का कारण बना। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर पीठ के महिला के पति के खिलाफ दहेज और क्रूरता का मामला खारिज किए जाने के बाद अलग रह रहे दंपती का विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

ग्वालियर में रहने वाली महिला ने दावा किया कि वह एक काफी प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखती है, उसके पूर्वज छत्रपति शिवाजी महाराज की नौसेना में एडमिरल थे और उन्हें कोंकण क्षेत्र का शासक घोषित किया गया था। दूसरी ओर, उसका पति सैन्य अधिकारियों के परिवार से ताल्लुक रखता है और मध्यप्रदेश में एक शैक्षणिक संस्थान संचालित करता है। उसके परिवार के पास 1951 मॉडल की एक हस्तनिर्मित क्लासिक रोल्स रॉयस कार है, जो आज तक एक ही मॉडल है। इसकी वर्तमान कीमत ढाई करोड़ रुपये से अधिक है। महिला ने याचिका में कहा कि इसे प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बड़ौदा की तत्कालीन महारानी के लिए मंगवाया था।

महिला ने दावा किया कि अलग हो चुके उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज में रोल्स रॉयस तथा मुंबई में एक फ्लैट की मांग करके उसे लगातार परेशान किया। पति ने इस आरोप से इनकार किया। पति ने अलग हुई पत्नी, उसके माता-पिता और अपने ससुराल के लोगों के खिलाफ विवाह प्रमाण पत्र तैयार करने में धोखाधड़ी व जालसाजी करने का मामला दर्ज कराया था।

यूपी-बिहार में बाढ़ की सबसे गंभीर स्थिति

राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात समेत कई राज्यों में अगले कुछ दिनों में हालात खराब होने की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को कई राज्यों में व्यापक बाढ़ की चेतावनी जारी की, जिसमें 22 नदी निगरानी केंद्रों ने 'बाढ़ की गंभीर स्थिति' और 23 अन्य ने 'सामान्य से ऊपर जल स्तर' की सूचना दी।

दैनिक बाढ़ स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, बिहार और उत्तर प्रदेश में आठ-आठ केंद्र तथा गुजरात, दिल्ली, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में एक-एक केंद्र 'गंभीर बाढ़' श्रेणी में हैं। असम, जम्मू कश्मीर, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित 23 अन्य केंद्रों पर जल स्तर 'सामान्य से अधिक' दर्ज किया गया। केंद्रीय जल आयोग ने कहा कि 46 बांधों और बैराज के लिए जल प्रवाह पूर्वानुमान जारी किए गए हैं, जिनमें कर्नाटक में 12, तेलंगाना में छह, आंध्र प्रदेश में पांच, तथा मध्यप्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु, ओडिशा, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में कई बांध शामिल हैं।

अधिकारियों को सलाह दी गई है कि वे बांधों के संचालन को मानक प्रोटोकॉल के अनुसार, सख्ती से नियंत्रित करें, ताकि निचले इलाकों में बाढ़ को रोका जा सके। दिल्ली के पुराने रेलवे पुल के नीचे यमुना नदी का जलस्तर घट रहा है। गुजरात में नर्मदा, तापी, दमनगंगा और साबरमती जैसी नदियों के अगले दो से तीन दिनों तक उफान पर रहने की संभावना है, जिसके कारण भरूच, सूरत, वडोदरा, साबरकांठा, बनासकांठा और राजकोट जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में माही, साबरमती, चंबल और बनास जैसी नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है तथा प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, उदयपुर, कोटा, बूंदी और झालावाड़ में गंभीर बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। महाराष्ट्र में धुले, नंदुरबार, पालघर, ठाणे और पुणे में भारी बारिश की संभावना है, जिससे तापी, वैतरणा, भीमा और कोयना जैसी नदियों का जल स्तर गंभीर बाढ़ के स्तर तक पहुंच सकता है।

पंजाब : अमृतसर के इलाकों में बाढ़ के भीषण प्रकोप के कारण आवाजाही बेहद मुश्किल हो गई है।

पंजाब: होशियारपुर में 250 सड़कें क्षतिग्रस्त

होशियारपुर। होशियारपुर में बाढ़ के कारण भारी तबाही हुई है। पीडब्ल्यूडी की 101 किलोमीटर से अधिक की संपर्क सड़कें, पीडब्ल्यूडी के 54 किमी योजना मार्ग और 117 किमी मंडी बोर्ड सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। जिले के अधिकारियों के मुताबिक कम से कम 141 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को नुकसान पहुंचा हैं, जहां छत, फर्श, प्लास्टर, चारदीवारी और शौचालय क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा 23 गांवों में घरेलू सामान को नुकसान पहुंचने की खबर है, जिनमें से अधिकांस क्षति गढ़शंकर उपमंडल में हुई है।

दिल्ली : बाढ़ प्रभावित लोग अब संक्रमण की चपेट में

नई दिल्ली। यमुना में आई बाढ़ के कारण जलमग्न हुए इलाकों से परिवारों को राहत शिविरों में तो स्थानांतरित कर दिया गया है, लेकिन अब ये लोग बुखार, चकत्ते और 'फंगल इंफेक्शन' की शिकायत लेकर चिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं। राहत शिविरों में दवाइयां वितरित की जा रही हैं और नियमित स्वास्थ्य जांच की जा रही है। चिकित्सा शिविर के साथ-साथ राहत शिविर के बाहर एक एम्बुलेंस भी तैनात है। कश्मीरी गेट के पास सर्वोदय विद्यालय में स्थापित शिविरों में लगभग 322 लोग शरण लिये हुए हैं। वे पहले यमुना बाजार राहत शिविर में शरण लिये हुए थे, जिसे बाढ़ के कारण खाली कराना पड़ा। शिविर में सेवा दे रहे एक चिकित्सक ने बताया कि और स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि, उन्होंने बताया कि बाढ़ के पानी के संपर्क में आने से खुजली, त्वचा में जलन और हल्के संक्रमण के कई मामले सामने आए हैं।

दिल्ली के यमुना बाजार में बिजली के केबल पर रास्ता तय करता बंदर।

कुल्लू में बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए राशन सामग्री ले जाते सैन्यकर्मी।

हिमाचल: एक हजार से ज्यादा सड़कें बंद

शिमला। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, राज्य में कुल 1091 सड़कें बंद हैं। इनमें से 276 सड़कें मंडी में, 226 कुल्लू में, 201 शिमला में और 166 सड़कें चंबा जिले में हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-3 (मंडी-धरमपुर रोड), एनएच-5 (पुराना हिन्दुस्तान-तिब्बत रोड), एनएच-305 (औट-सैंज रोड) और एनएच-505 (खाब से ग्राम्फू) बंद कर दिए गए हैं। शिमला-कालका रेल लाइन पर भूस्खलन के कारण इस पर चलने वाली रेलगाड़ियां शुक्रवार तक रद्द कर दी गई हैं। इस बीच, राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई और मंडी जिले के बग्गी में बृहस्पतिवार शाम से 61.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

श्रीनगर की हजरतबल मस्जिद पर अशोक स्तंभ चिह्न लगाने को लेकर विवाद और तनाव

श्रीनगर, एजेंसी

श्रीनगर की मशहूर हजरतबल मस्जिद में नवीनीकरण पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ चिह्न लगाए जाने से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इससे स्थानीय नेताओं और नमाज़ियों में नाराजगी फैल गई और अज्ञात लोगों ने उस पट्टिका को तोड़फोड़ दिया। जवाब में, जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी ने प्रतीक चिह्न हटाने वालों के खिलाफ पीएसए के तहत कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

यह घटना उस मस्जिद के हाल में जीर्णोद्धार के बाद हुई जिसमें पैगंबर मोहम्मद के पवित्र चिह्न रखे हैं। मस्जिद के भीतर लगे पत्थर की उद्घाटन पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक अंकित था, जिसकी मुस्लिम समुदाय ने आलोचना की। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सहित राजनीतिक नेताओं और नमाजियों ने तर्क दिया कि इबादतगाह में मूर्ति प्रदर्शित करना एकेश्वरवाद के इस्लामी सिद्धांत का उल्लंघन है, जो मूर्ति पूजा को सख्ती से प्रतिबंधित करता है। जुमे को दोपहर की सामूहिक नमाज के ठीक बाद अज्ञात लोगों ने पत्थर की पट्टिका तोड़ दी और राष्ट्रीय प्रतीक हटा दिया।

इस कृत्य से स्पष्ट रूप से नाराज अंद्राबी ने मस्जिद में एक प्रेस वार्ता आयोजित की और पट्टिका को तोड़ने वालों को आतंकवादी और गुंडे करार दिया। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज करने और आरोपियों पर पीएसए (जन सुरक्षा कानून) के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। पीएसए एक कठोर कानून है, जो बिना सुनवाई के किसी आरोपी को दो साल तक हिरासत में रखने की अनुमति देता है।

- वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने पट्टिका तोड़ने वालों के खिलाफ पीएसए के तहत कार्रवाई की मांग की

एनसी के मुख्य प्रवक्ता के लोगों पर पट्टिका को तोड़ने का आरोप

अंद्राबी ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब राष्ट्रीय प्रतीक का प्रयोग देश भर में निर्वाचित नेताओं द्वारा किया जाता है तो यह विवाद का विषय क्यों बन जाता है। उन्होंने एनसी के मुख्य प्रवक्ता और विधायक तनवीर सादिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की और कहा कि जिन लोगों ने यह कृत्य किया, वे उनके गुंडे थे। एनसी ने 'एक्स' पर एक बयान जारी कर टकराव के बजाय आपसी सम्मान और विनम्रता पर जोर दिया। पार्टी ने माना कि पट्टिका के डिजाइन को लेकर चिंताएं जताई गई थीं। कहा कि हजरतबल जैसे पवित्र स्थान के भीतर किसी भी गतिविधि में श्रद्धालुओं की आस्था के सिद्धांतों का सम्मान किया जाना चाहिए।

विद्यार्थी याद रखें, यही शिक्षकों का सर्वोच्च पुरस्कार

राष्ट्रपति ने कहा - सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण स्मार्ट शिक्षक

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर यहां एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति मुर्मु ने इस मौके पर कहा कि भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने वक्त को याद किया और उस समय को अपने जीवन का एक बहुत ही सार्थक काल बताया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है। शिक्षा की शक्ति से गरीब से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी उन्नति के आसमान को छू सकते हैं। बच्चों की उड़ान को बल देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार यही है कि उनके विद्यार्थी उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण एक शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है। एक अच्छे शिक्षक में भावनायें और बुद्धि दोनों होती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट कक्षायें और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है स्मार्ट शिक्षक। उन्होंने कहा कि स्मार्ट शिक्षक वे शिक्षक होते हैं जो अपने विद्यार्थियों के विकास की सभी आवश्यकताओं को अच्छी तरह समझते हैं।

राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान के विशेष दौरे के दौरान शिक्षकों से बातचीत करतीं राष्ट्रपति।

प्रो. गणेश को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति ने विज्ञान भवन में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक प्रो. गणेश तिम्मण्ण पण्डित को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रो. गणेश उच्च शिक्षा में राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होने वाले अकेले शिक्षक होने के साथ पूरे भारत से अकेले संस्कृत शिक्षक हैं।

एनसीएलटी के अदालत कक्ष पानी टपकने के कारण बंद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) बार एसोसिएशन ने दिवाला अधिकरण की प्रधान पीठ के तीन अदालत कक्षों को छत से पानी टपकने के कारण बंद किए जाने पर चिंता जताई है।

एनसीएलटी बार एसोसिएशन ने लोधी रोड स्थित 'सीजीओ कॉम्प्लेक्स' के ब्लॉक-तीन की आठवीं मंजिल को न्यायिक कामकाज के लिए असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय को पत्र लिखा है। इससे पहले एनसीएलटी ने 3 सितंबर को एक नोटिस जारी कर कहा था कि ब्लॉक-3 की आठवीं मंजिल तब तक बंद रहेगी, जब तक मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्य नहीं हो जाते हैं।

बिहार को लेकर टिप्पणी पर विवाद केरल कांग्रेस को मांगनी पड़ी माफी

नई दिल्ली, एजेंसी

केरल कांग्रेस ने बीड़ी पर जीएसटी कम किए जाने को बिहार में चुनावी हथकंडा बताते हुए जो तंज किया उस पर भाजपा हमलावर हो गई और सियासत के बीच केरल कांग्रेस ने अपने विवादास्पद पोस्ट के लिए माफी मांग ली और पोस्ट को एक्स से हटा लिया।

केरल कांग्रेस ने अपनी इस टिप्पणी पर माफी मांगते हुए कहा, हम देख रहे हैं कि जीएसटी दरों को लेकर मोदी के चुनावी हथकंडे पर हमारे तंज को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। अगर आपको ठेस पहुंची हो तो हमें खेद है। पार्टी ने अपनी पोस्ट में बताया कि बीड़ी पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटा कर 18 प्रतिशत और सिगरेट पर

- भाजपा ने कहा- बिहार के अपमान का मौका नहीं चूकती कांग्रेस

28 से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दी गई है। बिहार भाजपा ने सबसे पहले कांग्रेस के इस बयान को 'घृणित और घटिया सोच' करार देते हुए कहा कि जब भी कांग्रेस को मौका मिलता है, वह बिहार और बिहारवासियों का अपमान करने से नहीं चूकती।

इंडिया गठबंधन के घटक एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस बारे में पत्रकारों के सवाल पर कहा जो भी गलत ट्वीट था और इसका हम समर्थन नहीं करते। किसी को भी इस तरह की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए और अगर की गई है, तो माफी जरुर मांगनी चाहिए।

तीन साल बाद सबसे लंबा चंद्रग्रहण कल

बेंगलुरु। वर्ष 2022 के बाद भारत में दिखाई देने वाला सबसे लंबा पूर्ण चंद्रग्रहण सात सितंबर की रात को होगा। खगोलविदों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 27 जुलाई, 2018 के बाद यह पहली बार होगा जब देश के सभी हिस्सों से पूर्ण चंद्रग्रहण देखा जा सकेगा। नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे में एसोसिएट प्रोफेसर दिव्या ओबेरॉय ने कहा, आपको इसके बाद इतने लंबे चंद्रग्रहण को देखने के लिए 31 दिसंबर, 2028 तक इंतजार करना होगा। ग्रहण दुर्लभ होते हैं तथा हर पूर्णिमा या अमावस्या को नहीं होते, क्योंकि चंद्रमा की कक्षा सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की कक्षा से लगभग पांच डिग्री झुकी हुई है। चंद्र ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है।

बच्चे का डीएनए परीक्षण मातृत्व का अपमानः कोर्ट

भुवनेश्वर, एजेंसी

- हाईकोर्ट ने कहा - डीएनए परीक्षण के लिए मजबूर करने से निजता का अधिकार प्रभावित होता है

उड़ीसा उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश बरकरार रखा है जिसमें एक पुरुष के डीएनए परीक्षण की मांग को अस्वीकार कर दिया गया था। न्यायमूर्ति बी.पी. राउत्रे की एकल पीठ ने कहा कि बच्चे के डीएनए परीक्षण का निर्देश देना एक महिला के मातृत्व का अपमान होगा जो साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 में वर्णित कानून के खिलाफ है।

न्यायमूर्ति ने सिविल विविध याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी व्यक्ति को डीएनए परीक्षण के लिए मजबूर करने से उसकी निजता का अधिकार प्रभावित होता है। यह मुक़दमा एक संयुक्त परिवार की संपत्ति के बंटवारे के मुकदमे को लेकर शुरू हुआ जिसमें प्रतिद्वंदी पक्ष के माता-पिता का पता लगाने के लिए डीएनए परीक्षण की मांग की गई थी। कुचिंडा के दीवानी मामलों के न्यायाधीश (वरिष्ठ खंड)ने इस मांग को ठुकरा दिया था। न्यायमूर्ति राउत्रे ने अपने फैसले में कहा कि यह समझ से परे है कि बंटवारे के मामले में डीएनए परीक्षण कैसे प्रासंगिक होगा।

सुप्रीम आदेश

शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को पुन : सुनवाई करने को कहा

जमानत रद्द करने की 40 याचिकाओं में एक जैसे आदेश, सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने एक कड़े आदेश में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से नाराजगी जताई कि उसने पिछले दो वर्षों से जमानत रद्द करने के लिए कम से कम 40 याचिकाओं में पूर्व निर्धारित आदेश (साइक्लोस्टाइल्ड टेम्पलेट ऑर्डर) पारित किए हैं, जिसमें शिकायतकर्ताओं को गवाह संरक्षण योजना, 2018 के तहत उपाय तलाशने के लिए कहा गया है।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि हमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कई आदेश मिले हैं, जो कानून की गलत धारणा पर आधारित हैं, खासकर यह कि गवाह संरक्षण योजना जमानत रद्द करने का एक विकल्प है। उच्च न्यायालय के अनुसार, यह एक वैकल्पिक उपाय है। पीठ ने कहना था कि हमें यह जानकर दुख हो रहा है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, हमें कम से कम 40 हाल के आदेश मिले हैं, जो पिछले एक साल में ही पारित किए गए हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला के नेतृत्व वाली पीठ ने ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रशांत कुमार की एक दीवानी विवाद मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देने के लिए आलोचना की थी तथा सेवानिवृत्ति तक उनसे आपराधिक मामलों को वापस ले लिया गया था।

- आदेश में कहा- गुणदोष के आधार पर याचिका पर उच्च न्यायालय को लेना चाहिए था निर्णय

इस विवादास्पद आदेश को बाद में प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई के आदेश पर संशोधित किया गया था। इस मामले में, न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कड़े शब्दों में फैसला सुनाया और उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें हत्या के मुकदमे का सामना कर रहे एक आरोपी की जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, और इसके बजाय शिकायतकर्ता को गवाह संरक्षण योजना के तहत सहायता लेने के लिए कहा गया था। मूल शिकायतकर्ता फिरेराम ने इस आधार पर आरोपी की जमानत रद्द करने का अनुरोध किया कि उसने हत्या के एक मामले के गवाहों को धमकी देकर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। उच्च न्यायालय ने जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय शिकायतकर्ता को गवाह संरक्षण योजना के तहत आवेदन करने का निर्देश दिया।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि हम इस तथ्य पर गौर करते हैं कि उच्च न्यायालय ने एक बहुत ही अजीब आदेश पारित किया है... उच्च न्यायालय का कहना है कि अपीलकर्ता के मामले में पीड़ित व्यक्ति के रूप में मूल प्रथम सूचनाकर्ता होने के नाते उपाय गवाह संरक्षण योजना के तहत है। दूसरे शब्दों में, इस आदेश को पढ़कर हम यही समझ पाए हैं कि उच्च न्यायालय चाहता है कि अपीलकर्ता इस योजना के प्रावधानों का लाभ उठाए। यही कहते हुए उच्च न्यायालय ने जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय को 'कानून के सुस्थापित सिद्धांतों को लागू करते हुए' गुण-दोष के आधार पर जमानत रद्द करने की याचिका पर निर्णय लेना चाहिए था। शीर्ष अदालत ने आरोपी को जमानत देने संबंधी उच्च न्यायालय के पिछले आदेश का हवाला दिया था।

न्यूज ब्रीफ

एचके इंफ्रा पर एफआईआर दर्ज

अमृत विचार, मोहनलालगंज : भूखंड रजिस्ट्री करने के बाद कब्जा न देने वाले एचके इंफ्राविजन के जालसाज निदेशक भाइयों पर ठगी एक और एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मोहनलालगंज थाने में कंपनी के निदेशकों पर 43 मामले दर्ज हो चुके हैं। बेंगलुरु के एनसीसी अर्बन मैंडोस में रहने वाले संजय कुमार त्रिवेदी के मुताबिक एचके इन्फ्राविजन के निदेशक विनोद कुमार उपाध्याय व प्रमोद कुमार उपाध्याय से मोहनलालगंज के कान्हा उपवन में 10 अगस्त 2023 को 6.70 लाख रुपये में प्लाट खरीदा था। लेकिन उस पर आज तक कब्जा नही मिला। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों भाइयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है।

मदापुर चौराहे पर भी रुकेंगी रोडवेज बसें

अमृत विचार, निगोहां : परिवहन निगम की बसें मदापुर मंदिर चौराहे पर भी रुकेंगी। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने मदापुर मंदिर चौराहे को नया प्राइमरी बस स्टॉप बनाया है। रायबरेली बॉर्डर टोल प्लाजा व निगोहां के बाद लखनऊ के बीच अभी तक मोहनलालगंज ही स्टॉप था। लगभग पांच किलोमीटर की दूरी पर कोई बस स्टॉप न होने से यात्रियों को परेशानी होती थी। ग्रमीणों ने इस समस्या को आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराया था। इसके बाद परिवहन निगम ने नया बस स्टाप घोषित कर दिया है।

केक काटकर मनाया शिक्षक दिवस

अमृत विचार, लखनऊ : विनहट क्षेत्र के अयोध्या रोड पर स्थित विज्डम वे प्रोग्रेसिव इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस केक काटकर मनाया गया। शिक्षिका इरम ने छात्र-छात्राओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बारे में बताया कि हमारे देश के पहले एवं द्वितीय उपराष्ट्रपति, पूर्व राष्ट्रपति, विद्वान, शिक्षक एवं दार्शनिक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन को ही शिक्षक दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता है। उन्होंने देश की राजनीति में अहम भूमिका निभाई थी। वह 1949 से 1952 तक सोवियत संघ में भारतीय राजदूत के रूप में काम किया। राम तिलक यादव, पंकज, कल्लू राम, रंजना, छवि, पूजा मौजूद रही।

पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में चौथी मौत, एक गिरफ्तार

छह दिन से चल रहा था ट्रामा सेंटर में इलाज, विस्फोट के आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही गुडंबा पुलिस

कार्यालय संवाददाता,लखनऊ

- विशेष सर्च अभियान में बरामद हुआ दो हजार किलो विस्फोटक

अमृत विचार: गुडंबा में बेहटा गांव में रविवार को पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में चौथे घायल नदीम की शुक्रवार को ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। हादसे में अब तक आलम, मुन्नी और बेटे इरशाद समेत चार की मौत हो चुकी है। वहीं, गुडंबा पुलिस ने इस मामले में दो एफआईआर दर्ज किया है। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी टीनू उर्फ अली अहमद को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश में सीतापुर, बाराबंकी, उन्नाव, फर्रूखाबाद समेत दर्जन भर जिलों में दबिश दे रही हे।

एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी टीनू उर्फ अली अहमद बेहटा में परिवार के साथ रहता था। उसे गुडंबा इलाके में ही गिरफ्तार किया गया। इस मामले में निलंबित चौकी प्रभारी संतोष पटेल और इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसमें टीनू उर्फ अली अहमद के अलावा शेरू, शोएब, अली अकबर, शेरू उर्फ बशीर, याकूब उर्फ घपलू, नसीम, अफजल और शानू को आरोपी बनाया है। इन सभी की तलाश की जा रही है।

एसीपी के मुताबिक छापेमारी के दौरान टीनू उर्फ अली अहमद के घर के सामने आबादी के बीच बने बाड़े से पुलिस ने 620 किलोग्राम सुतली बम, 30 किलो बारूद, सुतली और बुरादा बरामद किया था। उधर, नदीम के परिवारजन ने बताया कि उसके माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी। अब नदीम भी नहीं रहा। पुलिस ने शव को परिवारजनों को सौंप दिया, जिसके बाद देर शाम शव को गांव के बाहर दफन कर दिया गया। इस दौरान परिजन व रिश्तेदार उपस्थित थे। परिजन ने कहा कि इरशाद और नदीम को सही से इलाज नहीं मिला। इसके कारण पूरे शरीर में संक्रमण फैल गया।

यह है मामला

- बेहटा गांव में रविवार को सुबह 11.45 बजे आलम के घर में चल रही पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ था। इस हादसे में आलम और उसकी पत्नी मुन्नी की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा इरशाद और रिश्तेदार नदीम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हूरजहां, उसका बेटा जियान, जैद और उसकी पत्नी इरम भी घायल हुए थे, जिन्हें उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई थी। नदीम और इरशाद को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था, जहां दोनों की मौत हो गई। उधर, मामले में नामजद अन्य आरोपितों की तलाश में दो टीमें बाराबंकी और सीतापुर में दबिश दे रही हैं।

सड़क हादसों में दो की मौत

- अमृत विचार, लखनऊ : सरोजनीनगर स्थित स्कूटर इंडिया गेट नंबर-1 पर शुक्रवार सुबह मौरंग लदे डंपर से कुचलकर मजदूर की मौत हो गयी। वही, उधर, इटौंजा पेट्रोल पंप के पास डाले के टक्कर से बाइक सवार युवक की जान चली गयी। उन्नाव के सोहरामऊ स्थित ज्ञानपुर निवासी मजदूर ललई (35) गाड़ियों से मौरंग उतारने का काम करता था। शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे वह सरोजनीनगर में स्कूटर इंडिया गेट नंबर-1 के पास मौरंग लदा डंपर बैक करा रहा था। इस दौरान वह डंपर के पिछले पहिए के नीचे आने आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर भाग निकला। सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। परिवार में पत्नी, एक बेटा व दो बेटियां हैं। बाराबंकी के जमुआ निवासी अमन शुक्ला (24) कई वर्ष से बीकेटी में रह रहे थे। गुरुवार शाम वह बाइक से बाराबंकी से लौट रहे थे। इटौंजा हाईवे पर पंप पर पेट्रोल भरवाने पहुंचे। इस बीच डाला ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल अमन को ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिवार में मां संगीता देवी, पिता अरुण व भाई हैं।

गंगा का जलस्तर घटा मुसीबतें बरकरार

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में बारिश होने के कारण गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा था। जिस कारण नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बुधवार से गुरुवार तक गंगा का जलस्तर स्थिर रहा। जिसके बाद शुक्रवार को जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। इसके बावजूद निचले इलाकों में बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं जस की तस हैं और वह लोगों नावों से आवागमन कर रहे हैं।

केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार गुरुवार शाम छह बजे गंगा का जलस्तर खतरे के निशान 113 मीटर से 13 सेंटीमीटर दूर 112.870 मीटर मापा गया था। जिसके बाद जलस्तर में गिरावट दर्ज हुई और शुक्रवार सुबह ग्यारह बजे 112.820 मीटर मापा गया। जिसके बाद दोपहर दो बजे 112.810 मीटर रहा। वहीं शाम के समय एक सेंटीमीटर बढ़ोत्तरी दर्ज की गई और जलस्तर 112.820 मीटर मापा गया। चौबीस घंटे में 5 सेंटीमीटर जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। इसके बावजूद अखलॉक नगर, झब्बूपुरवा, गुर्रीपुरवा, सोलह बीघा, चंपापुरवा, गोताखोर, तेजीपुरवा, सैय्यद कंपाउंड, शाही नगर, हुसैन नगर, कर्बला, रविदास नगर, श्रीनगर, मालवीय नगर, अहमद नगर, गंगा नगर और शक्ति नगर मोहल्लों में पानी भरा हुआ है। जिससे यहां के लोगों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है। इसके साथ ही गगनी खेड़ा, हरिहरपुर मार्ग व फत्तेखेड़ा के मुख्य मार्ग पर पानी भरा होने से कई गांवों के लोगों को आवागमन में दिक्कतें उठानी पड़ रही है।

प्रस्तावित पुल को लेकर विधायक और अधिकारियों ने की चर्चा

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगानदी पर लंबे समय से बंद और क्षतिग्रस्त पुराने यातायात पुल के स्थान पर मिश्रा कॉलोनी की ओर लगभग 50 मीटर दूरी पर 235 करोड़ रुपये की लागत से नया पुल बनने जा रहा है। शासनादेश पहले ही जारी हो चुका है और निर्माण कार्य के लिए शासन से 82 करोड़ 33 लाख 97 हजार रुपये की धनराशि भी अवमुक्त हो चुकी है। निर्माण कार्य की जद में कुल 37 मकान आने हैं, जिन्हें देखते हुए शुक्रवार को सदर विधायक पंकज गुप्ता और ब्रिज कारपोरेशन के असिस्टेंट मैनेजर सागर पुराने यातायात पुल चौराहे पर पहुंचे और नए पुल के ब्लू प्रिंट का निरीक्षण किया।

इस दौरान यह विशेष रूप से ध्यान रखा गया कि पुल निर्माण के दौरान कम से कम घरों और परिवारों को प्रभावित होना पड़े। विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि विकास कार्यों की राह में आमजन की जिंदगी और आजीविका पर न्यूनतम असर पड़े। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिन लोगों के मकान निर्माण की जद में आएंगे, उनके उचित मुआवजे के लिए मुख्यमंत्री से संपर्क कर उन्हें मुआवजा दिलाया जाएगा। नए पुल के महत्व को रेखांकित करते हुए विधायक ने कहा कि यह केवल दो छोरों को जोड़ने वाला साधन नहीं होगा, बल्कि यह उन्नाव और आसपास के क्षेत्रों के व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसर खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस दौरान पुल के दोनों छोरों पर सर्विस लेन बनाने और पुल के उतार की योजना पर भी चर्चा की गई। वहीं पश्चिमी क्षेत्र के लोगों ने मिश्रा कॉलोनी की ओर पुल के उतार की मांग की।

बारावफात पर निगोहां माल व काकोरी में निकाला जुलूस

संवाददाता, निगोहां/माल/काकोरी

अमृत विचार: बारावफ़ात पर शुक्रवार को निगोहां और माल क्षेत्र में जुलूस निकाले गए। इनमें तिरंगे और इस्लामी झंडे लेकर सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। जगह-जगह लंगर भी लगाए गए।

पाक पंजतन कमेटी अधयक्ष लल्लू खांन ने बताया कि निगोहां की गौसिया मस्जिद से शुरू हुआ जुलूस जामा मस्जिद, नगराम मोड़, भगवानपुर मोड़ से निगोहां गांव में समाप्त हुआ। जुलूस में निगोहां, मदारीखेड़ा, नन्दौली, डीहा, मीरखनगर , कांटा सलेमपु गांवों के सैकड़ों लोग शामिल हुए। जुलूस में घोडे, बग्घी, व छोटे बड़े वाहनों की कतार रही।

मस्जिदों के इमाम मौलाना कलीम रजा, अब्दुल रहमान, मौलाना आरिफ,मौलाना खतिबुल कादरी सिमनानी ,मीरखनगर के हाफिज इमाम रजा , नन्दौली से हाफिज सहादत व मुजफ्फर हुसैन ने सीरते मुस्तफा बयान किया। मुस्लिमों के साथ ही हिंदुओं ने भी जगह-जगह मिठाई बांटी और लंगर लगाया। निगोहां ग्राम प्रधान अभय दीक्षित, संजीव शुक्ला, विकास सिंह, सौरभ, उमेश , नीशू मिश्रा, अशोक समेत भी शामिल रहे।

निगोहां में निकाले गए जुलूस में शामिल लोग। अमृत विचार

काकोरी में जुलूस निकालते लोग। अमृत विचार

सुबह 9 बजे जुलूस निकाला

- माल में मोहम्मदी जुलूस कुरैशी मोहल्ला माल मदरसा गौसिया नूरिया से सुबह 9 बजे जुलूस निकाला। येबस्ती से पुराने मस्जिद होते हुए बाजार से आम मंडी गेट से वापस आम मंडी में समाप्त हुआ। जुलूस में मौलान इनमुल्ला, मो इस्माइल (चंदू) मो नसीम, मो रइस, प्रधान अनीस, प्रधान अनवार, इसरार बाबा, आजाद अली, सुफियान, राजा,अतुल कुमार,भास्कर सिंह, गोपाल गुप्ता समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

हुसैन गढ़ी मोहल्ले से निकाला जुलूस

- **अमृत विचार,काकोरी :** शुक्रवार को जुलूस ए मोहम्मदी का जुलूस नगर पंचायत काकोरी में भी निकाला गया। जिसका संचालन हुसैन गढ़ी से इरफान हुसैन, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष नजमी अरफी ने किया। सुबह करीब 10 बजे जुलूस हाता करामत उल्ला वार्ड के हुसैन गढ़ी मोहल्ले से निकाला गया। जुलूस काजी गढ़ी , हौदा तालाब , कटरा बाजार , हाता हजरत साहब ,झांझी रोजा व नई बाजार होते हुसैन गढ़ी में समापन किया गया ।जहां लंगर का इंतजाम भी किया गया था जुलूस में कई मोहल्लों से लोग शामिल हुए। जुलूस का नेतृत्व सदर अहमद खां ,इरफान हुसैन ,अनवर हबीब अल्वी, अहदम शेर खान , यूसुफ ,परवेज , फजल,गुलाम अली ,अदनान अर्फी ने किया। वही डॉ फरीद खां, रियाज अहमद ,सभासद नईम, सलमान समेत कई लोगों ने अपनी अपनी अंजुमन का नेतृत्व किया। इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रही।

कागजों में स्मार्ट सिटी, हकीकत में हर ओर गंदगी

संवाददाता, चौक

अमृत विचार: देश में स्वच्छता रैंकिंग में तीसरे नंबर पर आया लखनऊ मौजूदा दौर में लखनऊ नगर निगग के अफसरों की बेरुखी का शिकार हो रहा है। कागजों में सिर्फ स्मार्ट सिटी चमचमा रहा, हकीकत की जमीन पर बजबजाती नालियों और सड़क पर फैले कूड़ों के बीच कराह रहा है। आम लोगों को तो समझाया जा सकता है, लेकिन सफाई के लिए जिम्मेदार ही अव्यवस्था फैलाएं तो किससे कहा जाए। शहर की साफ सुधरा रखने की जिम्मेदारी नगर निगम के पास है, लेकिन उन्ही के कर्मचारी इसे गंदा कर रहे हैं। घरों से उठाया गया कूड़ा सफाईकर्मी डंपिंग यार्ड के अंदर के बजाय सड़कों के किनारे डाल देते हैं। तो इन्ही जगह कूड़े के ढेर और उसमें घूमते बेसहारा जानवरों ने सच को सामने लाकर रख दिया।

यह ठाकुरगंज का मेन रोड है। यहां मुसाहबगंज पार्क पास सड़क तक फैले कूड़े के ढेर से उठती दुर्गंध से राहगीर और क्षेत्रीय निवासी परेशान है। रोड भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

मल्लाहीटोला शराब ठेके की दुकान के बगल में कूड़े से पटा नाला।

यह पुराने लखनऊ को ग्रीन कॉरिडोर से जोड़ने मार्ग है। यहाँ गऊघाट हनुमान मंदिर के पास नगर निगम ने तो कूड़ा डंप करना शुरू कर दिया। जिससे सडक पर फैले कूड़े के ढेर, यहां बेसहारा जानवरों का जमावड़ा रहता है, लोगों को आने जाने में परेशानी होती है।

उत्पीड़न से परेशान विवाहिता ने दी जान

- पुलिस ने पति सहित पांच पर दर्ज किया केस, एक आरोपी गिरफ्तार

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना के एक मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला 3 सितंबर का है, जब ग्राम तरौली निवासी ज्ञानवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। ज्ञानवती ने बताया कि उनकी बेटी को उसका पति जवाहर और चार अन्य लोगों ने दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया। परेशान होकर बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। थाना बिलग्राम पुलिस ने ग्राम विन्धौरी निवासी मुख्य आरोपी जवाहर को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी चार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है जल्द ही उनको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पिता की हत्या करने वाला बेटा गिरफ्तार

- घरेलू विवाद में की थी जमकर पिटाई, अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बेटे ने पिता की इतनी बेरहमी से पिटाई की कि अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मौत से पहले पिता की तहरीर पर गाली-गलौज और मारपीट में केस दर्ज किया था, लेकिन पिता की मौत के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच की जा रही है।

कोतवाली देहात के कोईलीपुरवा निवासी राजपाल को उसके बेटे विपिन कुमार ने मंगलवार को गाली-गलौज करते हुए पीटकर अधमरा कर दिया था। पुलिस ने पिता की तहरीर पर विपिन कुमार के खिलाफ गाली-गलौज और पिटाई करने का केस दर्ज करते हुए जांच शुरु कर दी,उधर गुरुवार को राजपाल की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने आनन-फानन में केस गैर इरादतन हत्या में तरमीम करते हुए हत्यारोपी बेटे विपिन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वारदात के पीछे घरेलू वजह होना बताया जा रहा है,हालांकि पुलिस हर पहलू से जांच करते हुए गहराई से छानबीन कर रही है।

शातिर चोर चढ़ा जीआरपी के हत्थे, भेजा जेल

हरदोई, अमृत विचार। जीआरपी पुलिस द्वारा ट्रेनों और प्लेटफार्म पर मोबाइल चोरी की घटना को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा अभियुक्त के पास से एक आदद मोबाइल फोन बरामद किया है। जीआरपी थाना प्रभारी पंकज भास्कर ने बताया कि हरदोई रेलवे स्टेशन पर चलाये जा रहे विशेष अभियान में शुक्रवार को जीआरपी पुलिस ने मोबाइल चोर को पकड़ा। अभियुक्त ने अपना नाम सरवन निवासी मंगोलपुर थाना कोतवाली देहात बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी का मोबाइल फोन भी बरामद हुआ। भास्कर ने बताया कि 4 सितंबर को जितेंद्र मोहन शुक्ला निवासी सहादत नगर थाना मंझिला द्वारा शिकायती पत्र देकर बताया था कि 1 सितंबर को हरदोई रेलवे स्टेशन पर टिकट खरीदने के दौरान किसी ने उनका मोबाइल चोरी कर लिया है। इस संबंध में अभियोग पंजीकृत था, पकड़े गए अभियुक्त सरवन के पास से जितेंद्र मोहन शुक्ला का चोरी हुआ मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है। अभियुक्त के ऊपर पूर्व में तीन अभियोग पंजीकृत है, जिसमें से दो अभियोग देहात कोतवाली में एक अभियोग शहर कोतवाली में पंजीकृत है। अभियुक्त को जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

अमृत विचार
अवध बाज़ार

GSTIN:09CUOPT8181M1ZE
THE SOLAR POWER
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
SS-2 SEC D1 1679 B LDA OPP
LAW COLLEGE ROAD ASHIYANA LUCKNOW 226012
Loan available at just 7% interest
Ankur tiwari
CONTACT : +917705009011
PM MUFT BIJLI YOJNA

Hotel EKAS
Wedding | Engagement | Anniversary
Rooms | Conference | Restaurant | Kitty Party
|Birthday Party Rooftop Opening Soon
Capacity of Banquet starting form 50 to 800 Pax
279/48, Behind Charbagh Bus Station
Mawaiya Scheme 81, Kanpur Road,
Pan Dariba Lucknow - 226005
0522-4115460, +91-9936024555,

Residential/
Investment
Plots available
CIVILIAN GREEN
CIVILIAN'S DREAM
CIVILEA
GREEN CITY
Kanpur Road, Lucknow
Mob: 9616826300
OFFICE :- CIVILEA CONSTRUCTION
Near Kaiserbagh Kotwali Lucknow

GSTIN:09CFBPB7686B1ZJ
Dot Energy Enterprises
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
Add : 367/21, Fatuhabad, Sahadatganj,
Near Samrahi chowki Lucknow, Uttar Pradesh
Mob: 8948021107
PM MUFT BIJLI YOJNA

यूपी टी-20 लीग | इकाना स्टेडियम में मैच 7 :30 बजे से

फाइनल मैच आज, मेरठ-काशी में होगा मुकाबला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी टी-20 लीग का रोमांचक सफर अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका है। शनिवार को इकाना स्टेडियम में लीग का फाइनल मैच खेला जाएगा, जहां पिछले साल की विजेता मेरठ मावरिक्स और इस साल की सबसे दमदार टीम काशी रुद्रास आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

कड़े मुक़ाबले की उम्मीद: काशी रुद्रास ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और अंक तालिका में पहले स्थान पर रही। दूसरी ओर, मेरठ की टीम खिताब बचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दोनों टीमों के बीच यह भिड़ंत काफ़ी दिलचस्प होगी। क्वालीफ़ायर-1 में काशी ने मेरठ को हराकर सीधे फाइनल में जगह बनाई थी। ऐसे में मेरठ के पास उस हार का बदला लेने का मौका होगा।

काशी रुद्रास की ताक़त: काशी रुद्रास की जीत में उनके कप्तान करन शर्मा का बड़ा हाथ रहा है। उन्होंने 11 मैचों में 454 रन बनाए हैं। उनके अलावा, टीम की गेंदबाज़ी भी बेहद मजबूत है। तेज़ गेंदबाज शिवम मावी ने 9 मैचों में 20 विकेट लिए हैं, जबकि अटल बिहारी राय ने 11 मैचों में 19 विकेट हासिल किए हैं। इनके साथ ही सुनील कुमार और कार्तिक यादव भी अपनी लय में हैं, जो मेरठ के बल्लेबाज़ों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।

रिंकू सिंह के बिना भी मजबूत मेरठ मावरिक्स: एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल होने के कारण मेरठ मावरिक्स के कप्तान रिंकू सिंह इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। हालांकि, उनके जाने से काशी को भले ही राहत मिली हो, लेकिन मेरठ की टीम अभी भी बहुत मज़बूत है। बल्लेबाज़ों में स्वास्तिक चिकारा (370 रन) और रितुराज शर्मा (354 रन) टीम को जीत दिलाने में सक्षम हैं। कप्तान माधव कौशिक ने भी 280 रन बनाए हैं और वे काशी के गेंदबाजों पर भारी पड़ सकते हैं। गेंदबाज़ी में कार्तिक त्यागी (17 विकेट) और विजय कुमार (16 विकेट) का प्रदर्शन शानदार रहा है, जबकि स्पिनर ज़ीशान अंसारी (15 विकेट) भी अपनी टीम के लिए अहम साबित हुए हैं।

चेयरमैन डीएस चौहान के साथ मौजूद मेरठ के कप्तान माधव कौशिक (हरी टी-शर्ट) व काशी के कप्तान करण शर्मा (नीली शर्ट)।

"हमने पूरे लीग में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। फाइनल का हम पर कोई दबाव नहीं है। हम जीत के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगे। सभी खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार हैं।"

करन शर्मा, कप्तान, काशी रुद्रास

"रिंकू सिंह के न होने के बावजूद खिताब जीतना हमारे लिए एक बड़ा मौका है। हमारी टीम काफी संतुलित है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हम पूरी तरह से तैयार हैं।"

माधव कौशिक, कप्तान, मेरठ मावरिक्स

यूपी टी-20 लीग में लगे 550 छक्के 813 चौके

अमृत विचार, लखनऊ: यूपी टी-20 लीग का तीसरा सीजन धमाकेदार रहा। लीग के चेयरमैन डीएस चौहान ने बताया कि इस बार खिलाड़ियों ने कुल 550 छक्के और 813 चौके लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह लीग अन्य राज्यों में होने वाली लीग से कहीं बेहतर रही। डीएस चौहान के अनुसार इस सीजन में कई शानदार रिकॉर्ड बने। लीग में कुल 4 सेंचुरी और 50 हाफ-सेंचुरी लगाई गईं। टीमों ने 200 से ज़्यादा का स्कोर 6 बार बनाया। रोमांचक 11 मैच आखिरी ओवर तक चले, जिनमें से 3 का फ़ैसला अंतिम गेंद पर हुआ और 1 मैच सुपर ओवर तक गया। प्रशांत वीर, आदर्श सिंह और आराध्य यादव इमर्जिंग प्लेयर की दौड़ में सबसे आगे हैं। चौहान ने कहा कि इस लीग ने यूपी के खिलाड़ियों को अपने करियर को आगे बढ़ाने का बेहतरीन मौका दिया है और आने वाले समय में यहां से कई बड़े सितारे निकलेंगे।

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ, शनिवार, 6 सितंबर 2025

सुविचार

जब जुल्म होता है तो केवल आत्मसम्मान ही है जो उठ खड़ा होता है और कहता है कि इस जुल्म को आज ही खत्म होना होगा क्योंकि न्याय मेरा अधिकार है। - सरोजिनी नायडू

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- पुलिस चौकी में तोड़फोड़ कर चौकीदार को लूटा II
- शान-ओ-शौकत के साथ निकला जुलूस-ए-मदहे सहाबा III
- पांचवें दिन विद्यार्थी परिषद का आंदोलन जारी VI

शहर में आज

- केजीएमयू के शताब्दी-2 के ऑडिटोरियम में पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के स्थापन दिवस पर कार्यक्रम- 8:30 बजे।
- एसजीपीजीआई में एंडोक्राइन सर्जरी विभाग का स्थापना दिवस कार्यक्रम- 9:00 बजे।
- द सेंट्रम होटल में कैंसर उपचार की अत्याधुनिक तकनीक पर कार्यशाला- 12:00 बजे।
- दीक्षांत समारोह को लेकर डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में कार्यक्रम- 12:00 बजे।

125 रुपये टोल देकर 45 मिनट में पहुंच जाएंगे लखनऊ से कानपुर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने जारी किया संभावित टोल टैक्स

अमृत विचार: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का संभावित टोल जारी कर दिया है। लखनऊ से कानपुर तक लाइट मोटर वाहन यानी कार-जीप का एक तरफ का टोल 125 रुपये लगेगा और आने-जाने के लिए 181 रुपये देने होंगे।

63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे के मुख्य मार्ग पर एक भी टोल नहीं है। इससे लखनऊ से कानपुर की दूरी महज 40-45 मिनट में तय हो जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वाहनों की गति पर टोल का कोई असर नहीं पड़ेगा।

इस एक्सप्रेसवे पर वाहन 120 किमी/घंटे की रफ्तार से चल सकेंगे, क्योंकि पांच टोल प्लाजा कनेक्टिंग रैंप पर होंगे। जिससे मुख्य एक्सप्रेसवे पर गाड़ियों की रफ्तार बिना रुके बरकरार रहेगी। यानी वाहन अगर एक्सप्रेसवे पर चढ़ेंगे या उतरेंगे, तो उन्हीं पांच स्थानों पर टोल वसूली होगी। इससे बीच मार्ग पर न तो ट्रैफिक रुकेगा और न ही अनावश्यक विलंब होगा। प्रस्तावित दरों के अनुसार, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली राष्ट्रीय राजमार्ग की तुलना में लगभग 25प्रतिशत अधिक होगी। इसका कारण है उच्च गुणवत्ता की सड़क और तेज गति की यात्रा।

इन 5 स्थानों पर होंगे टोल प्लाजा

- मीरनपुर पिनवट (लखनऊ से चढ़ने के लिए)
- आजाद नगर (कानपुर से चढ़ने के लिए)
- खंडदेव (प्राधिकरण टोल बिंदु - काम में विलंब के बाद गति)
- बनी (लखनऊ के पास इंटरसेक्शन)
- अमरसस गांव (उन्नाव-लालगंज के समीप)

संभावित टोल टैक्स

वाहन श्रेणी	एकल यात्रा	वापसी यात्रा
लाइट मोटर वाहन	125	181
मिनी बस/हल्के वाहन	200	294
बस और ट्रक (2 एक्सेल)	413	619
थ्री एक्सेल वाणिज्य वाहन	450	675
ओवरसाइज वाहन	794	1187

नोट: (एनएचआई सूत्रों के अनुसार यह दरें संभावित हैं और इन्हें नवाबगंज टोल प्लाजा की वर्तमान दरों के आधार पर तय किया गया है, जिसमें 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क जोड़ा गया है। यदि यह शुल्क हटाया जाए, तो दोनों दरों में समानता आ सकती है।)

पीजीआई के एंडोक्राइन सर्जरी विभाग का स्थापना दिवस आज

अमृत विचार, पीजीआई : एसजीपीजीआई के एंडोक्राइन सर्जरी विभाग का 37 वां स्थापना दिवस समारोह शनिवार को मनाया जाएगा। विभाग की ओर से शुक्रवार से 16वें स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसमें देश विदेश से एंडोक्राइन में प्रमुख विशेषज्ञ, प्रशिक्षु और पूर्व छात्र हिस्सा ले रहे हैं। विभाग के प्रमुख डॉ. गौरव अग्रवाल के मुताबिक तीन दिवसीय कार्यक्रम में वीडियो ऑपरेटिव कार्यशाला मुख्य आकर्षण होगी।

सिटी ब्रीफ

अनंत नगर के भूखंडों की लॉटरी 8 से

अमृत विचार, लखनऊ : एलडीए की अनंत नगर (मोहान रोड) आवासीय योजना के भूखंडों की लॉटरी 8 सितंबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मर्करी हॉल में कराई जाएगी। द्वितीय चरण में आदर्श खंड के 332 भूखंडों का पंजीयन खोला गया था। इसके सापेक्ष कुल 8,568 लोगों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया है। लॉटरी 8 से 10 सितंबर तक आवेदकों की उपस्थिति में कराई जाएगी।

घुटनों का दर्द बढ़ा रहा मोटापा

अमृत विचार, लखनऊ : अनियमित जीवनशैली के कारण लोग मोटापे के शिकार हो रहे हैं। इसकी वजह 70 प्रतिशत मरीजों को घुटनों की परेशानी हो रही है। घुटनों को आपस में रगड़ने से बचाने में अहम कॉर्टिलेज खराब होता है। 30 प्रतिशत घुटनों की समस्याएं आनुवंशिक कारणों से होती है। ये जानकारी उप्र आर्थराइटिस फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. संदीप कपूर ने शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता में दी। डॉ. कपूर ने बताया कि घुटनों में घिसाव के कारण मरीज को दर्द होता है। काफी मरीजों को घुटना प्रत्यारोपण तक की जरूरत पड़ती है। 40 वर्ष की आयु के आसपास के युवाओं में भी यह समस्या देखने को मिल रही है। इनमें घुटने का कुछ भाग ही प्रत्यारोपण की जरूरत पड़ती है। कम उम्र में प्रत्यारोपण के अपने दुष्प्रभाव है। 15 से 20 साल के बाद मरीज को पुनरीक्षण सर्जरी करानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि घुटनों की परेशानी से बचने के लिए वजन पर काबू रखें। डॉ. संदीप गर्ग ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी से मरीजों का इलाज आसान हो गया है। इससे प्रत्यारोपण और भी सुरक्षित हो गया है।

रोबोटिक सिस्टम से बदला घुटना ज्यादा गुणवत्ता युक्त

अमृत विचार, लखनऊ : हेल्थसिटी विस्तार अस्पताल में मरीजों को रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण की सुविधा मिलेगी। अत्याधुनिक रोबोटिक नी ट्रांसप्लांट में, पहले से ज्यादा सटीक बेहतर परिणाम देने वाला इलाज मिलेगा। इस तकनीक में मरीज को अस्पताल से जल्द छुट्टी मिल जाएगी और वह सामान्य दिनचर्या शुरू कर सकेगा। ये जानकारी शुक्रवार को नी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ.संदीप कपूर ने बताया कि अमेरिका निर्मित रोबोटिक सिस्टम में, सर्जरी के दौरान कंप्यूटर स्वयं बताएगा कि घुटने में हड्डी किस जगह, कितनी कट करनी है, जिसे काटा नहीं जाएगा बल्कि घिस कर से संतुलित किया जाएगा।

रोज भर्ती हो रहे वायरल संक्रमण के 100 मरीज

1000 मरीज सरकारी अस्पतालों की ओपीडी-इमरजेंसी में पहुंच रहे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : मौसम में बदलाव से वायरल संक्रमण के मरीज बढ़ रहे हैं। संक्रमण पहले गले को जकड़ रहा है, फिर लोग खांसी जुकाम और वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं। राजधानी के अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ी है। सिविल, लोकबंधु और बलरामपुर अस्पताल सहित संयुक्त चिकित्सालयों की ओपीडी व इमरजेंसी में लगभग एक हजार मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें 100 से अधिक मरीज भर्ती करना पड़ रहा है। चिकित्सक इलाज करने के साथ सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं।

हजरतगंज स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि बुखार और गले में इंफेक्शन वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है। रोजाना करीब 15-20 मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। इनमें टायफाइड (मियादी बुखार) और मलेरिया के मरीज अधिक हैं। इसके अलावा उल्टी-दस्त के भी मरीज आ रहे हैं।

बलरामपुर अस्पताल के सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया बुखार के करीब 150 से 200 मरीज रोजाना आ रहे हैं। इनमें 20-25 गंभीर मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। लोकबंधु अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजीव दीक्षित के मुताबिक कुछ दिनों से वायरल इंफेक्शन के मरीज बढे हैं। अभी अस्पताल में करीब 25 मरीज भर्ती हैं। बिना चिकित्सक की सलाह एंटीबायोटिक न लें। इसके अलावा ठाकुरगंज संयुक्त अस्पताल, रानी लक्ष्मीबाई, भाऊराव देवरस और बीकेटी के रामसागर मिश्र संयुक्त अस्पताल समेत सीएचसी और पीएचसी में भी वायरल संक्रमण के मरीज आ रहें हैं।

बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा खतरा

- सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश के मुताबिक इस मौसम में हानिकारक बैक्टीरिया वायरस व रसायन पेट की समस्याएं जैसे दस्त, टायफाइड जैसी बीमारियां फैलाते हैं। बच्चों व बुजुर्गों को सबसे ज्यादा खतरा रहता है। वायरल बुखार या किसी भी बीमारी के लक्षण होने पर चिकित्सक से संपर्क करें। समय पर इलाज मिलने से जटिलताओं से बचा जा सकता है।

तापमान में बदलाव से घटती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

- बलरामपुर अस्पताल के सीएमएस डॉ. हिमांशु के मुताबिक मौसम में बदलाव से शरीर के तापमान में बदलाव व रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम हो जाती है। बचाव के लिए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। इस मौसम में दूषित पेयजल के नुकसान बहुत गंभीर होते हैं।

बीमारी के प्रमुख लक्षण

- बुखार और ठंड लगना।
- खांसी-गले में खराश।
- शरीर में दर्द और कमजोरी।
- नाक बहना या बंद होना।
- सांस लेने में तकलीफ।
- दस्त या उल्टी (अगर पाचन तंत्र प्रभावित हो)।

ये नुस्खे भी आजमाएं

- प्रतिदिन हल्दी वाला दूध पीएं।
- तुलसी-जीरा की चाय पीएं।
- गुड़ और बादाम का सेवन करें।
- नियमित योग, व्यायाम व प्राणायाम करें।
- तनाव कम करने की कोशिश करें।

बलरामपुर अस्पताल की ओपीडी में लगी मरीजों की भीड़।

ऐसे करें बीमारियों से बचाव

- पानी का खूब सेवन करें।
- साफ-सफाई रखें, गीले कपड़ों से बचाव करें।
- विटामिन सी युक्त फल जैसे संतरा, नींबू खाएं।
- ठंडा पानी व अन्य शीतल पेयों से परहेज करें।
- एसी अब बंद करें, कूलर भी बिना पानी चलाएं।
- बीमार होने पर आराम करें व दवा जरूर ले।
- फंगल और बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचने के लिए सफाई रखें।
- शरीर को ठंड और नमी से बचाएं।

मलेरिया से बचाव

- मच्छरदानी का प्रयोग करें।
- पूरी बांह के कपड़े पहनकर सोएं।
- घरों के आस-पास पानी न भरने दें।
- कूलर की समय-समय पर सफाई करें।

टाइफाइड से बचाव

- साफ पानी व भोजन का सेवन करें।
- सड़क किनारे कटे बिक रहे फलों को खाने से बचें।
- फल व सब्जियों को साफ करके खाएं।

गोमती नदी के तट पर झूलेलाल वाटिका में चल रहे गणेशोत्सव में गणेशजी का महा अभिषेक कर शाम को 108 किलो का लड्डू चढ़ाया गया। इसके बाद कोलकाता के कालाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अमृत विचार

शताब्दी में खुलेंगे एचआरएफ के दो स्टोर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- भूतल पर संचालित स्टोर को बंद कर ट्रॉयज एरिया बनेगा

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के (केजीएमयू) के शताब्दी-2 में संचालित विभागों के मरीजों को सस्ती दवाइयां मुहैया कराने के लिए हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड (एचआरएफ) के दो स्टोर खोले जाएंगे। ये स्टोर दूसरे और पांचवें तल पर खुलेंगे। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने स्टोर खुलवाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इसमें विभाग की जरूरत के हिसाब से मरीजों को दवाएं 60 से 70 फीसदी कम कीमतों पर मुहैया कराई जाएगी। पहले से भूतल पर संचालित विभाग को बंद किया जाएगा। खाली स्थान पर चार बेड पर ट्रॉयज एरिया बनाया जाएगा।

आठ मंजिला शताब्दी-2 में ब्लड एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, रेडियोथेरेपी, पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन, गेस्ट्रो मेडिसिन, सर्जिकल आंकोलॉजी, ट्रॉमा सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, हिमैटोलॉजी समेत दूसरे विभागों का संचालन हो रहा है। भवन को नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड ऑफ हॉस्पिटल (एनएबीएच) के मानकों पर कसा जाएगा। इसके लिए भूतल पर चार बेड का ट्रॉयज एरिया बनाया जाना है।

शताब्दी में आने वाले मरीजों को पहले ट्रॉयज एरिया में रखा जाएगा। उसके बाद डॉक्टर मरीज को संबंधित विभाग में शिफ्ट कराएंगे। ट्रॉयज एरिया पहले से संचालित एचआरएफ स्टोर को बंदकर बनाया जाएगा। इसकी कवायद शुरू कर दी गई है।

इलाज से पहले चोटों की गंभीरता का आंकलन करें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने साझा की जानकारी

अमृत विचार : ट्रॉमा के मरीजों के इलाज में सावधानी बरतनी चाहिए। सबसे पहले रक्तस्राव को रोकने का प्रयास करें। यदि मरीज को सांस लेने में दिक्कत है। तो रुकावट का पता लगाकर उसे दूर करें। चोटों की गंभीरता का आंकलन कर इलाज शुरू करें। इससे जोखिम कम रहता है। यह जानकारी केजीएमयू ट्रॉमा सर्जरी विभाग के डॉ. समीर मिश्र ने साझा की।

डॉ. समीर शुक्रवार को केजीएमयू व आर्मी मेडिकल कोर सेंटर एवं प्रशिक्षण कॉलेज की ओर से ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। एएमसी एवं प्रशिक्षण कॉलेज में तीन दिवसीय एडवान्स ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। डॉ. समीर मिश्र ने कहा कि घायल के ब्लड प्रेशर पर नजर बनाए रखें। दिल की धड़कन और सांस लेने की दर जैसे महत्वपूर्ण संकेतों पर लगातार नजर रखें। तबीयत स्थिर होने के बाद चोटों की गंभीरता का आकलन करें। केजीएमयू प्लास्टिक सर्जरी विभाग के डॉ. दिव्य नारायण उपाध्याय ने कहा कि दिन प्रतिदिन टॉमा के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। डॉ. एमसी मिश्रा, कर्नल विकास चावला, डॉ. विनोद जैन, डॉ. हेमलता, डॉ. नेहा राय, डॉ. यादवेंद्र, डॉ. आनन्द कटियार, डॉ. वैभव जायसवाल, डॉ. संदीप साहू, डॉ. गौरव मित्तल, डॉ. रुद्रमणी व कोर्स को-ऑर्डिनेटर के रुप में शालिनी गुप्ता व शिखा गुप्ता उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता | साउथ एशियन हैंडबॉल फ़ेडरेशन ने एक होटल में किया ट्रॉफी का अनावरण

22 कैरेट गोल्ड की ट्रॉफी उठाएगी यूपी प्रो हैंडबॉल लीग की विजेता टीम

यूपी प्रो हैंडबॉल लीग ट्रॉफी का अनावरण करते साउथ एशियन हैंडबॉल फ़ेडरेशन के पदाधिकारी और अन्य। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी प्रो हैंडबॉल लीग की चमचमाती ट्रॉफी का शुक्रवार को अनावरण किया गया, जिसे देखकर खिलाड़ियों का उत्साह चरम पर पहुँच गया। 22 कैरेट गोल्ड प्लेटिंग से बनी इस ट्रॉफी को डॉ. आनंदेश्वर पांडेय (महासचिव, साउथ एशियन हैंडबॉल फ़ेडरेशन) और रानी सिंह (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन) ने मिलकर सबके सामने पेश किया।

यह लीग पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर से शुरू होगी। इसका उद्घाटन लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में किया जाएगा।

इस लीग के ब्रांड एंबेसडर, भारतीय हैंडबॉल टीम के पूर्व उपकप्तान और गायक नवीन पूनिया हैं। उन्होंने लीग के थीम सॉन्ग 'यूपी खेलेगा हैंडबॉल' को भी लॉन्च किया।

खिलाड़ी

- पुरुष वर्ग

  मोहित यादव, शुभम सिंह, अंकित चौधरी, अनीश यादव (अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) अनुभव सिंह, निहाल, अमित सिंह, शुभम सरोज, रजनीश सिंह, रोहन (राष्ट्रीय खिलाड़ी)।
- महिला वर्ग

  अनन्या, रितु (अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) सुमन यादव, रेशमा, उषा, निहारिका, राजपति, सौम्या, निशा खान, वैष्णवी दीक्षित (राष्ट्रीय खिलाड़ी)।

ये टीमें खेलेंगी

- इस लीग में आठ टीमें मेरठ राउडीज, अलीगढ़ वारियर्स, काशी रुद्रास, लखनऊ लैपड्स, गाजियाबाद थंडर्स, अयोध्या रक्षक, नोएडा ब्लास्टर्स और आगरा टाइटंस खेलेंगी।

विजेता टीम को मिलेंगे 10 लाख रुपये

- लीग में 39 मैच खेले जाएंगे। जीतने वाली टीम को 10 लाख व उपविजेता को 7 लाख रुपये दिए जाएंगे। तीसरे और चौथे नंबर पर रहने वाली टीमों को भी 2.5-2.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। ट्रॉफी के अनावरण के मौके पर उत्तर प्रदेश के 20 हैंडबॉल खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया।

विशेषज्ञ नहीं तो बंद होगा निजी अस्पताल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- शासन के निर्देश पर एडी मंडल ने बनाई जांच समिति

अमृत विचार : कुशल विशेषज्ञ और मैनपॉवर न होने पर निजी अस्पताल नहीं संचालित हो सकेंगे। इसकी जांच के लिए अपर निदेशक लखनऊ मंडल ने तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है। ये कमेटी निजी अस्पतालों का निरीक्षण करके रिपोर्ट देगी। अधिकारियों ने कहा कि मानक विहीन अस्पतालों को बंद कराया जाएगा।

सीएमओ कार्यालय में एक हजार से अधिक निजी अस्पताल, क्लीनिक और डायग्नोस्टिक सेंटर पंजीकृत हैं। इन अस्पतालों में रिकार्ड में तो एमबीबीएस डॉक्टर दिखाए जाते हैं लेकिन हकीकत में ज्यादातर अस्पताल मरीजों का इलाज दूसरी विधा के डॉक्टर से करवा रहे हैं। निजी अस्पतालों में हुई कई घटनाओं में इस लापरवाही का खुलासा हुआ है। इसके बाद निजी अस्पतालों में मरीजों के इलाज में लापरवाही पर शासन सख्त हो गया है। अपर निदेशक ने निजी अस्पतालों में मानक पूरे न होने पर उनके संचालन पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। अपर निदेशक के जरिये सीएमओ कार्यालय के तीन वरिष्ठ डॉक्टरों की कमेटी बनाई गई है। ये तीन सदस्यीय कमेटी हर माह निजी अस्पतालों का निरीक्षण करके पूरी रिपोर्ट देगी। अपर निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने कहा कि अमानक निजी अस्पतालों की निगरानी सख्त की जाएगी।

सिटी ब्रीफ

कार से का शीशा तोड़कर उड़ाया बैग

अमृत विचार, लखनऊ : लालकुआं के छितवापुर निवासी तनु गुप्ता 26 अगस्त की रात छितवापुर पुलिस चौकी के पास कार खड़ी कर घर गए थे।रात में कार का शीशा तोड़कर कोई लैपटॉप, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ऑफिस के पेपर, एचडीएफसी बैंक का एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड व अन्य सामान चोरी कर ले गया। सामान की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये थी। पीड़ित की तहरीर पर हुसैनगंज कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसओ शिवमंगल सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

छात्र ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, लखनऊ : मूलत: मैनपुरी निवासी कमल किशोर मधुवन विहार कालोनी में परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी मंजू, तीन बेटी के अलावा बेटा अरमान सिंह (15) था। कमल की यादव चौराहे स्टेशनरी की दुकान हे। मंजू के मुताबिक गुरुवार रात को अरमान कुत्ते को टहलाने के लिए निकला था। कुछ देर बाद वह घर वापस आया और कमरे में चला गया। काफी देर तक वह कमरे से नहीं निकला। इस पर वह देखने गई तो अरमान फंदे से लटका मिला। मंजू की चीख सुनकर परिवार के लोग कमरे में पहुंचे। अरमान को नीचे उतारा और अस्पताल लेकर गये। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा के मुताबिक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में जलनिगम के प्लंबर की मौत

अमृत विचार, लखनऊ : दुबग्गा में कार की टक्कर से बाइक सवार जल निगम के प्लंबर की मौत हो गई। रहीमाबाद के अलीपुर निवासी रिंकू गौतम (33) बालागंज जल निगम में प्लंबर थे। गुरुवार रात ड्यूटी के बाद वह बाइक से घर लौट रहे थे। दुबग्गा रिंग रोड पर बेकाबू कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायल को ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजन ने बताया कि रिंकू के पिता दिनेश की दो साल पहले मौत हो गई थी। उसकी मृतक आश्रित में नौकरी लगी थी।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : गुडंबा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इंस्पेक्टर प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी नदीम उर्फ फिरोज उर्फ कामरान गोंडा के कोतवाली शहर का रहने वाला है। 10 अप्रैल को आरोपी नदीम व उसके साथी मो. आसिफ के खिलाफ गुडंबा थाने में गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। फरार होने के चलते आरोपी पर इनाम घोषित किया गया था। आरोपी के खिलाफ लूट, हत्या का प्रयास, चोरी समेत करीब 13 मामले दर्ज हैं।

फर्जीवाड़ा करने वाली समिति की जमीनों का होगा ऑडिट

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने की बनाई चार सदस्यीय कमेटी, जिला प्रशासन हाईकोर्ट में दाखिल करेगा जांच रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति लि. के फर्जीवाड़े की जांच में तेजी
- गोमतीनगर विस्तार में आवंटित जमीन से तीन गुनी बेची, छह हजार करोड़ का घोटाला

अमृत विचार: बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति लि. द्वारा गोमतीनगर विस्तार इलाके में फर्जीवाड़ा कर एलडीए बेच दी गई। इस मामले में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने जमीन के ऑडिट करने का आदेश दिया है। इसके लिए चार सदस्यीय टीम का गठन किया है। जो जमीनों के खरीदफरोख्त की ऑडिट करेगी और अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। जिसे प्रशासन हाईकोर्ट में दाखिल करेगा। इसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति लि. को लखनऊ विकास प्राधिकरण ने 3.65 लाख वर्गफीट जमीन का आवंटन किया था। पर, समिति के सदस्यों व पदाधिकारियों सात लाख वर्गफीट से अधिक जमीन बेच दी। जिसकी कीमत करीब छह हजार करोड़ रुपये है। जमीन बेचने में समिति के पदाधिकारियों ने सरकारी भूखंडों को भी नहीं छोड़ा। ग्राम समाज, तालाब और अन्य मद में सुरक्षित भूखंडों को भी मनमाने तरीके बेच दी। इस मामले में हाईकोर्ट ने 20 अगस्त को समिति गठित कर जांच कराने का आदेश दिया। इसी क्रम में प्रमुख सचिव सहकारिता ने जिलाधिकारी लखनऊ से संबंधित विभागों की संयुक्त कमेटी गठित कराने का पत्र भेजा।

गठित की गई कमेटी सोसायटी के स्वामित्व वाली कुल भूमि, पिछले दस वर्षों में निष्पादित बिक्री विलेखों की सं,या और सोसायटी के खातों में बिक्री से मिली धनराशि की जांच करेगी। साथ ही सोसायटी में नए सदस्यों को शामिल करने की तारीख और रसीदें भी जुटाएगी। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश प्रताप सिंह ने 3 सितंबर को एक समिति गठित करने का आदेश जारी किया।

जिसमें चार सदस्यों को शामिल किया है। आदेश में उपजिलाधिकारी सदर, सीलन अधिकारी एलडीए, सहायक महानिरीक्षक स्टाम्प और सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता को शामिल किया है। साथ ही निर्देश दिया है कि हाईकोर्ट के अपेक्षा के अनुसार जांच व निरीक्षण करते हुए साक्ष्यों सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करें। ताकि 16 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जा सके।

गैंगस्टर की कार्रवाई को भी भेजा पत्र

- बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति लि. के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद संबंधित विभागों ने कार्रवाई में तेजी कर दी है। इस मामले में गाजीपुर थाने में समिति के सचिव महेंद्र प्रसाद तिवारी ने 20 अगस्त को धोखाधड़ी की एफआईआर कराई। जिसमें पूर्व अध्यक्ष प्रवीण सिंह बाफिला, पूर्व सचिव लखन सिंह वालियानी, पूर्व पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह, वीरेंद्र सिंह के बेटे अभिषेक विक्रम सिंह, भाई नरेंद्र कुमार सिंह, कमलेश सिंह, अरविंद सिंह और परिवार के अन्य सदस्यों को आरोपी बनाया। इस मामले में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता वैशाली सिंह ने गाजीपुर इंस्पेक्टर को एक पत्र भेजा है। जिसमें हाईकोर्ट ने समिति के खिलाफ 23 बिंदुओं पर निर्णय का जिक्र किया गया है। पुलिस से आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई करने की बात लिखी है। गाजीपुर थाने की पुलिस से यह कार्रवाई हाईकोर्ट में होने वाली 16 सितंबर की सुनवाई के पूर्व करने का सिफरिश की गई है।

नाला निर्माण के दौरान गिरी दीवार, चार घायल, दो ट्रामा सेंटर

अमृत विचार, लखनऊ: राजाजीपुरम् डी ब्लॉक अंतर्गत पारा-जलालपुर उपरिगामी पुल के रेलवे ओवर ब्रिज के पास मजदूर नाला निर्माण का कार्य कर रहे थे। गहरी खोदाई के दौरान पास के मकान की दीवार गिरने से मजदूर सीतापुर निवासी सिंकू, शैलेश, दीपू और प्रमोद मलबे में दब गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें मलबे से निकालकर रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल पहुंचाया। गंभीर हालत के चलते दो घायलों को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। भवन स्वामी अर्चना त्रिवेदी व अनुज ने सेतु निगम ठेकेदार पर बिना सुरक्षा इंतजाम कार्य कराने का आरोप लगाया।

पुलिस चौकी में तोड़फोड़ कर चौकीदार को लूटा

पीछा कर पकड़ने गई चौकी पुलिस टीम पर भी हो गए हमलावर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- करीब आधे घंटे तक चौकी में करते रहे बवाल
- एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ा, दूसरा भागा

पुलिस चौकी में टूटा पड़ा सामान और बिखरे कागजात। अमृत विचार

अमृत विचार : पारा के डॉक्टर खेड़ा पुलिस चौकी में गुरुवार देर रात दो दबंग भाइयों ने चौकीदार को पीटकर रुपये लूट लिए। खिड़की के शीशे, कुर्सी मेज तोड़ने के साथ सरकारी फाइलें फाड़ डालीं। पीछा कर पकड़ने गई पुलिस टीम के साथ भी मारपीट की। किसी तरह पुलिस ने एक भाई को दबोच लिया, लेकिन दूसरा भाग निकला। पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

डॉक्टर खेड़ा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राजकुमार ने बताया कि गुरुवार देर रात चौकीदार लाल बहादुर उर्फ लाला चौकी में साफ-सफाई कर रहा था। करीब 2 बजे पारा के मोनार्क सिटी निवासी अजय गोस्वामी व उसका भाई मनोज गोस्वामी गालियां देते हुए पुलिस चौकी में घुसे गए। चौकीदार ने मना किया तो उससे मारपीट कर जेब से 1300 रुपये लूट लिए। अलमारी, खिड़की के शीशे तोड़ने के साथ कुर्सी पटक और मेज पर रखी फाइलें फाड़ कर फेंक दी। चौकीदार को धमकाते हुए भाग निकले। चौकीदार ने चौकी प्रभारी को फोन कर सूचना दी की। चौकी इंचार्ज, साथी दरोगा गिरीश कुमार, बबी चंदेला, सिपाही शिव ओम यादव और चालक सिपाही अंकुर के साथ चौकी पहुंचे। वहां चौकीदार लाल बहादुर बदहवास हालत में पड़ा मिला।

चौकीदार ने चौकी प्रभारी को बताया कि दोनों आरोपी डॉक्टर खेड़ा गांव की तरफ पैदल भागे हैं। पुलिस ने उसी दिशा में पीछा किया तो करीब 300 मीटर दूर दोनों मिल गई। चौकीदार के पुष्ट करने पर पुलिस पकड़ने की कोशिश की तो दोनों भाई हमलावर हो गए। गाली-गलौज कर हाथापाई शुरु कर दी। पुलिस ने अजय को तो पकड़ लिया, लेकिन मनोज भाग निकला। आरोपी के कब्जे से चौकीदार से लूटे गए 1300 रुपये बरामद कर लिए हैं।

आरोपी पर दर्ज हैं आठ मामले

- इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह ने बताया कि आरोपी अजय व मनोज गोस्वामी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट, लूट, गाली-गलौज, धमकी, सार्वजनिक संपति नुकसान अधिनियम समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। अजय के खिलाफ पहले से करीब आठ मामले दर्ज हैं।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

महिला की हत्या में नामजद आरोपी हिरासत में

अमृत विचार, लखनऊ : सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में दुष्कर्म के बाद 44 वर्षीय महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने मोहल्ले में रहने वाले छोटू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु कर दी है। इसके साथ ही पुलिस छह अन्य संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। पुलिस सर्विलांस की मदद से जांच करने के साथ ही डॉक्टरों से पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर राय ले रही है। एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ रुणवाल ने बताया कि कुछ नए तथ्य हाथ लगे हैं। उन बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है। इसके साथ ही छोटू व अन्य से पूछताछ की जा रही है। पीड़ित परिवार ने छोटू पर शक जाहिर किया था। पीड़ित पति ने बताया था कि पत्नी की मोहल्ले में रहने वाले छोटू नाम के व्यक्ति से अच्छी बातचीत थी।

सैरपुर में कैफे एंड रेस्टोरेंट में पकड़ा हुक्का बार, तीन आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 13 हुक्का, चिलम, पाइप, फ्लेवर्ड तंबाकू और अन्य सामान बरामद

अमृत विचार : सैरपुर स्थित सरस्वती पेट्रोल पंप के पीछे सिस्टम कैफे एंड रेस्टोरेंट की आड़ में चल रहे हुक्का बार पर पुलिस ने छापा मारा। पुलिस ने घेराबंदी कर संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से 13 हुक्का, चिलम, पाइप, फ्लेवर्ड तम्बाकू, चारकोल समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एसओ मनोज कुमार कोरी ने बताया कि सीतापुर रोड पर सरस्वती पेट्रोल पंप के पास सिस्टम कैफे एंड रेस्टोरेंट में अवैध रूप से हुक्का बार संचालित होने की सूचना मिली। सूचना पर उपनिरीक्षक संदीप कुमार मिश्रा व अनुज गुप्ता ने टीम के साथ गुरुवार रात कैफे में छापेमारी की। पुलिस टीम पहुंची तो सिस्टम कैफे एंड रेस्टोरेंट में हुक्का बार चलता मिला। बार में कई हुक्के लगे थे। पुलिस कर्मियों को देखते ही कैफे में मौजूद लोग भागने लगे।

पुलिस ने घेरकर चार लोगों को पकड़ लिया। आरोपियों में फैजुल्लागंज निवासी दीपक सिंह, सीतापुर रेउसा निवासी शिवम रस्तोगी, थानगांव निवासी अनुज कुमार व अहमदपुर खेड़ा इटौंजा निवासी दीपू कुमार हैं। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी दीपक संचालक है, जबकि अन्य तीनों आरोपी रेस्टोरेंट कर्मी हैं। उपनिरीक्षक संदीप कुमार मिश्रा ने सैरपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

लाइसेंस होने का देता था झांसा

- 18 से कम उम्र के व्यक्ति को तंबाकू उत्पाद की बिक्री करना मना है। इस नियम की अनदेखी सिस्टम कैफे एंड रेस्टोरेंट में की जा रही थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि संचालक कम उम्र के लड़कों और छात्रों को हुक्का बार का लाइसेंस होने का झांसा देता था। कई बार स्कूल ड्रेस में भी आने वाले छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा था।

पिटाई से आहत छात्र से कॉलेज जाना किया बंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एमिटी विवि की कार पार्किंग में की गई मारपीट, वीडियो वायरल
- पिता की तहरीर पर चिनहट कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : मल्हौर स्थित एमिटी विश्वविद्यालय की पार्किंग में लॉ छात्र को सहपाठी छात्रा और युवक ने कार में बैठाकर थप्पड़ मारे। आहत छात्र से कॉलेज जाना बंद कर दिया है। छात्र के पिता की शिकायत पर चिनहट पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

शेखर केसरवानी एमिटी विश्वविद्यालय में बीए एलएलबी का छात्र है। 11 जून को उसका घुटने के लिगामेंट का ऑपरेशन हुआ था। इससे दो माह तक वह विश्वविद्यालय नहीं जा सका। 8 अगस्त से जाना शुरू किया। 26 अगस्त को दोस्त के साथ विश्वविद्यालय गया था। दोस्त ने कार पार्किंग में खड़ी की। इसी बीच साथ में पढ़ाई करने वाली युवती और युवक आयुष यादव आ गए। दोनों ने शेखर को कार में ही कई थप्पड़ मारे। शेखर ने गाल पर हाथ रखा तो युवती ने हटवा दिया। इसके बाद आयुष ने भी कई तमाचे मारे और अभद्रता भी की गई। छात्र के पिता मुकेश केसरवानी ने बताया कि पिटाई से आहत बेटे ने कॉलेज जाना छोड़ दिया है। वह काफी डरा हुआ है। आरोप लगाया किया साजिश के तहत उसे पीटा गया। पिता ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से शिकायत कर दी है। इसके अलावा आयुष यादव, जाह्नवी, मिलाय बनर्जी, विवेक सिंह और आर्यमन शुक्ला के खिलाफ तहरीर दी है। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चन्द्र मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

महिला वकील से अभद्रता एफआईआर दर्ज

- **अमृत विचार, लखनऊ :** वजीरगंज थाने में इलाके में रहने वाली महिला वकील ने तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप है कि तीनों ने उसके साथ अभद्रता की और विरोध करने पर धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला वकील के मुताबिक 30 अगस्त की रात 11 बजे वह भांजी के साथ घर से कुत्ता टहलाने निकली थी। इसी दौरान घर के सामने एक युवक लघुशंका करते हुए दिखा। मना करने किया। पर, नहीं मामना। उसने अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दी। इसी बीच उसके दो अन्य साथी आ गये। आरोपियों ने कालोनी की महिलाओं की वीडियो बनाया और गालियां देनी शुरू की। विरोध करने पर आरोपी धमकी देते हुए भाग निकले। इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश त्रिपाठी के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

एडवरटाइजिंग कपंनी ने हड़पे 3.59 करोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीड़ित फर्म मालिक ने अलीगंज थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: अलीगंज थाने में सहारनपुर की सोफिया एडवटाइजिंग कंपनी के दो निदेशकों सुहैल राना और रियाज राना व अन्य पर 3.59 करोड़ की ठगी की रिपोर्ट अलीगंज थाने में दर्ज की गयी है। पुलिस ने यह कार्रवाई एरोल मस कम्युनिकेशन के निदेशक राकेश कुमार चतुर्वेदी की शिकायत पर की है। दोनों कंपनियों के बीच में विकसित भारत कैंपेन के लिए समझौता हुआ। प्रचार प्रसार पर हुए खर्च को देने में कंपनी ने आनाकानी की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी।

राकेश कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में उन्होंने सोफिया एडवरटाइजिंग कंपनी के निदेशक रियाज राना और सुहैल राना के कहने पर यूपी के अलग-अलग जिलों में 65 एलईडी वैन में विकसित भारत कैंपेन के तहत लगाई थी। उक्त एलईडी वैन 3610 दिन तक चली थी। जिसमें एंकर समेत चार लोगों की नियुक्ति की गयी थी। कंपनी ने उन्हें 40 लाख रुपये एडवांस के तौर पर दिए थे। राकेश के अनुसार उन्होंने 5.10 करोड़ रुपये का बिल बनाया था। आरोप है कि रियाज और सुहैल ने फर्जीवाड़ा करते हुए सरकार से भुगतान हासिल कर लिया पर उन्हें रुपये नहीं दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की तो आरोपियों ने सिर्फ 1.11 करोड़ रुपये का भुगतान किया और बचे हुए 3.58 रुपये देने से मना कर दिए। इंस्पेक्टर अशोक सोनकर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

शराब ठेके में चोरी

- अमृत विचार, आशियाना: आशियाना के बंगला बाजार स्थित उसरी इलाके में बुधवार रात चोरों ने कंपोजिट वाइन शॉप का ताला तोड़कर 2.90 लाख रुपये और 90 हजार रुपये की शराब चुरा ली। आरोपियों ने सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिये। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे से गुस्साई भीड़ ने लगाया जाम, घेरा थाना

सैरपुर में बेकाबू ट्रैक्टर टॉली की टक्कर से पति की मौत, पत्नी गंभीर घायल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सड़क पर करीब डेढ़ घंटे तक रही जाम की स्थिति
- पुलिस ने गिरफ्तारी का आश्वासन दे खुलवाया जाम

मृतक रामस्वरूप

सड़क जाम कर हंगामा करने वाली भीड़ को समझाते पुलिस अधिकारी।

अमृत विचार : सैरपुर में मुबारकपुर मोड़ पर शुक्रवार सुबह ईंट लदी बेकाबू ट्रैक्टर ट्रॉली ने दंपति को टक्कर मार दी। पहिये के नीचे आने से पति की मौके पर ही मौत हो गई और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे से आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने पहले सड़क पर जाम लगाकर हंगामा किया फिर थाने का घेराव किया। पुलिस ने चालक की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया भीड़ को शांत कराया।

बीकेटी के कमलाबाद बढ़ौली निवासी रामस्वरूप (55) और पत्नी गीता आईआईएम के पास प्राइवेट नौकरी करते थे। शुक्रवार सुबह करीब 7:45 बजे दोनों काम पर जा रहे थे। सैरपुर स्थित मुबारकपुर मोड़ पर ऑटो से उतरकर पैदल जाने लगे। इसी बीच पीछे से आए ईंट लदे ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक ने दंपति को टक्कर मार दी। रामस्वरूप ट्रैक्टर ट्रॉली के पहिए के नीचे आ गया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गीता भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर ट्रॉली छोड़कर भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस और परिजन ने गीता को ट्रामा सेंटर लेकर में भर्ती कराया गया।

उधर, परिवारवालों और ग्रामीणों ने सड़क पर हंगामा शुरू कर दिया। इससे मुबारकपुर व सीतापुर रोड पर लंबा जाम लग गया। भीड़ ने थाने पहुंचकर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

थाने का घेराव कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर भीड़ को समझाकर शांत कराया। करीब डेढ़ घंटे बाद हालात सामान्य हो सके। इंस्पेक्टर राम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि तहरीर मिली है। आरोपी चालक के खिलाफ ट्रैक्टर ट्रॉली नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर तलाश की जा रही है।

फालोअप — शनिवार को फाइनल मैच के बाद पुलिस जारी करेगी नोटिस, सभी खिलाड़ियों का सुरक्षा घेरा मजबूत, सर्विलांस व कैमरों से पड़ताल

सट्टेबाज को ट्रैप करने वाले काशी रूद्रास के मैनेजर से होगी पूछताछ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- साइबर सेल ने इंस्टाग्राम से मांगी आईपी एड्रेस की डिटेल

अमृत विचार : इकाना स्टेडियम में चल रहे यूपी प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट में सट्टेबाज को ट्रैप कर इनपुट हासिल करने वाले काशी रूद्रास के मैनेजर अर्जुन से जल्द ही सुशांत गोल्फ सिटी पूछताछ करेगी। फाइनल मैच के बाद पुलिस नोटिस जारी कर कई सवालों की जानकारी लेने के लिए बुलाएगी। वहीं, एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ रुणवाल ने बताया कि साइबर क्राइम सेल को इंस्टाग्राम आईडी के आईपी एड्रेस को पता लगाने के लिए लगाया गया है। सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

एसीपी ने बताया कि सट्टेबाज ने टीम मैनेजर से व्हाट्सएप पर भी संपर्क किया था। इस सूरत में टेलीकॉम कंपनी से मोबाइल नंबर की सीडीआर और लॉस्ट लोकेशन भी मांगी गयी है। इसके साथ ही स्टेडियम के कार्पोरेट बॉक्स, वीवीआईपी समेत अन्य जगहों पर लगे सीसी कैमरे खंगाले जाएंगे। इसके साथ ही साइबर क्राइम सेल ने इंस्टाग्राम को मेल कर आईपी एड्रेस की जानकारी मांगी है। शनिवार को लीग का फाइनल मैच खेला जाएगा। शनिवार को होने वाले फाइनल मैच के मद्देनजर सभी खिलाड़ियों की सुरक्षा का घेरा मजबूत कर दिया गया है। ताकि कोई भी बाहरी व्यक्ति किसी से मिल न सके। इसके लिए सादी वर्दी में भी पुलिस को लगाया गया है।

फर्जी आईएएस का पीएस गिरफ्तार, खुद को बताता था निजी सचिव

- **अमृत विचार, लखनऊ :** फर्जी आईएएस सौरभ त्रिपाठी के पीएस गौरव पांडेय को शुक्रवार दोपहर वजीरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फर्जी आईएएस की तरह आरोपी भी खुद को उनका निजी सचिव बताता था। गौरव ही उसके सोशल मीडिया अकाउंट को भी ऑपरेट करता था। यही नहीं आरोपी ही सौरभ की एनआईसी की फर्जी आईडी से विभिन्न जनपदों के जिलाधिकारियों और कई राज्यों में प्रोटोकॉल व सरकारी गेस्ट हाउस बुक कराने के लिए मेल करता था। साथ ही ट्रांसफर, पोस्टिंग के लिए लोगों से डीलिंग भी करता था। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी गौरव पांडेय मूलरूप से फर्रुखाबाद के थाना फतेहगढ़ स्थित नेकपुर चौरासी गांव का रहने वाला था। यहां गोमतीनगर विस्तार में एमआई रसल कोर्ट गेट के सामने रहता है। इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश कुमार त्रिपाठी व उनकी टीम ने आरोपी गौरव को ग्लोब पार्क के पास से पकड़ा। आरोपी के पास से बरामद दो मोबाइल की कॉल डिटेल्स का पता लगाया जा रहा है। पूछताछ में पुलिस ने उससे सोशल मीडिया अकाउंट की भी जानकारी ली। इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक आरोपी गौरव ने पूछताछ में बताया कि फर्जी आईएएस सौरभ ने उसे भी बता रखा था कि वह केंद्रीय सचिव है। उसने प्राइवेट तौर पर रख रखा था। सौरभ ने कई आईडी पर सिम खरीद रखे थे। उन्हीं सिम के माध्यम से कई सोशल मीडिया अकाउंट बनाए गए थे। गौरव सोशल मीडिया अकाउंट को प्रमोट करता था। जिसमें वह इवेंट्स की फोटो भी अपलोड करता था। पुलिस फर्जी आईएएस और पीएस की कॉल डिटेल्स के आधार पर लोगों से संपर्क करेगी। पुलिस पीड़ितों की की भी खोजबीन कर रही है।

सोसाइटी की बैठक में हंगामा

महिला डॉक्टर पर फेंकी बोतल

संवाददाता, पीजीआई

अमृत विचार : पीजीआई के बहादुर विहार सोसाइटी में हुई एजीबीएम मीटिंग के दौरान जमकर हंगामा हो गया। सोसाइटी की निवासी डा. आहुति बाजपेई ओझा ने सोसाइटी के सदस्य मनोज जोशी पर गाली गलौज, अभद्रता, बोतल फेंककर हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज कराया है।

महिला के मुताबिक बीते 22 जून को मीटिंग के दौरान दुकान का किराया न देने को लेकर मनोज जोशी ने डा ओझा पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी की। विरोध करने पर उन्होंने बोतल फेंकी और माइक लेकर हमला करने की कोशिश की। इसी दौरान डा ओझा के पति और मनोज जोशी के बीच झड़प हो गई। महिला का कहना है कि मीटिंग की वीडियोग्राफी मौजूद है, लेकिन मनोज जोशी ने पूरी रिकॉर्डिंग न देकर सिर्फ वह हिस्सा दिखाया, जिसमें उनके पति को उग्र दिखाया गया। यही नहीं घटना के बाद से मनोज जोशी लगातार उन्हें अवैध नोटिस भेजकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं, जबकि ऐसा करने का उनके पास कोई अधिकार नहीं है।

सिटी ब्रीफ

सामूहिक पिंडदान तर्पण कल से

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरानगर सेक्टर-9 स्थित गायत्री ज्ञान मंदिर में पितृपक्ष के अवसर पर 7 सितंबर से सामूहिक पिण्डदान तर्पण शुरू होगा। ये कार्यक्रम 21 सितंबर तक चलेगा। मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने बताया किया रोजाना सुबह 5 :30 बजे से देव आवाहन, देवपूजन के बाद पिण्डदान-तर्पण प्रारंभ होगा, उसके उपरांत गायत्री यज्ञ होगा। उन्होंने बताया कि तर्पण के सभागार में युग ऋषि द्वारा रचित धर्म एवं अध्यात्म, वैज्ञानिक विश्लेषण के साथ जीवन मृत्यु पर आधारित पुस्तकें भी प्रदर्शित रहेंगी।

यूपी की आशी शमशेरी ने जीते दो गोल्ड मेडल

अमृत विचार, लखनऊ : गोमती नगर के विजयखंड स्टेडियम में हुई आइटा चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की आशी शमशेरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरी सफलता हासिल की। उन्होंने अंडर-16 और अंडर-14 दोनों वर्गों में खिताब जीतकर सबको चौंका दिया। बालिका वर्ग के फाइनल में आशी शमशेरी का दबदबा साफ दिखा। अंडर-16 में उन्होंने टॉप सीड खिलाड़ी सिद्धि सिंह को 6-1, 6-2 से हराया। इसके बाद, अंडर-14 के फ़ाइनल में उन्होंने महाराष्ट्र की अनिका नायर को 6-3, 6-3 से हराकर दूसरा गोल्ड मेडल जीता। पुरुष वर्ग में, उत्तर प्रदेश के कौस्तुभ सिंह ने अंडर-16 का खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में अथर्व आनंद को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं अंडर-14 का ख़िताब अथर्व आनंद ने जीता, जिन्होंने फाइनल में यूपी के किंजल्क श्रीवास्तव को 6-1, 6-1 से हराया। विजेता खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के सचिव पुनीत अग्रवाल ने पुरस्कार दिए। इस मौक़े पर टूर्नामेंट के डायरेक्टर उज़ैर अहमद आज़मी और रेफ़री समित केसरी भी मौजूद रहे।

शान-ओ-शौकत के साथ निकला जुलूस-ए-मदहे सहाबा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मौलाना फिरंगीमहली ने की जुलूस की अगुवाई

अमृत विचार : पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के मौके पर शुक्रवार को राजधानी में दो बड़े जुलूस निकाले गए। अमीनाबाद स्थित झंडे वाले पार्क से सुबह 9 बजे जुलूस-ए-मदहे सहाबा निकाला गया तो उधर मोहम्मदी मिशन की और से बालागंज से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया।

इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फिरंगीमहली के मार्गदर्शन में जुलूस-ए-मदहे सहाबा अमीनाबाद के झंडेवाला पार्क से शुरू होकर मौलवीगंज, नेहरुक्रास, नादान महल रोड, नक्खास तिराहा, बिलोचपुरा चौराहा, बाजार खाला होते हुए ऐशबाग ईदगाह में खत्म हुआ। ऐशबाग ईदगाह में जुलूस का पहला झंडा लेकर अंजुमन दोपहर एक बजे पहुंची। इसी के बाद यहां जलसा शुरू हो गया। जलसे में धर्मगुरुओं ने हजरत मोहम्मद साहब और उनके सहाबा के किरदार पर विस्तार से रौशनी डाली।

धर्मगुरुओं ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब ने अपने अनुयाइयों से कहा था कि किसी का उधार लें तो उसे हर हाल में वापस करें। उधार चुकाए बगैर मर जाने वाले से अल्लाह हिसाब करेगा और इसका बहुत बड़ा अजाब है। एक भी पैसा बेईमानी का खाना और उधार की रकम को न चुकाना बहुत बड़ा गुनाह है। इस मौके पर आतिफ हनीफ की हजरत मोहम्मद पर लिखी गई किताब का लोकार्पण किया गया। हजरत मोहम्मद साहब पर लिखी गई इस किताब में पूरी दुनिया के विद्वानों ने मोहम्मद साहब पर जो भी लिखा है उसे दर्ज किया है। इस किताब में लिखा है कि चारों आसमानी किताबों में मोहम्मद साहब का जिक्र है। पिछले 1500 सालों में दुनिया में आये तमाम विद्वानों ने मोहम्मद साहब के बारे में जो कुछ भी लिखा है उसे इस किताब में लिखा गया है। इस किताब को तैयार करने में उन्हें लगभग 3 साल का समय लगा।

मौलाना खालिद रशीद फिरंगीमहली के मार्गदर्शन में निकाले गए जुलूस-ए-मदहे सहाबा में मौलाना अब्दुल अजीम फारुकी, मौलाना अब्दुल बारी फारुकी और मौलाना मुहम्मद मुश्ताक भी जुलूस के साथ-साथ रहे। जुलूस में लगभग 200 अंजुमनों ने हिस्सा लिया। तमाम अंजुमनें रंग बिरंगे झंडे लिए हुए अपना-अपना तराना पढ़ते हुए निर्धारित मार्ग पर चल रही थीं। जुलूस के रास्ते में मुसलमानों के साथ-साथ बड़ी संख्या में हिन्दुओं ने भी सबीलें लगाकर लोगों को सहूलियत दी।

मजलिस-ए-तहफ्फुज-ए-नामूसे सहाबा, इस्लामिक सेन्टर ऑफ़ इंडिया, ऑल इंडिया सुन्नी बोर्ड और तहरीक तहफ्फुज नामूस रसूल के कार्यकर्ताओं ने रास्ते भर जुलूस की व्यवस्था को सुचारू बनाने में मदद की। जिला प्रशासन और पुलिस के तरफ से बड़े पैमाने पर सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गई थी। जुलूस के ईदगाह पहुंचने पर जुमे की नमाज हुई। जुलूस का स्वागत इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया के कार्यकर्ताओं और दारूल उलूम फरंगी महल के अध्यापकों ने किया। जुलूस ईदगाह पहुंचने के बाद जलसे में बदल गया। जलसे को मौलाना खालिद रशीद, मोहम्मद अहमद खां अदीब और मौलाना मोहम्मद मुश्ताक ने संबोधित किया। उधर, मोहम्मदी मिशन की तरफ से बालागंज से शुरू हुआ जुलूस-ए-मोहम्मदी ठाकुरगंज, कोमेश्वर तिराहा, चौक चौराहा होता हुआ शाहमीना शाह की दरगाह तक पहुंचा। जुलूस में नारा-ए-तकबीर अल्लाह-ओ-अकबर के नारे बलंद हो रहे थे। जुलूस के साथ चल रहे बैनर पर मुसलमानों के रहबर मौलाना खामेनेई की तस्वीरें लगी थीं। जुलूस में मौजूद हजारों लोग हजरत मोहम्मद साहब की शान में कसीदे पढ़ते हुए चल रहे थे।

शाहमीना शाह से निकाले गए जुलूस-ए-मदहे सहाबा में शामिल मुस्लिम समाज के लोग। अमृत विचार

मौलाना खालिद रशीद का किया सम्मान

- साप्ताहिक बाजार व्यापारी कल्याण समिति के अध्यक्ष वसी उल्ला आजाद, महामंत्री अनिल सक्सेना, सईद अहमद और मोहम्मद शानू समेत 35 व्यापारी नेताओं ने ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद को अंगवस्त्रम और पुष्प देकर सम्मानित किया।

व्यापारियों ने किया जुलूस-ए-मदेह सहाबा का स्वागत

- **अमृत विचार, लखनऊ :** यहियागंज उद्योग व्यापार मंडल ने श्री सिद्धनाथ मंदिर के सामने, नादान महल रोड पर जुलूस-ए-मदेह सहाबा का स्वागत किया। व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र एवं युवा अध्यक्ष कुश मिश्र ने जुलूस का नेतृत्व कर रहे मौलाना अज़ीम फारुखी एवं मौलाना अब्दुल वली फारुखी को अंगवस्त्र भेंट कर माला पहनाई। जुलूस में सम्मिलित लोगों का बूंदी भी खिलाई गई। अबूबकर, आमिर, रिज़वान, रियाज़, आदिल सहित कई लोग उपस्थित रहे

जुलूस-ए-मदेह सहाबा का स्वागत करते यहियागंज व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

डिफेंस टीम ने किया पैदल मार्च

- **अमृत विचार, लखनऊ :** बारावफात के जुलूस में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सिविल डिफेंस की टीम ने चीफ़ वार्डन अमरनाथ मिश्र के नेतृत्व में पैदल मार्च किया। कई जगह कैंप भी लगाए। टीम अमीनाबाद से रकाबगंज पुल, नेहरूक्रास, यहियागंज, नादान महल रोड, नक्खास चौराहा, टूरियागंज, हैदरगंज चौराहा वाया पीली कालोनी होते हुए ऐशबाग ईदगाह पहुंची। पीली जैकेट पहने टीम में डिप्टी चीफ वार्डन गुरप्रीत सिंह सेठी, स्टॉफ ऑफिसर टू चीफ़ वार्डन ऋतुराज रस्तोगी, डिविजनल वार्डन सुनील कुमार शुक्ला, नफीस अहमद, आशीष कपूर, हरीश चन्द्र, दिनेश माथुर, सतेंद्र शर्मा, डिप्टी डिविजनल वार्डन मुशीर अहमद, रामगोपाल सिंह, सुनील कुमार कर्मचंदानी, राजेन्द्र कुमार वर्मा, रियाजउद्दीन, रीता पटेल, मजीद अली, राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप शर्मा, सुमित साहू, ऐश्वर्य शर्मा, आलोक सक्सेना, अनंत तोमर उपस्थित रहे।

मनौतियों के राजा को चढ़ाया 108 किलो का लड्डू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आज शोभायात्रा निकालकर किया जाएगा मूर्ति का भू विसर्जन

अमृत विचार : गोमती नदी तट पर स्थित झूलेलाल वाटिका में चल रहे श्री गणेश प्राकट्य कमेटी के गणेशोत्सव में शुक्रवार को गणेशजी का महा अभिषेक किया गया। भक्तों ने दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, गंगाजल, पंच फलों के रस से 1008 नामों के साथ महाभिषेक किया। कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य, कार्यकर्ता सपरिवार शामिल हुए। कोलकाता से आए संजय शर्मा ने 108 किलो का लड्डू तेरे लिए ले आये बप्पा, क्यों न भोग लगाएं भजन सुनाया।

शाम को मनौतियों के राजा को 108 किलो का महामोदक चढ़ाया गया। कमेटी के भारत भूषण गुप्ता, घनश्यामदास अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, शरद अग्रवाल, योगेश बंसल, अखिलेश बंसल, पार्षद रंजीत सिंह, संजय अग्रवाल, देशराज अग्रवाल, संजय सिंह गांधी, अतुल बंसल, रामशंकर वर्मा, गोपाल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, जयकरन, सुधांशु बाथम, नरेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, अतुल (सोनू), रोहित महानगर, महिलाओं में संध्या बंसल, अंजू गुप्ता, ऊषा अग्रवाल, कविता अग्रवाल, रुक्मणी अग्रवाल, अंशु बंसल, विमी बंसल, नेहा बंसल, नीरजा सिंह, अनुराधा गोयल परिवार के साथ मनौतियों के राजा को महामोदक भेंट किया। उस दौरान कोलकाता से आये संजय शर्मा ने भजन '108 किलो का लड्डू तेरे लिए ले आये, बप्पा क्यों न भोग लगाये' सुनाया तो पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। राधा कृष्ण महारास नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। इसके बाद शिव बारात नृत्य नाटिका का मंचन किया गया।

कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि विसर्जन शोभायात्रा दोपहर 1 बजे झूलेलाल वाटिका से शुरू होगी। ये विश्वविद्यालय मार्ग, आईटी चौराहा, रामकृष्ण मठ, शंकरनगर चैराहा, नजीरगंज, डालीगंज होते हुए झूलेलाल घाट पर पहुंचेगी, जहां मूर्ति का भू विसर्जन किया जाएगा। शोभा यात्रा में दर्जनों झांकियां, बग्घी, रथ, घोड़ा, बैंड शामिल होंगे। यात्रा के सबसे पीछे भगवान सिद्धि विनायक के रूप में विराजमान भगवान गणेश का फूलों से सजा रथ चलेगा। बताया कि 10 दिन चले उत्सव में बप्पा के भक्तों ने लगभग 90 हजार गजानन के नाम चिट्ठी लिखी सभी चिट्ठियों को बप्पा की मूर्ति के साथ भूविसर्जन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को बप्पा को चढ़ाए गए 108 किलो का महामोदक का प्रसाद भक्तों को बांटा जाएगा।

झूलेलाल वाटिका में गणेश जी का महा अभिषेक करते भक्त।

गणेश प्रतिमा का विसर्जन करने जाते भक्त। अमृत विचार

मूर्ति विसर्जन यात्रा निकाली

- हीवेट रोड, शिवाजी मार्ग पर आस्कर योग साई कृपा सेवा संस्थान के गणेशोत्सव की ओर से शिवाजी मार्ग के राजा की मूर्ति विसर्जन यात्रा निकली गई। यात्रा हीवेट रोड से शुरू होकर कैसरबाग से परिवर्तन चौक और झूलेलाल पार्क स्थित विसर्जन स्थल पर जाकर समाप्त हुई। गणेश शंकर पवार ने बताया कि इस दौरान सुमन, सुशांत गौड, दिव्यांश शुक्ला, ओम प्रजापति, अनंत प्रजापति, अमन विश्वकर्मा, उज्जवल शर्मा, सुषमा गौड़, अनामिका शुक्ला आदि भक्तगण भक्ति रस में सराबोर थे। इससे पहले उत्सव स्थल पर सुबह सबसे पहले गणपति महाराज का श्रृंगार कर आरती गई। उसके बाद सत्यनारायण की कथा और हवन किया गया। भंडारे भी हुआ।

डांलीगंज जैन मंदिर में हुई आकिंचन धर्म की पूजा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः दशलक्षण पर्व के 9वें दिन डालीगंज जैन मंदिर में अकिंचन धर्म की पूजा की गई। जैन धर्म प्रवर्धनी सभा के अध्यक्ष विनय कुमार जैन के मार्गदर्शन में डालीगंज जैन मंदिर में चल रहे दशलक्षण पर्व शुक्रवार को तीर्थंकर का अभिषेक और शांतिधारा सम्पन्न हुई। मुनिराज आदीश सागर के सानिध्य में उत्तम अकिंचन धर्म की पूजा सम्पन्न हुई। मुनि आदीश सागर ने अपने प्रवचन में बताया कि उत्तम आकिंचन धर्म जैन दर्शन में दशलक्षण धर्म का 9वां लक्षण है। जिसका अर्थ है सर्वोच्च अनासक्ति या सभी वस्तुओं से अलगाव का भाव। यह सिर्फ बाहरी वस्तुओं का त्याग नहीं करता बल्कि मन और अंतर्मन से भी त्याग करना है। यह मेरा है की भावना का अंत करना होगा। यह भावना कि घर, धन, संबंधी, शरीर यहां तक कि आत्मा के गुण भी मेरे नहीं हैं का अनुभव करना ही आकिंचन धर्म है। उप प्रबंधक पार्श्व कुमार जैन ने बताया कि दशलक्षण पर्व के अंतिम दिन शनिवार को अनंत चतुर्दशी का पावन पर्व मनाया जाएगा। इसी दिन 12वें तीर्थंकर वासुपूज्यनाथ का मोक्ष कल्याणक पर्व प्रातः 8 बजे निर्वाण लाडू चढ़ाकर मनाया जाएगा।

कला दीर्घा ने लगाई 41 कलाकारों की प्रदर्शनी

अमृत विचार, लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय दृश्य कला पत्रिका कला दीर्घा और कला वीथिका कला स्रोत के संयुक्त तत्वावधान में गुरुओं को समर्पित 'नैवेद्य' अखिल भारतीय चित्रकला प्रदर्शनी का जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार पाण्डेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया।

उन्होंने कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं प्रदर्शनी पुस्तिका देकर सम्मानित भी किया। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य आलोक कुमार, प्राचार्य डॉ. रतन कुमार, वरिष्ठ आचार्य रविकांत पाण्डेय, डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष आचार्य राजेंद्र प्रसाद, प्राध्यापक डॉ. अवधेश मिश्र, अतिथि व्याख्याता डॉ. फौजदार, डॉ. रीना गौतम, शोध छात्र प्रशान्त चौधरी समेत 41 कलाकारों की कृतियां प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी डॉ. अनीता वर्मा, प्रशान्त चौधरी एवं सुमित कुमार की अथक परिश्रम का प्रतिफल है।

सिटी डायरी

नाटक का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

नाटक का मंचन किया

अमृत विचार, लखनऊ : पांच दिवसीय रंगमंच और कला महोत्सव रंग-ए-आवारगी के तीसरे दिन शुक्रवार को पटना की नाट्य संस्था राग ने नाटक आधी रोटी पूरा चांद का मंचन किया। यह नाटक प्रख्यात लेखिका अमृता प्रीतम और इमरोज की प्रेम कथा पर आधारित है। नाटककार ने अमृता और इमरोज के चरित्र को इमेज और नज्म में ढालकर इस शानदार लेखिका को मंच पर जीवंत कर दिया। रणधीर कुमार द्वारा निर्देशित इस नाटक में एक सूरज आसमान पर उगता है। एक सूरज धरती पर भी उगता है। शायरा के रूप में, लेखिका के रूप में, अमृता और इमरोज का रिश्ता, नज्म और इमेज का रिश्ता है। नज्म हुई तो इमेज बनी, इमेज आई तो नज्म बनी। हमेशा एक दूसरे की खुशबू से लबरेज। नाटक में आदिल रशीद, सुनील कुमार राम और अंजली शर्मा ने उल्लेखनीय भूमिकाएं अदा कीं।

ओएसडी संगीता राघव को प्रशस्ति पत्र देते एयर मार्शल जीतेन्द्र।

एलडीए ओएसडी वायु सेना से सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण में तैनात विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) संगीता राघव को भारतीय वायु सेना की पश्चिमी वायु कमान ने ऑन-द-स्पॉट प्रशंसा से सम्मानित किया गया है। गुरुवार को पश्चिमी वायु कमान दिल्ली मुख्यालय पर उन्हें यह प्रशंसा पदक और प्रशस्ति पत्र एयर मार्शल जीतेन्द्र मिश्रा, एसवाईएसएम द्वारा प्रदान किया गया। संगीता को यह सम्मान सहारनपुर में एसडीएम रहते सेवा के प्रति असाधारण समर्पण का परिचय और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एएफएस सरसावा के साथ मिलकर काम करने पर मिला है। यह सम्मान राष्ट्र सेवा में प्रतिबद्धता, साहस और सहयोगात्मक भावना को दर्शाता है।

कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल शिविंदर सिंह।

नोडल प्रशिक्षण केंद्र बना कॉलेज

अमृत विचार लखनऊ : छावनी स्थित सेना चिकित्सा कोर (एएमसी) सेंटर एवं कॉलेज प्रमाणित एडवांस ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस) प्रशिक्षण केंद्र बन गया है। गुरुवार को मुख्यालय एएमसी सेंटर एंड कॉलेज में पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया गया। समारोह में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद, एटीएलएस इंडिया के प्रमुख प्रो. एमसी मिश्रा और एएमसी सेंटर एंड कॉलेज के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल शिविंदर सिंह, एवीएसएम समेत कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। ओटीसी, एएमसी सेंटर एवं कॉलेज को औपचारिक रूप से एटीएलएस प्रशिक्षण केंद्र के रूप में नामित किया गया है।

ओणम पर्व पर मनाते मलयाली समाज के लोग। अमृत विचार

ओणम मनाया

अमृत विचार, लखनऊ : मलयाली समुदाय ने शुक्रवार को विकास नगर स्थित एमएम. जॉनी के आवास पर केरल के फसल उत्सव ओणम को उल्लास के साथ मनाया। महिलाओं ने रंगोली सजाई। ओणम गीत के साथ पारंपरिक नृत्य तिरुवथिराकाली भी किया। केरल के व्यंजनों की दावत भी हुई। केरला समाज के अध्यक्ष जेन्सन जेम्स, रेजी लुकोसे, जोशी जोसेफ, श्री जेएन. सेबेस्टियन, लिली चाको और उनके परिवार उपस्थित रहे।

पुस्तक मेला

बलरामपुर गार्डन में लगे मेले में दूसरे दिन उमड़ी भीड़

किसी ने ढूढीं चंदन के किवाड़ तो किसी ने बादशाह सलामत हाजिर हों

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : अशोक मार्ग स्थित बलरामपुर गार्डन में शुरू हुए 22वें राष्ट्रीय पुस्तक मेले में शुक्रवार को पुस्तक प्रेमियों की भीड़ उमड़ी। लोग अपनी पसंद की पुस्तकें तलाशे नजर आए।

राजपाल एंड संस की नई कृतियों में विष्णु नागर की व्यंग्य पुस्तक आदमी की पूंछ, आदिवासी समाज पर केंद्रित हरिराम मीणा की जल जंगल जमीन और जयंती रंगनाथन की मिडिल क्लास मंचूरियन खूब पसंद की जा रही है। वाणी प्रकाशन के स्टाल में लोकगायिका मालिनी अवस्थी की स्मृति कथाओं पर आधारित पुस्तक चंदन किवाड़ में लोक की मिट्टी की गंध है। बालेन्दु द्विवेदी की किस्सागोई के अंदाज़ से लिखी पुस्तक बादशाह सलामत हाजिर हों...! नवाबी दौर की पड़ताल करती है। मुगलकालीन हिंदी साहित्यिक परिवेश पर एलिसन बुश की किताब केसव सुनहु प्रवीन का रेयाजुल हक द्वारा किया गया अनुवाद और महत्वपूर्ण है। प्रकाशन संस्थान के प्रमोद भार्गव की औपन्यासिक कृति आर्यावर्त के संग संजना कौल द्वारा अनुवादित ऐतिहासिक आत्मकथा तक दस्तावेज आपबीती तैमूरलंग और पाब्लो नेरुदा के हिंदी अनुवाद पसंद किये जा रहे हैं।

मेले में पुस्तक देखती महिला और बच्ची। अमृत विचार

हिंदी साहित्य एवं विविध विमर्श का हुआ विमोचन

- संस्कृति मंच पर शुक्रवार को कृति और कृतिकार के तत्वावधान में डॉ. रायबहादुर मिश्र की अध्यक्षता में डॉ. रिंकी की किताब हिंदी साहित्य एवं विविध विमर्श का विमोचन हुआ। चर्चा में महेन्द्र भीष्म, डॉ. विद्यासागर उपाध्याय, सौरभ चतुर्वेदी, अशोक चौधरी, उदयभान पाण्डेय, डॉ. सत्या सिंह, डॉ. करुणा पाण्डे और राजीव वर्मा वत्सल आदि ने भाग लिया। मेधा विकास समिति के महाकवि श्याम नारायण पाण्डेय और राष्ट्रीय चेतना विषयक विमर्श कार्यक्रम में राज्य ललित कला अकादमी उपाध्यक्ष गिरीशचंद्र मिश्र, दिनेश चंद्र अवस्थी, पद्मकांत शर्मा, राजेश राय, राकेश पाण्डे, दिवाकर, प्रभंजन, सौम्या मिश्रा, शिवानी पाल आदि की उपस्थिति में वीर रस के युवा कवि अटल नारायण, प्रयाग, रवि रुद्रांश अवस्थी बाराबंकी और संदीप सिंह अनुरागी बाराबंकी को वाचिक परंपरा तथा प्रशांत दीक्षित को समाजसेवा की उत्कृष्ट सेवाओं के लिया श्याम नारायण पाण्डेय सम्मान से विभूषित किया गया। शुरुआत विश्वम फाउंडेशन के कार्यक्रम में युवा उद्यमी सिद्धार्थ और दिव्यांशु शुक्ल द्वारा अपने पर्यावरण सम्बंधित स्टार्टअप बताने से हुई। शाम को सुंदरम की काव्य गोष्ठी हुई।

सिटी ब्रीफ

91 केंद्रों पर होगी प्रारंभिक अर्हता परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) 6 और 7 सितंबर को प्रदेश भर में आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा के लिए लखनऊ में कुल 91 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। लखनऊ में इन केंद्रों पर 126912 कुल परीक्षार्थी शामिल होंगे जिसमें प्रत्येक पाली में 31728 परीक्षार्थी हिस्सा लेंगे। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की तरफ से यह जानकारी दी गई है।

निशुल्क चिकित्सा सुविधा का स्वागत

अमृत विचार, लखनऊ : शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश सरकार ने शिक्षकों की निशुल्क चिकित्सा सुविधा की घोषणा की है। जिसका शिक्षकों ने स्वागत किया है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी, विधान परिषद में शिक्षक दल के नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी, संगठन के उपाध्यक्ष डॉ. आरपी मिश्र, महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार ज्ञापित किया है।

प्राणि विज्ञान परास्नातक की सूची जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की परास्नातक प्रवेश सत्र 2025-26 के अन्तर्गत एमएससी प्राणि विज्ञान की ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए चौथी आवंटन और अपग्रेडेश सूची जारी कर दी गई है। अभ्यर्थी अपने अप्लीकेशन फार्म नंबर की सहायता से सीट आवंटन देख कर ऑनलाइन सीट कंफर्मेशन शुल्क 7 सितंबर की मध्य रात्रि 12 बजे तक अवश्य जमा कर दें।

पांचवें दिन विद्यार्थी परिषद का आंदोलन जारी

लविवि गेट नं एक से छात्रों ने निकाला मशाल जूलूस, दोषियों पर कार्रवाई करने में सरकार पर ढिलाई का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लखनऊ महानगर के कार्यकर्ताओं ने लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट संख्या एक से परिवर्तन चौक तक मशाल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रदेश सरकार द्वारा राम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय व पुलिस प्रशासन पर त्वरित कार्रवाई नहीं की जा रही है। विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री अंकित शुक्ला ने मांग किया कि लाठीचार्ज प्रकरण में संलिप्त पुलिसकर्मियों व इसके लिए जिम्मेदार विश्वविद्यालय प्रशासन के लोगों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। किसके आदेश पर लाठीचार्ज हुआ, यह तथ्य शीघ्र सार्वजनिक किया जाए।

शाम करीब 5 बजे लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट संख्या एक से छात्रों के एक समूह ने सभा की। उसके बाद मशाल लेकर परिवर्तन चौक तक मार्च किया। इस दौरान कार्यकर्ता पुलिस प्रशासन और रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य शीतल सिंह ने कहा कि हमारी कार्यकर्ता बहनों को पुलिस वालों आतंकियों की तरह पीटा है। लगभग आधा दर्जन से ज्यादा छात्राएं गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने कहा कि आज केवल लखनऊ ही नहीं बल्कि प्रदेश के सभी जिला केंद्रों पर आंदोलन हो रहे हैं।

मशाल जुलूस निकाल कर दोषियों के खिलाफ कारवाई की मांग करते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता। अमृत विचार

घायल छात्राओं से जानकारी लेते हुए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय। अमृत विचार

शिक्षा मंत्री ने जाना घायल छात्रों का हाल

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने शुक्रवार को केजीएमयू के शताब्दी-2 में भर्ती छात्र व एबीवीपी के सदस्यों की सेहत का हाल लिया। छात्रों ने मंत्री को चोटें खोलकर दिखाईं। पुलिस की बरबरता पूर्ण के खिलाफ कठोर कार्रवाई की फरियाद की। शताब्दी फेज-2 में नौ घायल छात्रों को भर्ती किया है। छात्रों ने मंत्री को बताया कि रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में एलएलबी पाठ्यक्रम की मान्यता नवीनीकरण एवं अवैध वसूली को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने बेकसूर छात्रों की पिटाई शुरू कर दी। छात्रों ने मंत्री को वीडियो भी दिखाया। विस्तार से बताया कि किस प्रकार शांतिपूर्ण ढंग से अपनी समस्याएं उठाने पर भी उनके साथ बर्बरता की गई। पीड़ित छात्रों ने पैर, हाथ, पीठ व शरीर के दूसरे अंगो में लगी चोटों को भी दिखाया। मंत्री ने कहा कि सरकार छात्रों के साथ खड़ी है। उनके हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। घायल छात्रों को देखकर स्पष्ट है कि लाठीचार्ज पूरी तरह से अमानवीय कृत्य था। लिहाजा घटना में शामिल पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। मंडलायुक्त को मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उनके आधार पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा परिषद के सचिव दिनेश राजपूत की ओर से विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

कौशल आधारित नौकरी में यूपी के युवा चौथे पायदान पर

- उच्च शिक्षा संस्थानों को कौशल विकास पर देना होगा जोर
- नवाचार, स्टार्टअप, कॅरियर मेला काउंसलिंग को बढ़ावा देना होगा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश पर नए सत्र में उच्च शिक्षा संस्थानों को कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना होगा। परंपरागत पाठ्यक्रमों को भी कौशल और वर्तमान जरूरतों के अनुसार संशोधित करने की प्रक्रिया करनी होगी। नई शिक्षा नीति के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों को निर्देश जारी करना आरंभ किया है। इसके अलावा अब शिक्षण संस्थानों में नवाचार, स्टार्टअप, कॅरियर मेला, काउंसलिंग आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना अनिवार्य होगा। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के स्किल इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के युवा कौशल आधारित रोजगार में देश में चौथे नंबर पर हैं।

उच्च शिक्षा के बाद छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक रोजगार से जोड़ा जा सके इसके लिए कौशल आधारित शिक्षा पर जोर है। लखनऊ के विश्वविद्यालयों को देखें तो ज्यादातर विश्वविद्यालयों ने कौशल विकास संबंधित पाठ्यक्रमों को पहले ही लागू कर दिया है। युवाओं में अधिक से अधिक नवाचार और स्टार्टअप शुरू हो सके इसके लिए इंक्यूबेशन सेंटर बनाने की शुरुआत भी हो चुकी है। जिन विश्वविद्यालयों ने इंक्यूबेशन सेंटर नहीं बनाया है वहां भी इसके निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। जहां पर छात्रों के नवाचार और स्टार्ट अप को समर्थन और सहयोग दिया जाएगा।

विश्वविद्यालयों की पहल

- लखनऊ विश्वविद्यालय में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़ दें तो परंपरागत पाठ्यक्रमों में भी छात्रों का प्लेसमेंट होना शुरू हो गया है। यहां पर योग, नेचुरोपैथी से लेकर ज्योतिष, प्रबंधन, विभिन्न भाषाओं के पाठ्यक्रम, तकनीक और कौशल से संबंधित अनेक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। एकेटीयू ने तो सेंटर फॉर एक्सीलेंस और इंक्यूबेशन सेंटर पहले से काम कर रहा है। जो स्टार्टअप में छात्रों की मदद कर रहे हैं। ख्वाजा मोइनुद्दीन भाषा विश्वविद्यालय ने कौशल संबंधित कई पाठ्यक्रम शुरू करने कर रहा है। बीबीएयू, डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि छात्रों को रोजगार से जोड़ने के लिए कॅरियर काउंसिलिंग से लेकर स्किल डेवलपमेंट के कई कार्यक्रम चला रहे हैं।

लविविः कई विषयों में सीट आवंटन जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की परास्नातक प्रवेश सत्र 2025-26 के अन्तर्गत ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए एमएड की उपलब्ध सीटों के सापेक्ष आवंटन का परिणाम अभ्यर्थियों के लॉगिन पर उपलब्ध करा दिया गया है। उपरोक्त पाठ्यक्रम का मेरिट के अनुसार सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी अपने अप्लीकेशन फार्म नंबर की सहायता से सीट आवंटन देख कर ऑनलाइन सीट कंफर्मेशन शुल्क 7 सितंबर की मध्य रात्रि 12 बजे तक अवश्य जमा कर दें। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की परास्नातक प्रवेश सत्र 2025-26 के अन्तर्गत ऑनलाइन काउंसलिंग के अन्तर्गत एलएलबी, एमएससी जैवरसायन की 5वीं आवंटन व अपग्रेडेशन का परिणाम जारी किया गया है।

टीईटी की अनिवार्यता पर शिक्षक संगठन का मंथन

- न्यायालय एवं सरकार के समक्ष रखा जाएगा मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने टीईटी पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता से विचार-विमर्श किया। शिक्षक संघ का कहना है कि देश के लाखों शिक्षकों के लिए नौकरी में बने रहने और पदोन्नति के लिए टीईटी के अनिवार्यता पर न्यायालय की शरण लिया जाएगा। शिक्षकों की सेवा में बने रहने एवं प्रोन्नति हेतु टीईटी उत्तीर्णता की अनिवार्यता का मुद्दा न्यायालय एवं सरकार के समक्ष रखा जाएगा।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने बताया कि संगठन ने स्पष्ट किया है कि यह संघर्ष केवल क़ानूनी ही नहीं बल्कि शिक्षकों की अस्मिता और अधिकारों का संघर्ष है। यह मामला सरकार, न्यायालय और देश की संसद तक मजबूती से उठाया जाएगा। संगठन किसी भी शिक्षक का अहित नहीं होने देगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय के साथ संघ के उपाध्यक्ष रामावतार पाण्डेय, सचिव मनोज कुमार तथा लखनऊ जनपद इकाई के अध्यक्ष वीरेन्द्र प्रताप सिंह व हरिशंकर राठौर उपस्थित रहे।

सीएमएस में छात्रों के लिए नए भवन का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ : सिटी मोन्टेसरी स्कूल महानगर और इन्दिरा नगर द्वितीय कैम्पस में छात्रों के सर्वांगीण विकास में नवनिर्मित भवनों का उद्घाटन संस्थापिका-निदेशिका डॉ. भारती गांधी ने किया। इस अवसर पर प्रबन्धक प्रो. गीता गांधी किंगडन व विभिन्न कैम्पस की प्रधानाचार्य उपस्थित रहीं। संस्थापिका डा. भारती गांधी ने महानगर में नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया इसके बाद इन्दिरा नगर द्वितीय कैम्पस में नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। दोनों ही अवसरों पर बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षकों व अभिभावकों ने छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार किये गये नवनिर्मित भवनों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रबन्धन को धन्यवाद दिया।

जैसा शिक्षक होगा समाज भी वैसा बन जाता है

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

एकेटीयू में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में कुलपति व अन्य। अमृत विचार

- एकेटीयू में 5 शिक्षकों को दिया गया उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान

अमृत विचारः शिक्षक दिवस पर राजधानी के सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों से लेकर माध्यमिक और बेसिक स्कूलों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति और प्रख्यात दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व व कृतित्व से छात्रों को अवगत कराया गया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों के पांच शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान दिया गया। पिछले सत्र में सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों का भी सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने कहा कि क्लासरूम में पढ़ाने वाला ही सिर्फ शिक्षक नहीं होता। जिससे भी शिक्षा मिले वह शिक्षक हो सकता है। जैसा शिक्षक होता है समाज भी वैसा ही बन जाता है। इसलिए शिक्षक की जिम्मेदारी ज्यादा है। मुख्य अतिथि छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय व राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जेबी वैश्म्पायन ने कहा कि हर किसी में एक शिक्षक का कहीं न कहीं गुण होता है। जिससे समाज कोई न कोई सीखता है।

विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों के पांच शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जिसमें सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज के डॉ. अनुज कुमार शर्मा, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बांदा के डॉ. आशुतोष तिवारी, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अम्बेडकर नगर के डॉ. मो. असलम हुसैन, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बांदा के डॉ. अनुराग चौहान, जीएल बजाज कॉलेज ग्रेटर नोएडा के डॉ. अम्बुज सक्सेना को को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान दिया गया। सेवानिवृत्त यूपीटीटीआई कानपुर के डॉ. अरूण कुमार सिंह गंगवार को सम्मानित किया गया।

महापौर ने किया शिक्षकों को सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय के त्रिलोकीनाथ हाल में सम्मानित शिक्षक।

अमृत विचार : शिक्षक दिवस पर नगर निगम के त्रिलोकी नाथ हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महापौर सुषमा खर्कवाल ने उल्लेखनीय योगदान करने वाले नगर निगम के विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि शिक्षक केवल एक पेशा नहीं बल्कि एक पुनीत दायित्व है। अटल बिहारी वाजपेयी डिग्री कॉलेज, कश्मीरी मोहल्ला मॉडल मॉन्टेसरी स्कूल, मॉडल मॉन्टेसरी स्कूल, म्युनिसिपल गर्ल्स इंटर कॉलेज कश्मीरी मोहल्ला, चिल्ड्रन पैलेस म्युनिसिपल नर्सरी स्कूल, अमीनाबाद इंटर कॉलेज के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, उपनगर आयुक्त रश्मि भारती, पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी उपस्थित रहे।

विधि विवि में हुआ भारतोत्सव का सफल आगाज

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति तहज़ीब द्वारा वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'भारतोत्सव 11.0' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने संस्कृति, मूल्यों और नैतिकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को इनके संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रेरित किया।

आयोजन | यूपीएमआरसी ने लखनऊ मेट्रो सेवा के शानदार आठ वर्ष पूरे किए

उत्कृष्ट कार्य के लिए मेट्रो के कर्मचारी सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने शुक्रवार को लखनऊ मेट्रो संचालन के आठ वर्ष पूरे होने पर जश्न मनाया। इस अवसर पर मेट्रो के सफल संचालन व पूर्ण मनोयोग से काम करने वाले अपने कर्मचारियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया। मेट्रो दिवस के रूप में मनाए गए इस आयोजन में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मेट्रो के ट्रांसपोर्ट नगर डिपो और हजरतगंज स्टेशन पर कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। समारोह में प्रबंध निदेशक ने परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव का स्वागत किया। वे 1999 के करगिल युद्ध में अदम्य साहस दिखाने वाले भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र सम्मानित योद्धा हैं। इस अवसर पर निदेशक (वित्त) शील कुमार मित्तल, निदेशक (ऑपरेशंस) प्रशांत मिश्रा और निदेशक (आरएस एवं सिग्नलिंग) नवीन कुमार उपस्थित रहे। कैप्टन योगेंद्र ने राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए यूपीएमआरसी की प्रशंसा की। इसके अलावा अदाणी जेम्स स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, लखनऊ के छात्रों ने देशभक्ति पर आधारित नाटक पेश किया। वहीं लखनऊ पब्लिक कॉलेज, राजाजीपुरम, ए ब्लॉक ने "नवाब इन लखनऊ मेट्रो" विषय पर नाटक प्रस्तुत किया।

इनका हुआ सम्मान

प्रोजेक्ट श्रेणी

गोल्ड मेडल : मोहित कुमार सिंह, जूनियर इंजीनियर (सिविल)
सिल्वर मेडल : प्रशांत भार्गव, मैनेजर (ई एंड एम)
ब्रॉन्ज मेडल : श्याम सरण पटेल, असिस्टेंट मैनेजर (एस एंड टी)

ऑपरेशंस एवं रोलिंग स्टॉक श्रेणी

गोल्ड मेडल : विनय दुबे, सीनियर एससी/टीओ
सिल्वर मेडल : अभिमन्यु कुमार, सेक्शन इंजीनियर ग्रेड-1
ब्रॉन्ज मेडल : फरीद खान, एससी/टीओ ग्रेड-1

मेंटीनेंस श्रेणी

गोल्ड मेडल : जूही गुप्ता, जूनियर इंजीनियर
सिल्वर मेडल : संजय कुमार पटेल, मेंटेनर (ट्रैक)
ब्रॉन्ज मेडल : हेमेन्द्र प्रजापति, मेंटेनर (ट्रैक्शन)

इसके अलावा कानपुर के मोतीझील मेट्रो स्टेशन को बेस्ट केप्ट मेट्रो स्टेशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

यात्रियों का अभिनंदन

13वीं करोड़ यात्री अंजना को 2,000 का वाउचर दिया गया

गो स्मार्ट कार्ड के शीर्ष तीन उपयोगकर्ता सम्मानित

संकल्प यादव-2,000 रुपये का वाउचर
रीति कटियार - 1,500 रुपये का वाउचर
गोपाल -1,000 रुपये का वाउचर

समय से पूरा होगा ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर

- यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा यह गर्व का विषय है कि पिछले आठ वर्षों से मेट्रो ने अपने गुणवत्तायुक्त संचालन से एक मिसाल पेश की है। हाल ही में स्वीकृत ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर को भी तय समय से पहले पूरा करने का संकल्प लिया गया है। यह नया कॉरिडोर पुराने लखनऊ को जोड़ेगा और वहां के नागरिकों के लिए बेहतर यातायात उपलब्ध कराएगा। लखनऊ के लोगों को सुरक्षित, विश्वसनीय और विश्वस्तरीय सेवाएं उपलब्ध कराना ही हमारा लक्ष्य है। मेट्रो सेवाएं आज ही के दिन साल 2017 से शुरू हुई थीं।

मेट्रो दिवस के अवसर पर सम्मानित किए गए कर्मचारियों के साथ मौजूद परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव। अमृत विचार

राष्ट्रीय वोवीनाम मार्शल आर्ट प्रतियोगिता की टीम घोषित

टीम के साथ विधायक ओपी श्रीवास्तव व अन्य।। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 8 से 11 सितंबर तक आयोजित होने जा रही 14वीं राष्ट्रीय वोवीनाम मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की 35 सदस्यीय टीम प्रतिभाग करेगी। टीम का चयन ट्रायल बाज अकैडमी, बालागंज में संपन्न हुआ।

पूर्वी विधानसभा विधायक ओपी श्रीवास्तव ने गोमती नगर मिनी स्टेडियम में चयनित खिलाड़ियों को किट वितरित की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर एशिया वोवीनाम महासचिव प्रवीण गर्ग, साउथ एशिया अध्यक्ष विष्णु सहाय, उप क्रीड़ा अधिकारी लखनऊ, रंजीत राज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रवीण गर्ग ने बताया चार दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 27 राज्यों से लगभग 700 खिलाड़ी किड्स, सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्गों में 6 वर्ष से 35 वर्ष आयु वर्ग तक के प्रतिभाग करेंगे। खिलाड़ी 56 भार वर्गों में फाइट मुकाबलों के साथ-साथ प्रदर्शनकारी विधाओं में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

टीम में शामिल खिलाड़ी

- मानस मिश्रा, ईशान वर्मा, गुलशन राज, अनंत तिवारी, कृष्णा नगर, विवेक राय, विनायक सिंह, आर्यन चतुर्वेदी, हर्षित पाठक, आराध्या यादव, आन्या यादव, मानस यादव, अन्वी यादव, श्रेयांश पांडेय, अमृतांश सिंह, इशिका कश्यप, समिष्ठा साहू, अनीकेत कुमार सिंह, आकाश सिंह, आराध्या सिंह, सनी, ज्योति, हनन जिलानी, निखिल रावत, अभिषेक पाल, यते शुक्ला, लघिमा शुक्ला और लकी सिंह गौतम।

न्यूज ब्रीफ

तीन भाइयों ने महिला की पीटकर मार डाला

हरदोई, अमृत विचार। बच्चों के विवाद में दो सगे भाइयों ने महिला की बुरी तरह से पिटाई दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर तीनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सुरसा थाने के सथरा गांव में गुरुवार को बच्चों के बीच झगड़ा हो गया। उसी बात को लेकर तीन सगे भाइयों ने रज्जाक अली की पत्नी आलिया (40) की जमकर पिटाई कर दी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। पुलिस ने पति रज्जाक अली की तहरीर पर गांव के मुशब्बर उर्फ गब्दू, उसके सगे भाई शेर अली व नसीम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। आलिया को हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया, जहां शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

अधिशाषी अभियंता हत्याकांड में डॉक्टर तलब

अमेठी, अमृत विचार। जल निगम के अधिशाषी अभियंता संतोष कुमार की हत्या के मामले में एडीजे द्वितीय विशेष कोर्ट एससी एसटी न्यायालय में शुक्रवार को गवाही नहीं दर्ज हो सकी। अभियोजन पक्ष से वादी के वकील अरविंद सिंह राजा ने बताया कोर्ट न्यायाधीश ने सुनवाई के लिए 11 सितंबर की तारीख नियत की है, जिस पर लखनऊ के डॉक्टर रवीन्द्र की गवाही दर्ज होगी।

कांवरिए को सिपाही ने मारा थप्पड़, साथियों का हंगामा

मार्ग जामकर घंटों किया प्रदर्शन, अधिकारियों ने मांगी माफी

संवाददाता, हैदरगढ़, बाराबंकी

हैदरगढ़-कोठी मार्ग जाम कर प्रदर्शन करते कांवरिये। ● अमृत विचार

अमृत विचार : औसानेश्वर मंदिर मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक कांवरिये को पुलिसकर्मी ने थप्पड़ मार दिया। इस घटना से नाराज सैकड़ों कांवरियों ने हैदरगढ़-कोठी मार्ग जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। करीब पांच घंटे तक कांवरिये प्रदर्शन करते रहे। अफसरों ने कांवरियों से माफी मांगी और सिपाही के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर मामला शांत हुआ।

अमेठी के थाना शिवरतनगंज क्षेत्र से दो हजार से अधिक कांवरियों का जत्था डीजे और ढोल-नगाड़ों के साथ डलमऊ से गंगाजल लेकर औसानेश्वर मंदिर जा रहा था। इसी जत्थे में पेंडारा गांव निवासी पिंटू मौर्य अपनी वैन में ठंडा पानी भरकर कांवरियों को पिला रहा था। जब वह वाहन लेकर मंदिर मार्ग पर बढ़ा तो ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा कारणों से उसे रोक दिया। इसी दौरान एक सिपाही ने पिंटू को थप्पड़ मार दिया। पिटाई से आहत पिंटू घर लौट गया, लेकिन इसकी जानकारी साथी कांवरियों को मिलने के बाद माहौल गरमा गया। कांवरियों ने मंदिर मोड़ पर सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच आरोपित सिपाही मौके से फरार हो गया। सूचना पर एसडीएम राजेश विश्वकर्मा, सीओ समीर कुमार सिंह और कोतवाल अभिमन्यु मल्ल पुलिस बल के साथ पहुंचे। अधिकारियों ने कांवरियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह आरोपी सिपाही को मौके पर बुलाकर माफी मंगवाने की मांग पर अड़े रहे। एएसपी रितेश कुमार सिंह भी औसानेश्वर मंदिर पहुंचे, इसके बाद अफसरों ने कांवरियों से माफी मांगते हुए दोषी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद कांवरियों का आक्रोश शांत हुआ।

गैंगस्टर एक्ट में आरोपी की रिमाण्ड खारिज

सुलतानपुर, अमृत विचार: अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट राकेश पाण्डेय की अदालत ने शुक्रवार को महिला आरोपी सरिता मिश्रा को पुलिस रिमाण्ड पर भेजने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि गिरोहबन्द अधिनियम का मकसद संगठित अपराध पर रोक लगाना है, न कि व्यक्तिगत विद्वेष की पूर्ति। कोतवाली नगर पुलिस के विवेचक उपनिरीक्षक रामराज ने आरोपी सरिता मिश्रा को रिमाण्ड पर देने का प्रार्थना पत्र कोर्ट में प्रस्तुत किया था। बचाव पक्ष ने इसका विरोध करते हुए तर्क दिया कि गैंगचार्ट में सरिता मिश्रा व उनके पति अरुण कुमार मिश्रा को आधारहीन तरीके से शामिल किया गया है। कोर्ट ने पाया कि गैंगचार्ट और अनुमोदन पत्रावली में गंभीर खामियां हैं और सर्वोच्च न्यायालय व राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने माना कि अभियुक्ता के खिलाफ की गई कार्रवाई विद्वेषपूर्ण प्रतीत होती है। ऐसे में थाना कोतवाली नगर पुलिस का रिमाण्ड प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया गया। गौरतलब है कि नगर कोतवाल धीरज कुमार ने दो सितंबर को मेरठ के गंगानगर मवाना निवासी अरुण कुमार मिश्र व उनकी पत्नी सरिता मिश्र के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज कराया था।

घाघरा में समाई कई बीघा जमीन हजारों लोग बेघर, फसलें बर्बाद

संवाददाता, गोंडा

नाव से पशुओं के चारे की व्यवस्था करते ग्रामीण।

अमृत विचार। सरयू, शारदा और बनबसा बैराजों से छोड़े गए 10 लाख लीटर पानी ने पिछले चार दिनों से कछार वासियों को बेचैन कर दिया है। सैकड़ों लोग पलायन कर चुके हैं। हजारों बीघे फसल नष्ट हो गई है। खाने व चारे का संकट उत्पन्न हो गया है। मार्गों पर पानी का बहाव हो गया है। सड़कें कट कर नदी में समाहित हो चुकी हैं। कई बीघे जमीन को घाघरा ने निगल लिया है। हजारों लोग अब खानाबदोश जिंदगी जीने को मजबूर हैं। करनैलगंज, उमरी व नवाबगंज के रिपोर्टर ने ग्राउंड जीरो पर जाकर देखा की बाढ़ पीड़ित कैसे संघर्ष कर रहे हैं।

करनैलगंज तहसील व तरबगंज तहसील में बाढ़ की त्रासदी झेल रहे ग्रामीणों को एक वक्त का भोजन पाने के लिए दौड़ लगानी पड़ती है। कहीं चूके तो सरकारी अमला भोजन वितरित कर वापस हो जाता है। ऐसे में बड़े तो समय गुजार लेते हैं पर बच्चे भूख से बिलखते दिखे। करनैलगंज के नकहरा गांव के कई मजरे पानी में डूबे हैं। बाराबंकी के परसावल समेत अन्य गांव भी चपेट में हैं। हालांकि प्रशासन इन्हें हर संभव मदद पहुंचाने में लगा है। तरबगंज तहसील के 14 गांव में बाढ़ का सितम जारी है। पानी घरों में घुसने से जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो चुका है। पशुओं का चारा बर्बाद होने से पशुपालक अपने मवेशियों के साथ सुरक्षित स्थान की तरफ चले गए हैं। धान की फसलें डूब कर बर्बाद हो गई हैं। चारों तरफ बर्बादी का मंजर दिख रहा है। लोगों के घरों में पानी घुस जाने से भोजन बनाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। ईंधन भीग गया है। चारों तरफ पानी ही पानी है। भीषण बाढ़ ने सबके अरमानों पर पानी फेर दिया है। अपनी फसलों को लेकर चिंतित दिख रहे हैं। फिलहाल प्रशासन की तरफ से आवागमन के लिए नाव भोजन के लिए लंच पैकेट का वितरण किया जा रहा है। तरबगंज तहसील के ऐली परसौली, गढ़ी, परास, बहादुरपुर, जबरनगर, पलिया चरोठा साखीपुर तुलसीपुर ब्योंदा माझा सहित 14 गांव बाढ़ की चपेट में हैं और करीब 16500 आबादी और 2500 हेक्टेयर क्षेत्रफल प्रभावित है। जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव, तहसीलदार तरबगंज आशुतोष पांडे ने बाढ़ क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। नवाबगंज के माझा क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में बाढ़ का पानी अब तक खेत, खलिहान और आबादी तक पहुंच चुका है।

हादसे में महिला की मौत शव रौंदती रहीं गाड़ियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- हाईवे पर विसायकपुर गांव के पास हुआ दर्दनाक हादसा
- महिला को रौंदने के बाद भाग निकला तेज रफ्तार वाहन

अमृत विचार: हाईवे पर जरा सी चूक में लोगों को जान से हाथ धोना पड़ रहा है। शुक्रवार की सुबह रनियां इलाके में सड़क पार कर रही महिला तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गई। कुछ देर तड़पने के बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसका शव घंटों पड़ा रहा। इस दौरान कई वाहन उसके ऊपर से गुजर गए। पुलिस ने क्षत-विक्षत शव को उठाया और मर्चरी भेज दिया। महिला की पहचान नहीं हो सकी है।

रनियां क्षेत्र में रायपुर से लेकर बारा टोल बैरियर तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर हादसों से भरा है। थोड़ी सी असावधानी में लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। रनियां आबादी क्षेत्र में तो हालात बहुत ही खतरनाक हो चुके हैं। मंटोरा ओवरब्रिज से मयूर ओवरब्रिज तक करीब दो किलोमीटर में आए दिन सड़क हादसे होते हैं। पिछले सात-आठ सालों में यहां पैदल सड़क पार करते समय सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि अनगिनत लोग अपाहिज हो चुके हैं। 2017 में यहां के लोगों ने एक हस्ताक्षर युक्त पत्र पीएमओ तक भिजवाया था, लेकिन एनएचएआई की लापरवाही से यहां ओवरब्रिज, एलीवेटेड पुल का निर्माण नहीं हो सका और सड़क हादसों में मौतों का आंकड़ा हर साल बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार की भोर हाईवे पर विसायकपुर के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने एक महिला को कुचल दिया और तेज रफ्तार से भाग निकला। महिला का शव काफी देर तक हाईवे पर ही पड़ा रहा और शव के ऊपर से वाहन गुजरते रहे, जिससे उसकी पहचान हो पाना मुश्किल हो गया। इस संबंध में रनियां इंस्पेक्टर शिवनारायण सिंह ने बताया कि शव को मर्चरी में रखवाया गया है।

पत्नी व उसके प्रेमी ने ही की थी युवक की हत्या, गिरफ्तार

संवाददाता, सुलतानपुर

- प्रेम प्रसंग में बाधक बनने पर दिया गया घटना को अंजाम

अमृत विचार: चांदा थाना क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। तीन बच्चों की मां ने प्रेम प्रसंग में बाधक बन रहे पति की प्रेमी के साथ मिल कर हत्या कर दी। फिर घटना से अनजान बनते हुए घर आ गई। सुबह जब उसके पति का शव मिला तो ऐसा रोने का नाटक किया कि किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि इसने ही पति की हत्या की है। जब पुलिस ने हत्या करने वालो का पर्दाफाश किया तो लोग सन्न रह गए।

गुरुवार की सुबह चांदा थाना क्षेत्र के किंदीपुर बाजार के समीप बाग में कयामुद्दीनपुर निवासी महेश 35 का गला कटा शव मिला था। सूचना पर पहुंचे चांदा कोतवाल अशोक कुमार सिंह ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई गणेश की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। हत्या का खुलासा करने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक अखण्ड प्रताप सिंह ने चार टीमें लगाई थीं। सर्विलांस के जरिए पुलिस ने गुरुवार को ही हत्यारों का पता लगाकर उन्हें हिरासत में ले लिया था। पूछताछ के बाद युवक की हत्या में उसकी पत्नी पूजा व उसके प्रेमी जय प्रकाश का नाम सामने आया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक की पत्नी व उसके प्रेमी ने पहले से ही प्लानिंग कर बुधवार की रात मृतक महेश को अभियुक्त जय प्रकाश अपने साथ बाजार ले गया जहां उसे अधिक मात्रा में शराब पिलाई। इसके बाद जयप्रकाश मृतक को लेकर बाग में आया जहां उसने अपनी प्रेमिका व मृतक की पत्नी पूजा को फोन कर बुलाया। महेश शराब के नशे में था तभी जय प्रकाश ने मृतक का गला रेत दिया वहीं मृतक की पत्नी ने ईंट से सीने पर वार किया जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद दोनों अपने अपने घर चले गए। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू, ईंट व अभियुक्त की रक्तरंजीत शर्ट को बरामद कर न्यायालय भेजा जहां से दोनों को जेल भेजने की कार्यवाही की गई।

एमएलसी शैलेंद्र सिंह के केस में बंधपत्र दाखिल

संवाददाता, सुलतानपुर : एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने आचार संहिता उल्लंघन प्रकरण में आरोपी एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह के मामले में बहस के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की है। विशेष लोक अभियोजक वैभव पाण्डेय ने बताया कि आरोपियों ने बहस से पूर्व अदालत में बंधपत्र दाखिल किया है। मामला 11 मई 2019 का है, जब चुनाव उड़नदस्ता प्रभारी गजेंद्र कुमार सिंह की तहरीर पर कोतवाली देहात थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप है कि एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने उतुरी स्थित एक शिक्षण संस्थान के सामने 50 से अधिक लोगों को भोजन कराया था, जिसे चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना गया।

पूर्वोत्तर रेलवे ई-ऑक्शन नोटिस सं0 LJN-PRKG-14-25

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा0), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई-ऑक्शनिंग के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है-

क्र.सं	लाट सं	कार्य का विवरण
1	PARKING-LJN-GKP-MX-143-25-1 (Parking - Mixed)	**गोरखपुर** स्थित **रेल म्युज़ियम-कम-हैरिटेज प्लाज़ा** में संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका **03 वर्ष** हेतु।
2	PARKING-LJN-BRK-MX-87-24-1 (Parking - Mixed)	**बहराईच** स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु
3	PARKING-LJN-CLJ-MX-139-25-1 (Parking - Mixed)	**कर्नैलगंज** स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु
4	PARKING-LJN-STP-MX-29-23-1 (Parking - Mixed)	**सीतापुर जं0** स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका **03 वर्ष** हेतु
5	PARKING-LJN-GTNR-PCCV-142-25-1 (PCCV-Mixed Parking)	**गोमतीनगर** स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पीसीसीवी पार्किंग (ऑटो, टैक्सी ई-रिक्शा) कम संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 06 माह हेतु।

निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। ireps पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। सभी लॉट के लिये ई-ऑक्शन दि0-19-09-2025, 12:00 बजे प्रारंभ होकर 19-09-2025, 13:10 बजे बंद होगी। इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पॉर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे-डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य-132 मंडल रेल प्रबन्धक(वा0) लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

एबीवीपी ने निकाला मशाल जुलूस

संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: श्रीरामस्वरूप विश्वविद्यालय के बाहर एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार की शाम अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत मशाल जुलूस निकाल कर अपना विरोध दर्ज कराया।

विभाग संगठन मंत्री आकाश शुक्ला के नेतृत्व में यह जुलूस छाया चौराहे से प्रारंभ होकर गुरुद्वारा, लखपेड़ा बाग चौराहा होते हुए सतरिख नाका चौराहा पर संपन्न हुआ। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग उठाने वाले छात्रों पर पुलिसिया लाठीचार्ज निंदनीय है। कार्यकर्ताओं ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर आकाश शुक्ला, देवेंद्र प्रताप सिंह, कार्तिकेय मिश्रा, योगेश सिंह, प्रांशी वाजपेई, स्तुति, ईशा गुप्ता, जिज्ञासा, विश्वजीत, दीपू पाठक, शशांक गुप्ता, शशांक मिश्रा, शिवम मिश्रा, दिव्यांशु प्रताप सिंह, आदर्श सिंह पुलकित सहित दर्जनों लोग शामिल रहे।

प्रेमिका से मिलने आया नगराम निवासी युवक झुलसा, भर्ती

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : लोनीकटरा थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को प्रेमिका से मिलने आया नगराम थाना क्षेत्र के गुरु बक्स खेड़ा निवासी राजेश संदिग्ध दशा में झुलस गया। राजेश का गांव की एक युवती से से शादी से पहले से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती की शादी हो गयी है। प्रेम संबंध की जानकारी पति को मिलते ही उसने युवती को मायके भेज दिया। तब से वह करीब एक वर्ष से मायके में रह रही है। उसके दो बच्चे भी हैं। इसी बीच शुक्रवार को युवती ने राजेश को बुलाया। मुलाकात के दौरान युवती के पिता रामचंद्र ने दोनों को देख लिया। इसी दौरान राजेश ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया। हालांकि राजेश का आरोप है कि उस पर पेट्रोल डालकर आग शालिनी के पिता ने लगाई।

महाप्रबंधक ने लिया कारखाने का जायजा

गोरखपुर, अमृत विचार: पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने शुक्रवार को यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर का वृहद निरीक्षण किया।

गोरखपुर के यांत्रिक कारखाने का निरीक्षण करते महाप्रबंधक उदय बोरवणकर।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर नरेश कुमार, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अतुल सिंह, मुख्य रोलिंग स्टाक इंजीनियर हेमन्त कुमार, मुख्य कारखाना प्रबन्धक धर्मेश कुमार खरे, यांत्रिक विभाग एवं यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर के वरिष्ठ अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाप्रबन्धक ने मुख्य कारखाना प्रबन्धक प्रांगण में वृक्षारोपण किया। महाप्रबन्धक ने यांत्रिक कारखाना स्थित कारखाना प्रशिक्षण केन्द्र में वेल्डिंग लैब, एयर प्लाज्मा कटिंग के मॉडल रूम तथा प्रशिक्षण कक्ष का निरीक्षण किया एवं आवश्यक निर्देश दिये। महाप्रबन्धक ने कारखाना मॉडल कक्ष का अवलोकन किया। इसके उपरान्त महाप्रबन्धक ने मशीन शाप, कैरेज कम्पोनेन्ट शाप, अग्नि शमन यंत्र, व्हील शाप, गैस गोदाम, बोगी शाप, एअर ब्रेक शाप, फिएट बोगी शाप, शेल रिपेयर शाप, एअर ब्रेक शाप, डी.के. एसेम्बलिंग एवं टेस्टिंग, एलएचबी पीओएच सेक्शन, फर्नीशिंग शाप, कोच लिफ्टिंग शाप, ए0सी0शाप, बोगी इण्टरमिडिएट ओवरहालिंग अनुभाग, स्प्रे पेंट अनुभाग तथा ओवरहाल किये गये कोच का निरीक्षण किया, विभिन्न शापों की कार्यप्रणाली को देखा तथा उनमें आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिये।निरीक्षण के उपरान्त महाप्रबन्धक ने कारखाना बैठक कक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

कानपुर : सड़क पर सांड़ों की लड़ाई में गई अधेड़ की जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मनोज। (फाइल फोटो)

अमृत विचार। सचेंडी में दो सांड़ों की लड़ाई में टक्कर लगने से साइकिल सवार अधेड़ तालाब में जा गिरा। उसे डूबता देख पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत बता दिया। अधेड़ की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। 10 साल पहले मां फिर पिता की मौत से दोनों बेटियां अनाथ हो गईं।

सचेंडी के दिलीपपुर गावं निवासी 49 वर्षीय मनोज मजदूरी करते थे। परिवार में मां प्रेमवती, छोटा भाई विनोद और दो बेटियां जैनी व जया हैं। पत्नी मंजू की 10 साल पहले किडनी खराब होने से मृत्यु हो गई थी। पिता गेंदालाल ने बताया कि बीते कई दिनों से मनोज को बुखार आ रहा था। शुक्रवार सुबह साइकिल से दवा लेने सचेंडी जा रहा था। रास्ते में मानशिला मंदिर के पास पहुंचा, तभी अचानक लड़ते हुए दो सांड़ मनोज के सामने आ गए और सांड़ों की टक्कर से वह साइकिल सहित सड़क किनारे तालाब में जा गिरा। मनोज तालाब में लगी सिंघाड़ा की बेलों में फंस गया, इससे निकल नहीं पाया। कुछ देर तक छटपटाने के बाद उसका शरीर शांत हो गया। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला और निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मनोज की मौत की खबर पाकर परिजनों व बेटियों में कोहराम मच गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो0-9696715133

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र तारिक अंसारी का चाल चलन ठीक न होने और उसके गलत आचरण से क्षुब्ध होकर उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किए गए कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। हमारा उससे कोई लेना देना नहीं है। **नफीस अहमद पुत्र इमाम बख्श नि. मोहल्ला मकनियापुरा महोबा, जि0 महोबा**

सूचना

मेरे आधार कार्ड में पिता का नाम पदम प्रकाश बागड़ी है, जबकि शैक्षिक अभिलेखों में पिता का नाम पदम बागड़ी अंकित है। पदम प्रकाश बागड़ी एवं पदम बागड़ी दोनों नाम मेरे पिता के ही है। **रोहित बागड़ी पुत्र श्री पदम प्रकाश बागड़ी निवासी 4/2, किराना बाजार, पुराना कोठा पार्चा, फर्रूखाबाद उ0प्र0**

आस्था पीएम तोबगे ने तीन बार साष्टांग प्रणाम कर उतारी आरती, मंदिर के स्थापत्य कला से हुए रू-ब-रू, जाना राममंदिर का इतिहास

रामलला के सामने नतमस्तक हुई भूटान की सरकार

अयोध्या कार्यालय

रामलला की आरती उतारते भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे।

अमृत विचार: पड़ोसी देश भूटान की सरकार शुक्रवार को राम लला के सामने नतमस्तक हुई। भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे ने तीन बार राम लला के सामने साष्टांग प्रणाम किया। आरती उतारी। प्रसाद ग्रहण किया। राम लला और राम दरबार की अपने मोबाइल से तस्वीरें खींची। राम मंदिर का इतिहास जाना। मंदिर की स्थापत्य कला से रू-ब-रू हुए। वह लगभग एक घंटे 40 मिनट मंदिर परिसर में रहे। दर्शन-पूजन किया। श्री राम मंदिर परसिर के विभिन्न क्षेत्रों का अवलोकन किया। टहले, सेल्फी ली, अविभूत दिखे।

भूटान के प्रधानमंत्री पत्नी टासी डोमा सहित लगभग 10 लोगों के प्रतिनिधिमंडल के साथ शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े नौ बजे महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारतीय वायु सेना के विशेष विमान से पहुंचे। यहां कृषि एवं जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अयोध्या महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, मंडलायुक्त राजेश कुमार, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम निखिल टी. फुंडे के साथ भारतीय परिधान और कलश धारण किए बालिकाओं के समूह ने रेड कार्पेट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

कड़ी सुरक्षा और शाही अंदाज में उनका कारवां अयोध्या श्रीराम मंदिर पहुंचा। यहां श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र सहित अन्य ने स्वागत किया। राम मंदिर पहुंचने के साथ ही पत्नी के साथ उन्होंने राम मंदिर की आभा को निहारना शुरू किया तो निहारते ही रहे। यहाँ की संस्कृति, वैभव और परंपरा से रू-ब-रू होते रहे। श्रीराम मंदिर में राम लला के सामने पहुंचे तो मुखाकृति देखने लायक थी। राम लला को अपलक निहारते रहे। रामनामी ओढ़ी। दर्शन-पूजन के बाद घूमकर मंदिर की भव्यता को भी निहारा। इसके बाद पीएम टोबे राम मंदिर परिसर स्थित प्राचीन कुबेर टीला पहुंचे। यहां पत्नी के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कुबेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर आराधना की। मंदिर परिसर में चरणवार मंदिर निर्माण को लेकर लगाई गई चित्र प्रदर्शनी से जानकारी ली। महासचिव राय ने उनको पूरी जानकारी दी।

श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि भूटान के प्रधानमंत्री ने करीब एक घंटा 40 मिनट राम मंदिर परिसर में बिताया। इस दौरान उन्होंने रामलला, राम दरबार, कुबेर टीला, जटायु और सप्त मंडप के दर्शन किए।

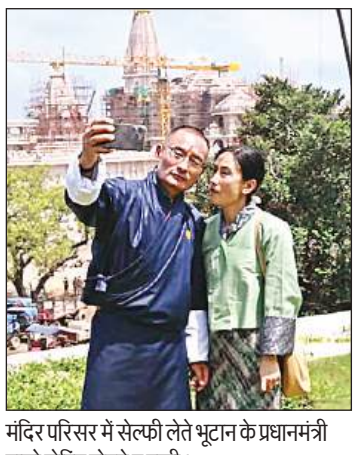

मंदिर परिसर में सेल्फी लेते भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे व पत्नी।

रामनामी ओढ़ पत्नी के साथ खिंचवाई फोटो, ली सेल्फी

भूटान के प्रधानमंत्री राम मंदिर में आनंद विभोर दिखे। पत्नी के साथ रामनामी गले में डाल दोनों ने मंदिर परिसर में फोटो खिंचवाई। साथ ही परिसर में मखमली घास पर सेल्फी लेते दिखे। उन्होंने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के साथ भी फोटो खिंचवाई।

सूचना

मैंने अपना नाम ABIDA ALI से बदलकर ABID ALI रख लिया है भविष्य में मुझे ABID ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ABBASALEE R/O PURE LONIYAN ORIPUR, AMETHI

सूचना

मेरी छोटी पुत्री आत्मिका सिंह के पासपोर्ट में त्रुटिवश नाम आत्मिका दर्ज है जबकि आधार कार्ड में आत्मिका सिंह दर्ज है जो कि सही है, पासपोर्ट में आत्मिका सिंह दर्ज करना आवश्यक है। **मुकेश कुमार पुत्र प्रेमशंकर निवासी ए.165 आवास विकास कॉलोनी, थाना दही, जनपद उन्नाव।**

सूचना

मैंने अपना नाम SHAHIDA ALI से बदलकर SHAHID ALI रख लिया है भविष्य में मुझे SHAHID ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ABID ALI R/O PURE LONIYAN ORIPUR, AMETHI

सूचना

मैंने अपना नाम FAISAL AHMAD से बदलकर FAISHAL AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे FAISHAL AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये S/O SAGIR AHMAD R/O C-628/89G GAZIPUR INDIRA NAGAR, LUCKNOW

सूचना

मेरी बड़ी पुत्री आंशिका सिंह के पासपोर्ट में त्रुटिवश नाम आंशिका दर्ज है जबकि आधार कार्ड में आंशिका सिंह दर्ज है जो कि सही है, पासपोर्ट में आंशिका सिंह दर्ज करना आवश्यक है। **मुकेश कुमार पुत्र प्रेमशंकर निवासी ए.165 आवास विकास कॉलोनी, थाना दही, जनपद उन्नाव।**

सूचना

मैं **सैय्यद अमीर हैदर रिजवी पुत्र रजा अब्बास, निवासी- ग्राम अब्दुल्लाहपुर शहजादपुर अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर,** मेरे पिता का वास्तविक नाम RAZA ABBAS है। जबकि मेरे हाईस्कूल अंकपत्र सन 2021 अनुक्रमांक 23102887 में पिता का नाम SAYED RAZA ABBAS RIZVI है। जो त्रुटिपूर्ण है। अतः मेरे हाईस्कूल अंकपत्र में पिता का नाम SAYED RAZA ABBAS RIZVI के स्थान पर RAZA ABBAS अंकित किया जाय।

अमृत विचार

शनिवार, 6 सितंबर 2025

यह नियम बना लीजिए कि आप कभी भी अपने बच्चे को ऐसी किताब न दें, जिसे आप खुद न पढ़ें।
–**जॉर्ज बर्नार्ड शॉ,** नोबेल साहित्य पुरस्कार विजेता

पर्यावरणीय अनुशासन जरूरी

उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड तथा पंजाब में बार-बार हो रहे अभूतपूर्व भूस्खलनों एवं प्रलयंकारी बाढ़ के संदर्भ में पहाड़ों पर हो रही पेड़ों की अंधाधुंध अवैध कटाई को जिम्मेदार ठहराया है। उसने इसके लिए एसआईटी जांच कराने का आदेश दिया और केंद्र सरकार तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जैसी एजेंसियों को नोटिस जारी करते हुए चेतावनी दी कि हमारी संबंधित एजेंसियां पारिस्थितिकी और हिमालयी क्षेत्र में जमीन तथा नदियों को क्षरण से बचाने में विफल रही हैं। यह चेतावनी समयोचित भी है और आवश्यक भी, क्योंकि इस कठोर सच्चाई से हम आंखें नहीं मूंद सकते कि हमारी विकास नीतियों और उपभोग की प्रवृत्तियों ने प्रकृति के संतुलन को लगातार अस्थिर किया है। अब अति हो जाने के बाद वह जवाब देने लगी है, हालांकि केवल वनों की कटाई ही इसका कारण नहीं है। मैदानी इलाकों में नदी के पाटों या उसके मार्ग का अतिक्रमण, जल निकासी तंत्र का लोप, अवैज्ञानिक बांध निर्माण, अतिक्रमणकारी शहरीकरण और औद्योगिक प्रदूषण भी बाढ़ की गंभीरता को कई गुना बढ़ाते हैं। इसी तरह पहाड़ों में अनियंत्रित सड़क निर्माण, बिना भूगर्भीय अध्ययन के सुरंग और बांध परियोजनाएं, अनियोजित पर्यटन ढांचा और निर्माण सामग्री के लिए अनवरत खनन भूस्खलनों को आमंत्रित करते हैं। पर सतत विकास भी एक अनिवार्य तत्व है, उसकी अनदेखी कैसे की जा सकती है? पर्यटन, सड़क और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाएं पहाड़ी राज्यों की प्रगति के लिए आवश्यक हैं। सवाल यह है कि संतुलन कैसे बने!

इसका उत्तर नीतिगत अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समन्वित प्रबंधन में निहित है। सबसे पहले, केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर दीर्घकालिक पर्यावरणीय योजना बनानी होगी, जिसमें स्थानीय भौगोलिक स्थिति के अनुसार निर्माण मानक तय किए जाएं और उन्हें सख्ती से लागू किया जाए। पहाड़ी क्षेत्रों में भूगर्भीय सर्वेक्षण के बिना किसी बड़ी परियोजना को अनुमति न दी जाए। पर्यटन को 'कैरीइंग कैपेसिटी' के सिद्धांत पर आधारित किया जाए, यानी जितनी संख्या तक पर्यावरण वहन कर सकता है, उतनी ही अनुमति हो। दूसरा, वनों की पुनर्स्थापना और जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन को गंभीरता से लागू किया जाए और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करने वाले अतिक्रमणों को हटाकर शहरी जल निकासी तंत्र को दुरुस्त किया जाए। तीसरा, आपदा प्रबंधन एजेंसियों की जवाबदेही और क्षमता दोनों को मजबूत करना होगा। केवल चेतावनी देने वाली व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों की भागीदारी से त्वरित प्रतिक्रिया और पुनर्वास तंत्र को भी सशक्त किया जाना चाहिए, निःसंदेह इसके लिए जन जागरूकता अत्यावश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि सरकारें और एजेंसियां विकास को पर्यावरणीय अनुशासन और संतुलन के अनुरूप रखें। स्थायी विकास प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण होता है। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी हमें याद दिलाती है कि हम या तो समय रहते इस संतुलन को साध लें, या फिर बार-बार आपदाओं की कीमत चुकाते रहें। यह वक्त है जब नीति और नियमन की सख्ती को विकास की गति के साथ जोड़ा जाए, तभी पहाड़ों की मजबूती और मैदानों की सुरक्षा व समृद्धि दोनों सुनिश्चित हो पाएंगे।

बदलती विश्व की राजनीति और क्वाड का भविष्य

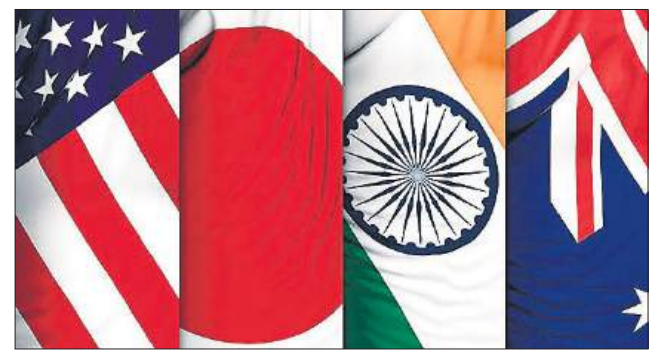

दिग्विजय सिंह
कानपुर

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अमेरिका की अगुवाई में गठित क्वाड का भविष्य अनिश्चितता की तरफ बढ़ चला है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद के निरोध, साइबर सुरक्षा और आर्थिक व बुनियादी ढांचा बढ़ाने में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास करने के उद्देश्य से अमेरिकी नेतृत्व वाली सबसे महत्वपूर्ण बहुपक्षीय पहल चतुर्भज सुरक्षा संवाद (क्वाड) के अस्तित्व पर संकट मंडराता दिख रहा है। क्वाड में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसे चीन की आक्रामकता पर संतुलन बनाने के लिए साल 2007 में गठित किया गया था, हालांकि फिर कुछ सालों के लिए इसे रोक दिया गया।

साल 2017 में क्वाड के महत्व को दोबारा संजीवनी दी गई। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने तक लगातार क्वाड देशों की बैठकें और शिखर सम्मेलन होते रहे हैं। यहां तक कि ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने पर उनके प्रशासन ने सबसे पहले क्वाड की ही बैठक बुलाई थी, जिसमें चारों सदस्य देशों के विदेश मंत्री शामिल हुए थे, लेकिन अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ विवाद के बाद भारत में होने वाली क्वाड की बैठक को लेकर फिलहाल असमंजस के हालात बने हुए हैं।

टैरिफ विवाद को लेकर अमेरिका के जापान और भारत के साथ रिश्ते लगातार बिगड़ते नजर आ रहे हैं। भारत ने अमेरिका के सामने न झुकने का जो संकल्प लिया है, उससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चिढ़े हुए हैं। अब ऐसी खबरें हैं कि भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में ट्रंप शामिल नहीं होंगे। अमेरिका के प्रमुख अखबार न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित लेख में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप 2025 के अंत में भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे, हालांकि इस तरह की मीडिया रिपोर्ट को ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत पर दबाव की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। रूस से तेल खरीद के नाम पर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा थोपे गए मनमाने टैरिफ के आगे भारत नहीं झुका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर अलग-अलग मंचों पर कह चुके हैं कि भारत के किसानों, मछुआरों का हित उनके लिए सर्वोपरि है। राष्ट्रपति ट्रंप को यह भलीभांति पता है कि मोदी जो कहते हैं करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें 'टफ नेगोशिएटर' कहा था। यह भी माना था कि प्रधानमंत्री मोदी उनसे कहीं ज्यादा बेहतर वार्ताकार हैं और अपने देश के हित को सबसे ऊपर रखते हैं।

ट्रंप अभी तक भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं। यही नहीं उनके सलाहकार जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं, उससे आशंका है कि ट्रंप टैरिफ के दबाव को और आगे ले जाने की मंशा रखते हैं। जापान पर भी ट्रंप ने 15 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। यही नहीं, ऑस्ट्रेलिया पर स्टील/एल्युमिनियम टैक्स लगाकर साफ कर दिया है कि उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति से अमेरिका की 'ग्लोबल स्ट्रैटजी' गायब हो चुकी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि आर्थिक राष्ट्रवाद के कठोर रास्ते पर चलते हुए ट्रंप ने अमेरिका की विदेश नीति को इंडो-पैसिफिक के रास्ते से उतार दिया है।

इन हालात में हालिया एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की जुगलबंदी भी ट्रंप को रास नहीं आई है। भारत के टैरिफ पर कड़े रुख को देखते हुए जापान ने भी अपने शीर्ष वार्ताकार को अंतिम समय में अमेरिका जाने से रोक दिया है। ट्रंप टैरिफ की मार से जापान की आटोमोबाइल व स्ट्रील इंडस्ट्री पर बुरा प्रभाव पड़ा है। दो प्रमुख सदस्य देशों की टैरिफ को लेकर अमेरिका से तनातनी के बढ़ने के बाद अब आर्थिक विशेषज्ञ यह कहने लगे हैं कि ट्रंप की जिद के कारण क्वाड का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा का रुख चीन के प्रति नरम है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि भारत की तरह जापान से भी चीन रिश्ते मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अगर ऐसा होता है तो क्वाड का अस्तित्व बना रहेगा, कहना थोड़ा मुश्किल है, क्योंकि क्वाड का गठन ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को चुनौती देने के लिए किया गया था। राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों ने न सिर्फ क्वाड के सदस्य देशों में अमेरिका के प्रति अविश्वास की खाई को गहरा किया है बल्कि नए विकल्प तलाशने पर उन्हें मजबूर भी किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पर्दे के पीछे से पाकिस्तान की मदद करने वाले चीन ने अमेरिका और भारत के बीच उत्पन्न अविश्वास की खाई का ही लाभ उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एससीओ सम्मेलन में रेड कॉर्पेट बिछाया था।

इस सम्मेलन पर अमेरिका लगातार बारीक नजर रखे था। अब सम्मेलन की समाप्ति पर अमेरिकी प्रशासन मोदी, जिनपिंग और पुतिन की केमिस्ट्री को लेकर नफा और नुकसान का नए सिरे से आकलन करने को बाध्य हो गया है। ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो तो इतना बौखला गए कि एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में भारत पर अमर्यादित जातिगत टिप्पणी तक कर बैठे। रूस से भारत द्वारा किए जा रहे तेल आयात के संदर्भ में उनका यह कहना कि भारतीयों की कीमत पर ब्राह्मण मुनाफा कमा रहे हैं, दर्शाता है कि भारत की बढ़ती साख और चीन से गाढ़ी होती दोस्ती अमेरिका को रास नहीं आ रही है। ऐसे में जबकि नए समीकरणों की बिसात बिछ रही है, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन को काउंटर करने के लिए बनाया गया क्वाड अपने ही संस्थापक देश अमेरिका की अस्थिर विदेश नीति की वजह से खतरे में नजर आ रहा है।

आमने

अखिलेश यादव हर किसी से हिसाब मांगते रहते हैं, लेकिन अपनी टोटियों का कभी हिसाब नहीं दिया। टोटियां उठाकर जो ले गए हो साहब, वो यूपी की जनता को वापस करो। जनता खोज रही है।
–**केतकी सिंह**
भाजपा विधायक

सामने

अपनी बेटी का दुःख है, तो दूसरे की बेटियों का भी सम्मान करें। टोटी चोरी का आरोप मैं नहीं भूल सकता। एक अखबार ने स्टिंग किया। ये बात हम लोग भूलने वाले नहीं हैं। ये सरकार भी जान ले और सरकार चलाने वाले भी जान लें।
–**अखिलेश यादव**
पूर्व मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

जीएसटी 2.0: अर्थव्यवस्था को गति की उम्मीद

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दरों में कटौती से जीएसटी संग्रह में लगभग 15,000 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ी हुई बिक्री और खपत से यह कमी आंशिक रूप से पूरी हो जाएगी।

भारत की अर्थव्यवस्था इस समय कई चुनौतियों से गुजर रही है। वैश्विक स्तर पर टैरिफ युद्ध, महंगाई का दबाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और घरेलू स्तर पर उपभोग की सुस्ती। ऐसे में सरकार ने त्यौहारों से पहले कुछ आवश्यक और उपभोक्ता वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कटौती का फैसला लिया है। यह कदम न केवल आम आदमी की जेब पर बोझ को कम करेगा, बल्कि खपत और मांग को भी बढ़ा सकता है। सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में भारतीय मध्यमवर्ग के लिए बड़ी राहत साबित होगा और क्या इससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त गति मिल पाएगी।

जीएसटी काउंसिल की हालिया बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरण, मिठाई एवं मिठाई बनाने वाले उत्पाद, परिधान और कुछ ऑटो एक्सेसरीज पर कर दरों को घटाया गया है। उदाहरण के लिए, छोटे टेलीविजन (32 इंच तक) पर जीएसटी को 28% से घटाकर 18% कर दिया गया, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर पर कर दर 28% से घटाकर 18%, मिठाई और नमकीन पर 12% से घटाकर 5%, और बच्चों के कपड़ों पर कर दर 12% से घटाकर 5% कर दी गई है। सरकारी अनुमान के अनुसार, इन कटौतियों से उपभोक्ताओं को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की सीधी वार्षिक राहत मिलेगी। वहीं, घरेलू उपकरण निर्माताओं का कहना है कि इस कदम से त्यौहारों के सीजन (अक्टूबर–दिसंबर) में उनकी बिक्री में 10–15% तक की बढ़ोतरी संभव है।

भारत की आबादी में मध्यमवर्ग की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है और यह समूह अर्थव्यवस्था की 60% से अधिक खपत का चालक है। 2023–24 में निजी अंतिम उपभोग व्यय- भारत के जीडीपी का 57% रहा, जिसमें त्यौहारों का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। हाल के वर्षों में बढ़ती महंगाई और लगातार बढ़ते ब्याज दरों के कारण मध्यमवर्ग की वास्तविक आय पर दबाव बढ़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, 2022–23 में ग्रामीण और शहरी परिवारों की वास्तविक उपभोग वृद्धि मात्र 2.5% रही, जबकि 2015–16 से 2019–20 के बीच यह औसतन 6–7% थी। ऐसे में जीएसटी कटौती से उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती होकर इस दबाव को कम कर सकती हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में खपत की मांग एक अहम इंजन है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि भारत में घरेलू खपत का जीडीपी में योगदान चीन (39%) और ब्राजील (53%) से कहीं अधिक है। जब खपत घटती है तो इसका सीधा असर विनिर्माण, सेवा क्षेत्र और रोजगार पर पड़ता है। त्यौहारों के मौसम में उपभोग स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। अनुमान है कि 2024 के त्यौहार सीजन में खुदरा बिक्री 8–10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। यदि जीएसटी कटौती से वस्तुएं सस्ती होती हैं और मांग में 5–7% अतिरिक्त वृद्धि आती है, तो यह चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर को 0.2–0.3% तक बढ़ा सकती है।

हालांकि, कर दरों में कटौती से सरकार के राजस्व पर असर पड़ना तय है। वित्त मंत्रालय का अनुमान है कि जीएसटी संग्रह में लगभग 15,000–18,000 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ी हुई बिक्री और खपत से यह कमी आंशिक रूप से पूरी हो जाएगी। पिछले वर्ष 2023–24 में जीएसटी संग्रह का औसत 1.68 लाख करोड़ प्रति माह रहा था। यदि खपत में वृद्धि होती है तो यह औसत बरकरार रह सकता है। इस प्रकार, सरकार अल्पकालिक राजस्व हानि उठाकर दीर्घकालिक वृद्धि को प्रोत्साहित करने का जोखिम ले रही है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका और यूरोप द्वारा लगाए गए नए टैरिफ, कच्चे तेल के ऊंचे दाम और रुपये की गिरावट ने भारत में आयात लागत को बढ़ा दिया है। इससे महंगाई पर दबाव बना है। ऐसे में जीएसटी कटौती एक संतुलित नीति कदम है, जो घरेलू खपत को बढ़ाकर बाहरी झटकों से उत्पन्न दबाव को कम करने का प्रयास करता है। बढ़ती खपत का एक अन्य लाभ यह है कि इससे उत्पादन और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में कंपनियां उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रही हैं। इससे न केवल 2–3 लाख अतिरिक्त मौसमी रोजगार सृजित हो सकते हैं, बल्कि विनिर्माण क्षेत्र की क्षमता उपयोग दर भी बेहतर होगी।

त्यौहारों से पहले की गई जीएसटी दरों में कटौती को केवल एक कर राहत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे अर्थव्यवस्था में मांग और विश्वास पैदा करने वाले कदम के रूप में समझा जाना चाहिए। मध्यमवर्ग के लिए यह कदम निश्चित रूप से जेब पर सीधी राहत है। घरेलू उपकरणों से लेकर परिधानों और खाद्य पदार्थों तक की चीजें सस्ती होंगी। साथ ही, बढ़ी हुई खपत से विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को सहारा मिलेगा और सरकार को अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में अतिरिक्त बढ़त मिल सकती है। यदि महंगाई और वैश्विक टैरिफ दबाव जारी रहे तो इस राहत का प्रभाव सीमित हो सकता है। इसलिए, सरकार को दीर्घकालिक रूप से कर ढांचे को स्थिर रखने, आय बढ़ाने और टिकाऊ उपभोग बढ़ाने वाली नीतियों पर भी काम करना होगा।

प्रसंगवश

गिद्धों की कमी से हर साल एक लाख लोगों की मौत

गिद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा होते हैं, जो अन्य मांसाहारी जीवों, जैसे कि कुत्तों और चीलों की जनसंख्या को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। जब गिद्ध कम हो जाते हैं, तो अन्य मांसाहारी जीवों की संख्या बढ़ जाती है, जो असंतुलन पैदा कर सकती है। गिद्ध, मृत जानवरों का अवशेष सहजता से नष्ट कर पारिस्थितिकी को स्वच्छ बनाए रखते हैं। पिछले कुछ दशकों में, गिद्धों की कई प्रजातियां जैसे कि व्हाइट-बैक्ड गिद्ध, लॉन्ग-बिल्ड गिद्ध और स्लेंडर-बिल्ड गिद्ध विलुप्त होने की कगार पर आ गई हैं।

इनके अनुपस्थित रहने से न सिर्फ जैव-विविधता खतरे में पड़ती है, बल्कि मानव स्वास्थ्य और सामाजिक तंत्र पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। उनकी संख्या में गिरावट से उत्पन्न यह संकट अब एक आपातकालीन सवाल बन चुका है। भारत में, एक अध्ययन के अनुसार गिद्धों की गिरती संख्या के कारण 2000 से 2005 के बीच हर साल लगभग एक लाख अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हुई।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

1980 के दशक में भारत में गिद्धों की संख्या करोड़ों में थी, लेकिन 1990 के दशक के अंत तक यह संख्या तेजी से गिरने लगी। गिद्धों की गिरती संख्या के पीछे सबसे बड़ा कारण डाइक्लोफेनैक नामक एक दर्द निवारक दवा है, डाइक्लोफेनाक का प्रयोग शुरू में मनुष्यों के लिए किया गया था, लेकिन पशुपालन में इसके प्रयोग ने अनजाने में गिद्धों की जनसंख्या को भारी नुकसान पहुंचाया। यह मानवीय भूल प्रकृति के इस अनमोल घटक के लिए एक गंभीर संकट साबित हुई। इसके परिणामस्वरूप, पिछले तीन दशकों में गिद्धों की जनसंख्या में लगभग 95% तक की गिरावट आई है। भारत सरकार ने 2006 में पशु उपयोग के लिए डाइक्लोफेनैक पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में डाइक्लोफेनैक अब भी गैर कानूनी रूप से उपलब्ध है और इसका उपयोग जारी है। गिद्धों की संख्या में गिरावट का एक अन्य प्रमुख कारण उनका आवास नष्ट होना है। शहरीकरण, सड़क निर्माण, वनों की कटाई और औद्योगिक विकास ने इनके प्राकृतिक घोंसला बनाने वाले स्थानों को नष्ट कर दिया है। साथ ही, कीटनाशकों के प्रयोग ने इनके अंडों की खोल पतली हो गई है, जिससे इनका प्रजनन प्रभावित हुआ है।

गिद्धों की विलुप्ति को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार, वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और जनता के बीच समन्वय आवश्यक है। गिद्धों के स्वास्थ्य, प्रजनन, और पर्यावरणीय भूमिका पर अधिक अनुसंधान किया जाना चाहिए। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि गिद्धों को कैसे बेहतर रूप से संरक्षित किया जा सकता है। डाइक्लोफेनाक जैसे खतरनाक दवाओं के बजाय मेलोक्सीकैम जैसी सुरक्षित दवाओं का उपयोग बढ़ावा देना चाहिए। इसके लिए किसानों और पशुपालकों को जागरूक किया जाना चाहिए। गिद्धों के संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उनके बिना, गिद्धों के प्राकृतिक आवास की रक्षा करना और उनके संरक्षण प्रयासों को सफल बनाना मुश्किल होगा। सरकारों को सख्त नीतियां और कानून बनाने चाहिए। गिद्ध संरक्षण सिर्फ एक पक्षी की सुरक्षा नहीं, यह मानव जीवन, स्वास्थ्य, संस्कृति, और पारिस्थितिकी की रक्षा का सवाल है। यह एक भविष्यगत आवश्यकता है, जो हमें तत्काल कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करती है। अब समय है कि वैश्विक समुदाय मिलकर साझेदारी करे ताकि गिद्ध फिर से आकाश में निरंतर मंडराते दिखें।

सोशल फोरम

वो मूंगफलियों वाले दिन

देश का मूंगफली-प्रेम अब भी यथावत है क्या? क्योंकि एक समय था, जब भुनी हुई मूंगफलियां चबाना भारतीयों का प्रिय शगल हुआ करता था और मूंगफलियों के छिलके यत्र-तत्र-सर्वत्र दिखलाई देते थे। सिनेमाघर और रेलगाड़ी के फर्श पर तो सबसे अधिक। कूड़े में ये ही तब सबसे अधिक बुहारे जाते होंगे। गरीबों का बादाम कहलाने वाला यह मेवा उन दिनों का पॉपकॉर्न था, पर इन 'उचक्की-मकई' में वो बात कहां? कोई रामलीला या दशहरे का रावण दहन देख रहा हो, गणेशोत्सव की झांकी में जा रहा हो, नदी के घाट पर जाकर अकेला बैठा हो या किसी बागीचे में लेटा ट्रांजिस्टर सुन रहा हो, पैदल ही बेसबब कहीं चला जा रहा हो या किसी से बतिया रहा हो- एक समय था, जब इस सबके साथ में मूंगफलियां अकसर खाया करता था।

सुशोभित
ब्लॉगर

मूंगफलियों के साथ एक शब्द जुड़ गया है- 'टाइमपास'। मुझे इस शब्द से विरक्ति है। एक बार मैं रेलगाड़ी से चला जा रहा था। एक मूंगफली वाला 'टाइमपास मूंगफली' की हांक लगाते हुए आया। मैं एक किताब पढ़ रहा था, उसे मैंने रखा और उसे अपने पास बुलाकर कहा- "ये कहो कि गर्मागर्म मूंगफलियाँ लाया हूं, ये मत कहो कि टाइमपास मूंगफली है।" उसने पूछा, "क्यों?" मैंने कहा, "क्योंकि यह न केवल मूंगफलियों का अपमान है, यह उन्हें खाने वालों का भी तिरस्कार है। इससे ऐसा मालूम होता है कि लोग निठल्ले बैठे हैं, उनके पास करने को कोई काम-धाम नहीं, जो अब मूंगफली चबाकर समय काटेंगे।" वह "ठीक भाई" कहकर आगे बढ़ गया, पता नहीं उसने मेरी बात मानी या नहीं।

मूंगफली पूर्व-भूमंडलीकृत भारत की दीनता और सरलता का प्रतीक है। यों यह भारतीय-मूल का दाना नहीं, लातीन-अमरीका की तरफ से आया है। रवींद्र कालिया की एक कहानी में एक बेरोजगार युवा मूंगफली वाले के खोमचे के पास खड़ा रहता था, ताकि उसके जाने पर नीचे गिर पड़ी मूंगफलियां चुनकर खा सके। प्रभाष जोशी ने लिखा है, 'सिंकी हुई गीली मूंगफली के सलवटभरे दानों का स्वाद अद्भुत होता है!' अपने एक व्यंग्य में उन्होंने 'चवन्नी-क्लास' व्यक्ति को 'मुम्फली-छाप' कहकर पुकारा है और 'सोयाबीन-छाप' आदमी से उसका द्वैत उभारा है। मूंगफली के तेल- जिसको मीठा तेल कहा जाता था- को इधर सोयाबीन के तेल ने ही बाजार में हाशिये पर धकेला है। निमाड़ तरफ यह सींगदाना कहलाई है। गुजरात में भी। महाराष्ट्र में शेंगदाना-चटनी बहुत बिकती है। मूंगफली-गुड़ की चिक्की भी बहुत प्रसिद्ध है। अलबत्ता पीनट-बटर कुलीन-वर्ग का शगल है, किंतु उसका डेयरी-फ्री बटर होना मुझे आश्वस्त करता है।

सामयिकी

रफ्तार से हर दिन टूट रही 500 के जीवन की डोर

भारत में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है। देश में प्रतिदिन 474 से अधिक लोग सड़क हादसे में जान गंवा देते हैं। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी 'सड़क हादसे 2023' की रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में हर घंटे लगभग 55 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 20 लोगों की जान जाती है। 2023 में लगभग 4.80 लाख सड़क हादसे हुए, जिनमें 1.72 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। मंत्रालय ने युवाओं की मौतों पर चिंता व्यक्त की है, जिनमें 18-45 वर्ष के 66.4% युवा शामिल हैं। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौत के मामले में भारत विश्व में सबसे आगे है। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में सड़क हादसों में कमी नहीं आई है, बल्कि साल दर साल इसमें इजाफा हो रहा है।

मनोज अग्रवाल
वरिष्ठ पत्रकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की सड़क दुर्घटनाएं, 2023 शीर्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में हर घंटे 55 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। देश में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस विभागों ने वर्ष 2023 के दौरान कुल 4,80,583 सड़क दुर्घटनाओं की सूचना दी है, जिनमें 1,72,890 लोगों की जान गई और 4,62,825 लोग घायल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 में लगातार चौथे वर्ष तक सड़क दुर्घटना के शिकार ज्यादातर युवा थे। 18-45 वर्ष आयु वर्ग के वयस्कों की संख्या 66.4 प्रतिशत है। राजस्थान की बात करें तो इस अवधि में 24 हजार 694 सड़क हादसों में 11 हजार 400 लोगों की मौतें हुईं। भारत में सड़कों और हाईवे के साथ हादसों की रफ्तार भी धमने का नाम नहीं ले रही। सड़क पर ट्रक पार्क करना दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है और लोग यातायात अनुशासन का पालन नहीं करते।

मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली 1,72,890 मौतों में से 40% से अधिक मौतें हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग न करने और नशे में वाहन चलाने के कारण हुई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में मारे गए 54,568 दोपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिनमें 39,160 चालक और 15,408 यात्री शामिल थे। यह 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों का 31.6% था। इसी तरह, सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने वाले वाहन सवारों में 16,025 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें 8,441 चालक और 7,584 यात्री शामिल थे, जो वर्ष के दौरान दर्ज कुल मौतों का 9.3% हैं।

देश में मोटर वाहन कानून 2019 लागू होने के बाद भले ही सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई हो, मगर दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या में कमी नहीं आई। नीति आयोग की रिपोर्ट है कि सड़क हादसों के शिकार 30 प्रतिशत लोगों की मौत जीवन रक्षक उपचार नहीं मिल पाने के कारण होती है। 2023 में सबसे ज्यादा सड़क हादसों में मौतें उत्तर प्रदेश में हुईं। यहां 23,652 लोगों की सड़क हादसे में जान गई है, जो 2022 (22,595) और 2021 (21, 227) से अधिक है। सबसे कम मौतें अंडमान और निकोबार में दर्ज की गईं। यहां सिर्फ 24 लोगों की जान गई है। 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में दिल्ली 1457, बेंगलुरु 915 और जयपुर 849 में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। अमृतसर, चंडीगढ़ और श्रीनगर में सबसे कम लोगों की जान गई है। मौतों के ये आंकड़े चिंतित करते हैं। सरकार ने सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन जमीन पर वास्तविक बदलाव लाने के लिए अभी और बहुत कुछ करना बाकी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

200
से ज्यादा प्रजातियां पक्षियों की और वनस्पतियों की विविधता यहां का आकर्षण और बढ़ाती है।

872.24
वर्ग किमी है कुल क्षेत्रफल बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान का

3000
रुपये प्रति व्यक्ति है जीप सफारी का किराया

स्लॉथ बियर

बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान पहुंचकर होता है 'जंगल बुक' जैसा एहसास

जंगल की गोद में बाघ और हाथियों की धरती पर अद्भुत सफर

इंडियन रॉक पायथन

सफारी, सन्नाटा और सरप्राइज जैसा
बांदीपुर का जादुई संसार

पश्चिमी घाट की सुरम्य पहाड़ियों में बसा बांदीपुर दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित प्रकृति प्रेमियों और रोमांच चाहने वालों के लिए एक आदर्श पर्यटन स्थल है। हरे-भरे जंगलों, कल-कल करती नदियों और नीरवता बढ़ाते प्राकृतिक दृश्यों से घिरे इस सुरम्य व सुंदर रमणीक स्थल पर पहुंचकर आप आज की भागदौड़ भरी जिंदगी की कशमकश कुछ देर के लिए भूलकर यहीं के हो जाएंगे। यह देश का बाघ आरक्षित राष्ट्रीय उद्यान है। यहां बंगाल टाइगर, एशियाई हाथी, तेंदुआ और गौर जैसे जीवों तथा तमाम दुर्लभ पक्षियों के साथ अजगर, किंग कोबरा और मगरमच्छ पाए जाते हैं। बांदीपुर पहुंचने के लिए हमने अपनी यात्रा कार द्वारा मैसूर से शुरू की। करीब 82 किलोमीटर की यात्रा दो घंटे में पूरी करके हम बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान के गेट पर थे। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान को देश के सबसे सुंदर और बेहतर प्रबंधित राष्ट्रीय उद्यानों में गिना जाता है। कर्नाटक में मैसूर-ऊटी राजमार्ग पर विशाल पश्चिमी घाट के सुरम्य परिवेश में स्थित यह नीलगिरि रिजर्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके उत्तर-पश्चिम में कर्नाटक का राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान (नागरहोल), दक्षिण में तमिलनाडु का मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य और दक्षिण-पश्चिम में केरल का वायनाड वन्यजीव अभयारण्य है। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान का कुल क्षेत्रफल 872.24 वर्ग किमी है। यह आंशिक रूप से चामराजनगर जिले के गुंडलुपेट तालुका और आंशिक रूप से मैसूर जिले के एचडीकोटे और नंजनगुड तालुका में आता है।

बाघों व हाथियों का यह प्रजनन स्थल, राजाओं का था शिकारगाह

- कभी यह उद्यान राजा-महाराजाओं का शिकारगाह था। बाद में आसपास के आरक्षित वन क्षेत्रों को इसमें शामिल कर दिया गया और इसका नाम बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान रखा गया। यह राष्ट्रीय उद्यान बाघों और हाथियों का प्रजनन स्थल था, इसलिए इन्हें बचाने के लिए इस अभयारण्य को देश भर के 30 अभयारण्यों में चिह्नित किया गया। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान बाघ, हाथी, भालू और भारतीय गौर जैसे अनोखे और तमाम लुप्तप्राय वन्यजीव प्रजातियों का घर है। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है। नीलगिरी की तलहटी में बसे बांदीपुर का बाघों से पुराना नाता है। यह लुप्तप्राय एशियाई जंगली हाथियों का अंतिम आश्रय स्थल है। इस राष्ट्रीय उद्यान में स्लॉथ बियर, गौर, भारतीय रॉक अजगर, सियार, मगर और चार सींग वाले मृग जैसी कई अन्य लुप्तप्राय प्रजातियां देखने को मिलती हैं। यहां सांभर, चूहा हिरण, चीतल, सुस्त भालू और उड़ने वाली दुर्लभ छिपकली भी पाई जाती है। पक्षियों की 200 से ज्यादा प्रजातियां और वनस्पतियों की विविधता यहां का आकर्षण और बढ़ाती है। बांदीपुर में सागौन, शीशम, चंदन, भारतीय लॉरेल और कीनो के पेड़, गुच्छेदार बांस सहित इमारती लकड़ियों के पेड़ भी हैं।

नीली आंखों वाला तेंदुआ

अविश्वसनीय! सावधान!
यहां मिलते अलग-अलग रंग की आंखों वाले तेंदुए

इस तेंदुए की आंखें आपको सम्मोहित कर देंगी। बांदीपुर टाइगर रिजर्व में भारत में अपनी तरह के पहले दो अलग-अलग रंग की आंखों वाले तेंदुए भी हैं। एक आंख नीली-हरी तो दूसरी भूरी। यह एक जेनेटिक विशेषता हेटेरोक्रोमिया है, जिसके कारण तेंदुए की दोनों आंखों का रंग अलग-अलग होता है।

प्रकृति की अद्भुत दुनिया में वन्य जीवों के घर देखने को सफारी

- उद्यान के द्वार से भीतर प्रवेश करते ही हमें घने जंगलों, लुढ़कती पहाड़ियों और विशाल घास के मैदानों के साथ एक अद्भुत दुनिया के दर्शन हुए। पक्षियों की चहचहाहट, बंदरों की खों-खों और पत्तों की सरसराहट से प्राकृतिक वन्य जीवन जीवंत हो उठा। जंगली फूलों की खुशबू हवा के साथ बहकर स्वर्ग जैसा अहसास दिला रही थी। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान वनस्पतियों और जीवों की एक समृद्ध विविधता का घर है, जिसमें बाघ, हाथी, तेंदुए, हिरण, जंगली सूअर और पक्षियों की कई प्रजातियां शामिल हैं।
- यहां के जीवों को उनके प्राकृतिक आवास में देखने के लिए उद्यान में सफारी की सुविधा उपलब्ध है। हमने वन विभाग द्वारा संचालित मिनी-बस सफारी की यात्रा रेंज कार्यालय से शुरू की। यहां से बस सफारी सुबह 6.15 से 9 बजे और दोपहर 2.15 से शाम 5 बजे के बीच चलती है। शुल्क 350 रुपये प्रति व्यक्ति है। जीप सफारी का किराया तीन हजार रुपये प्रति व्यक्ति है। जीप सफारी सुबह 6.15 से 8 बजे, सुबह 8 से 9.45 बजे, दोपहर 2.30 से 4.30 बजे और शाम 4.30 से 6.30 बजे के बीच संचालित होती है। पूर्व में चलने वाली हाथी सफारी अब यहां बंद की जा चुकी है। जीप और मिनी बस सफारी का समय भी मौसम और सुरक्षा कारणों से बदलता रहता है।

आदिवासी गांवों की परंपराएं और रीति-रिवाजों को नजदीक से देखें

प्राकृतिक सुंदरता के अलावा, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए भी जाना जाता है। यह उद्यान कई आदिवासी गांवों से घिरा हुआ है। हर एक गांव की अपनी अनूठी परंपराएं और रीति-रिवाज हैं। आपको इन गांवों में घूमते समय ऐसा लगेगा जैसे एक या दो शताब्दी पीछे चले गए हैं। आदिवासी गांवों का भ्रमण समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव दिलाता है। यहां लोगों की जीवन शैली बहुत करीब से देखी जा सकती है। हालांकि समय की कमी से हम इस अनूठे अवसर को बहुत थोड़े समय के लिए कार से ही देख पाए। लेकिन बांदीपुर घूमने के दौरान आसपास के आदिवासी गांवों में लोगों के रीति-रिवाजों और परंपराओं के बारे में जरूर काफी जानकारी हासिल की।

लेखक - शिव कुमार अवस्थी, ब्रह्मावर्त, कानपुर
उप वन संरक्षक (सेवानिवृत्त)

200 रुपये मूल्य वर्ग के नोट पर कहानी सांची स्तूप की
रुपया बताता नीचे संसार ऊपर मोक्ष

भारतीय रिजर्व बैंक ने 25 अगस्त, 2017 को महात्मा गांधी नई श्रृंखला में रुपये 200 मूल्य वर्ग का नोट जारी किया था। यह नोट अपने पृष्ठ भाग में सांची के स्तूप की कहानी सुनाता है। सांची स्तूप मध्य प्रदेश में स्थित है। यह स्थान भोपाल से लगभग 40 किमी दूर एक पहाड़ी पर है। सांची स्थल में बौद्ध स्मारकों (एकाश्म स्तंभ, महल, मंदिर और मठ) का एक समूह है। इनमें से अधिकांश दूसरी और पहली शताब्दी ईसा पूर्व के हैं। यह सबसे पुराना बौद्ध अभयारण्य है और 12वीं शताब्दी ईस्वी तक भारत में एक प्रमुख बौद्ध केंद्र था। सांची के स्तूप, मंदिर, विहार और स्तंभ, प्राचीनतम और सबसे परिपक्व, प्राचीन कलाओं और स्वतंत्र वास्तुकला के उदाहरण हैं, जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से बारहवीं शताब्दी ईस्वी तक बौद्ध धर्म के इतिहास का विस्तृत दस्तावेजीकरण करते हैं। सांची स्तूप बुद्ध की निर्माण अवस्था मोक्ष को दर्शाता है। इसका ऊपर की ओर गोलाकार गुम्बद मोक्ष और नीचे की चौड़ी आधारशिला भौतिक संसार को दिखाती है।

- **सम्राट अशोक के पुत्र से जुड़ा पवित्र स्थान :** शांत और मनोरम वनीय पठार पर स्थित सांची के बौद्ध स्मारकों को श्रीलंकाई बौद्ध इतिहास में पवित्र चेतियागिरि भी माना जाता है। यहां सम्राट अशोक के पुत्र महेंद्र, श्रीलंका की अपनी धर्मप्रचारक यात्रा शुरू करने से पहले रुके थे। सांची में स्थापित सारिपुत्र और मौद्गल्यायन (बुद्ध के प्रमुख शिष्य) के अवशेषों की थेरवादियों द्वारा पूजा की जाती थी और आज भी उनका सम्मान किया जाता है।
- **शुंग और सातवाहन वंश ने अलंकृत किए स्तंभ व स्तूप :** सांची के एक पवित्र केंद्र के रूप में आरंभ का श्रेय मौर्य सम्राट अशोक को है। अत्यधिक विस्तृत शीर्ष वाले अखंड अशोक स्तम्भ की स्थापना के साथ, सम्राट अशोक ने सांची को एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल के रूप में प्रतिष्ठित किया। स्तम्भ के समकालीन एक ईंट का स्तूप था, जिसका आकार बाद में शुंग वंश के दौरान बढ़ाया गया, पत्थर की परत से ढका गया और अलंकृत कठघरा, हर्मिका, यष्टि, छत्र और चार तोरण युक्त प्रदक्षिणा पथों और सीढ़ियों से संवर्धित किया गया, जिन्हें बाद में पहली शताब्दी ईस्वी में सातवाहन वंश के दौरान अलंकृत किया गया।

- अजय त्रिवेदी, उप निदेशक युवा कल्याण विभाग।

घरों में हरियाली का तरीका वर्टिकल गार्डनिंग

शहरों में खासकर अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के पास बागवानी के लिए जगह नहीं होती है। लेकिन अपना खुद का बगीचा उगाना एक ऐसा सपना होता है, जिसे अधिकतर लोग कभी छोड़ना नहीं चाहते हैं। ऐसे में वर्टिकल गार्डन हमेशा से उन सभी लोगों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र रहे हैं, जिन्होंने इन्हें देखा है। बेबीलोन के बगीचों से शुरू हुए वर्टिकल गार्डन के विचार का इस्तेमाल जगह बचाने और सुंदर दिखने वाले स्थान बनाने के लिए किया गया था, लेकिन आज, इस बागवानी तकनीक का दुनिया भर में इस्तेमाल किया जा रहा है।

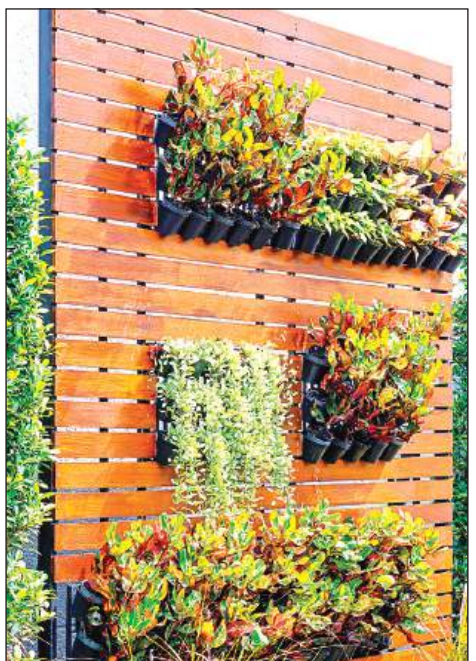

पौधों को दीवार, छत, पिलर या बालकनी में उगाने की विधि

वर्टिकल गार्डनिंग पौधों को ऊपर की ओर उगाने की एक विधि है, जिसमें अक्सर दीवारों, जालीदार ढांचों या विशेष रूप से डिजाइन किए गए गमलों जैसी संरचनाओं का उपयोग किया जाता है। यह तरीका छोटी जगह का अधिकतम उपयोग करता है, जिससे यह छोटे क्षेत्रों या शहरी परिवेश के लिए आदर्श बन जाता है। ज्यादातर फ्लैटों या छोटे घरों के अंदर वर्टिकल गार्डनिंग आज एक चलन के रूप में स्थापित हो गई है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें पौधों को वर्टिकल जगह पर जैसे दीवार, छत, पिलर या बालकनी की रेलिंग आदि पर उगाया जाता है। वास्तव में यह बागबानी का अर्बन तरीका है, जिसमें कम जगह में ज्यादा पौधे उगाए जाने की कोशिश की जाती है। लटकते पौधों के साथ-साथ गमलों में लगे पौधों से भी वर्टिकल गार्डनिंग की जा सकती है। घर के अंदर और बाहर होने वाली वर्टिकल गार्डनिंग को ग्रीन वॉल भी कहा जाता है। शहरों में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन वॉल कई शहरों में पुलों के नीचे, महत्वपूर्ण स्थलों पर देखी जा सकती है।

- **सबसे पहले उचित स्थान चुनें :** वर्टिकल गार्डनिंग के लिए पर्याप्त रोशनी वाली एक अच्छी जगह चुनना बेहद जरूरी है। यह देखें कि कौन से पौधे किस स्थान के लिए उपयुक्त होंगे और उन्हें लगाने के लिए दीवार, छत या बॉलकनी कितनी मजबूत है। पौधे चाहे किसी भी किस्म के चुने गए हों, इनडोर वर्टिकल गार्डनिंग की बदौलत हवा की गुणवत्ता और ड्राइंग रूम या कमरे के वातावरण में सुधार किया जा सकता है। इसके साथ ही यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि पौधे अलग-अलग ध्वनि अवरोधक के रूप में भी काम कर सकते हैं।
- **पौधों का चयन और पानी देने की व्यवस्था महत्वपूर्ण :** घर के अंदर पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए पौधों को पर्याप्त पानी देना जरूरी है। इसके लिए कई तरह की सिंचाई प्रणालियां उपलब्ध हैं। वर्टिकल गार्डनिंग में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि पौधे उगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तन जलरोधी हों। पहले दीवार पर एक वाटरप्रूफ इंसुलेशन परत लगाना भी बेहतर विकल्प है। इससे दीवार पर नमी या फफूंदी लगने से बच सकते हैं।

बालकनी के लिए करें व्यापक तैयारी

- बालकनी पर वर्टिकल गार्डनिंग की योजना बनाते समय, व्यापक तैयारी जरूरी है। बालकनी में प्रकाश की स्थिति पर विचार करना और उसके अनुसार पौधों का चयन करना महत्वपूर्ण है। बालकनी पर ऊर्ध्वाधर बागवानी के लिए जड़ी-बूटियां और सब्जियां, दोनों ही बेहतरीन विकल्प हैं। गर्मियों में अपनी उपज खुद इकट्ठा करने का आनंद अद्भुत हो सकता है। उदाहरण के लिए जुकनी और टमाटर धूप वाली जगह पर खूब फलते-फूलते हैं। फूल वाले पौधे बालकनी में रंग भर देते हैं। बालकनी पर ऊर्ध्वाधर बागवानी के लिए लोकप्रिय फूल वाले पौधों में चढ़ने वाले नास्टर्टियम शामिल हैं, जो खाने योग्य भी होते हैं। इसके साथ ही ट्रेलिंग पेटुनिया, जेरेनियम और मैंडेविला भी हैं। बालकनी पर बारहमासी फूल वाले पौधों के लिए, बौना झाड़ू या शीतकालीन चमेली अच्छे विकल्प हैं। खिलती हुई बालकनी का लंबे समय तक आनंद सुनिश्चित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरकों जैसे उर्वरकों और पोषक तत्वों के मिश्रण का उपयोग करना बेहतर रहेगा।

फीचर डेस्क, कानपुर

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,710	24,741
गिरावट	7.25	6.70
प्रतिशत में	0.01	0.03

सोना -1,06970 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,25,600 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 6 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

जीएसटी दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को

सीबीआईसी ने कहा- अभी की कीमत और जीएसटी में सुधारों के बाद की कीमतों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में बदलाव के बाद कटौती का लाभ आम लोगों तक पहुंच पाएगा, इसको लेकर कयासों का दौर जारी है। इसी बीच केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कटौती का लाभ आम लोगों तक पहुंचे इसके लिए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर कीमतों समेत समूची स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

सीबीआईसी के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि सरकार जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों को दिलाने के लिए काम कर रही है। इसके लिए सीबीआईसी, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालयों समेत सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर कीमतों और पूरी स्थिति पर नजर रख रहा है। अग्रवाल ने एक बातचीत में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधारों के तहत एक तरह के सामान को एक ही कर दायरे में लाने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने से विवादों में कमी आने की उम्मीद है। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। हम कीमतों के रुख पर कड़ी नजर रख रहे हैं। हम

देख रहे हैं कि अभी सामानों की क्या कीमत है और जीएसटी में सुधारों के बाद आगे क्या रुझान रहने वाला है। कंपनियों पर भी हमारी नजर होगी।

सीबीआईसी चेयरमैन ने कहा कि अगर दर कटौती का लाभ ग्राहकों को नहीं मिलने की शिकायत आती है, हम उसे उद्योग संगठनों के पास ले जाएंगे। उद्योग संगठनों ने कहा है कि दरों में कटौती से जो भी लाभ होगा, उसका फायदा ग्राहकों को दिया जाएगा। अग्रवाल ने कहा कि सरकार ने कदम उठाया है, प्रक्रिया को सरल किया गया है। उद्योगों को एक निश्चितता दी गयी है। ऐसे में उनका भी दायित्व बनता है। हमें पूरा विश्वास है कि वे जो भी लाभ हैं, ग्राहकों को देंगे।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, जो माल पहले से बाजार में है और उस पर एमआरपी छपा है, उनमें 10 से 15 दिनों में बदलाव कर पाना थोड़ा मुश्किल लगता है लेकिन आपूर्ति श्रृंखला में बाजार में माल ज्यादा होते नहीं हैं। जो भी नई खेप आएगी, उसमें चीजें ठीक हो जाएंगी। अग्रवाल ने कहा कि चूंकि बाजार में काफी प्रतिस्पर्धा है, ऐसे में एक कंपनी ग्राहकों को लाभ दे और कोई दूसरी नहीं देती है तो यह बात सामने आ जाएगी। कंपनियों के लिए ऐसा कर पाना मुश्किल है। अगर कोई टीवी खरीदता है उसे तुंरत लाभ मिल जाएगा। एमआरपी पर बेचे जाने वाले छोटे सामानों पर हो सकता है कि कंपनियां डीलर के जरिये खुदरा दुकानदारों को छूट दें। विवादों के समाधान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दरों को युक्तिसंत बनाया गया है। पहले चार दरें होती थी, अब दो हो गयी हैं। एक तरह के सामान को एक ही कर श्रेणी में रखा गया है, जैसे खाने के सामान पर अब पांच प्रतिशत कर लगेंगे। पहले एक ही तरह की वस्तुओं पर अलग-अलग दरें होने से कई नोटिस जाते थे। जीएसटी सुधारों से वह समस्या समाप्त होगी।

अब विवाद की संभावना नहीं : अग्रवाल

अग्रवाल ने कहा कि कंपनियों के लिए जीएसटी वास्तव में सरल और पारदर्शी हो गया है और विवाद की संभावना लगभग खत्म हो गयी है। रिफंड, पंजीकरण प्रक्रियाओं को तेज और सरल बनाया गया है ताकि उन्हें कोई दिक्कत नहीं हो। नयी दरों के दिवाली से पहले लागू करने के बारे में पूछे जाने पर अग्रवाल ने कहा कि ग्राहक दरों में कटौती की उम्मीद में अपनी खरीदारी टाल रहे थे और उद्योग जगत से जल्द कर सुधार लागू करने की मांग आने लगी थी। उन्होंने कहा कि इस बात को ध्यान में रखते हुए जीएसटी परिषद की बैठक तुरंत आयोजित की गई और यह निर्णय लिया गया कि नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी, जो नवरात्रि का पहला दिन है जिसके साथ त्योहारी मौसम शुरू हो जाता है।

सरकार को 3,700 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होगा

कोलकाता। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा कि दरों में कमी के जरिये माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार से 3,700 करोड़ रुपये का न्यूनतम राजस्व नुकसान होगा। सरकार का अनुमान है कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने का शुद्ध राजकोषीय प्रभाव वार्षिक आधार पर 48,000 करोड़ रुपये होगा। रिपोर्ट के अनुसार, विकास और उपभोग में वृद्धि को देखते हुए न्यूनतम राजस्व हानि 3,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जीएसटी कटौती से दोपहिया वाहनों की बिक्री पांच से छह प्रतिशत बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

वाहनों पर जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री पांच से छह प्रतिशत बढ़ जाने की उम्मीद है जबकि यात्री वाहनों की बिक्री में दो से तीन प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक बयान में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की 22 सितंबर से प्रभावी होने वाली पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की नई दर संरचना से मोटर वाहन क्षेत्र में मांग फिर से बढ़ेगी।

क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि जीएसटी कटौती का पूरा लाभ मिलने से वाहनों की कीमतों में पांच-10 प्रतिशत (छोटे यात्री वाहनों पर 30 हजार से 60 हजार रुपये और दोपहिया वाहनों पर 3,000 से 7,000 रुपये) की कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि और आगामी त्योहारों को देखते हुए इस दर कटौती से बाजार की धारणा को बल मिलेगा। नए उत्पादों की पेशकश, कम ब्याज दरों और बेहतर सामर्थ्य से मोटर वाहन क्षेत्र में दूसरी छमाही में मजबूती आनी चाहिए।

- छोटे वाहनों पर 30 हजार से 60 हजार व दोपहिया पर 3,000 से 7,000 की कटौती की उम्मीद

टाटा मोटर्स ने कारों के दाम 1.55 लाख तक घटाए

मुंबई। वाहन निर्माता कंपनी टाट मोटर्स ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी का पूरा लाभ ग्राहकों को हस्तांतरित करते हुये टियागो से लेकर सफारी तक अपने यात्री वाहनों के मूल्यों में 75 हजार रुपये से लेकर 1.55 लाख रुपये तक की कमी करने की शुक्रवार को घोषणा की। नयी कीमतें 22 सितंबर को जीएसटी की नयी दरों के लागू होने के साथ प्रभावी हो जायेंगी। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार, टियागो की कीमत में 75 हजार रुपये तक, टिगोर में 80 हजार रुपये तक, ऑल्टोज में 1.10 हजार, पंच में 85 हजार, नेक्सॉन पर 1.50 लाख, कर्व में 65 हजार, हैरियर में 1.40 लाख और सफारी की कीमत में 1.45 लाख रुपये तक की कमी की जायेगी। कंपनी ने कहा है कि त्योहारी सीजन में मांग में उछाल की संभावना को देखते हुये वह ग्राहकों को सलाह देती है कि बुकिंग पहले करा लें ताकि उन्हें त्योहारों के दौरान डिलीवरी समय पर मिल सके। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि 22 सितंबर से यात्री वाहनों पर जीएसटी में कमी एक सकारात्मक और समय पर लिया गया फैसला है।

बयान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री में पांच से छह प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है जबकि यात्री वाहनों की बिक्री में दो से तीन बढ़ सकती है। अप्रैल-अगस्त अवधि में दोपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर शून्य से एक प्रतिशत के साथ लगभग स्थिर रही जबकि यात्री वाहनों की बिक्री में तीन से चार प्रतिशत की गिरावट आई।

ब्रीफ न्यूज

सोनी को टीवी मांग में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाने वाली कंपनी सोनी इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि वह टीवी सेट पर जीएसटी कटौती का आठ से 10 प्रतिशत लाभ उपभोक्ताओं को देगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक सुनील नैयर ने कहा कि इससे मांग में 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। नैयर ने कहा कि देश में तेजी से विकसित हो रहे स्मार्ट प्रीमियम टीवी बाजार में एक अग्रणी कंपनी के रूप में, सोनी इंडिया को खपत में वृद्धि की उम्मीद है और वह इस गति का लाभ उठाने के लिए अपनी विपणन पहल को बढ़ा रही है।

हिंदुजा समूह करेगा 5,176 करोड़ का निवेश

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने हिंदुजा समूह और एस्ट्राज़ेन्का कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिनमें कुल 5,176 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है। इन दिनों तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ब्रिटेन यात्रा पर हैं। लंदन में श्री स्टालिन की उपस्थिति में हुये समझौते के तहत हिंदुजा समूह ई-वाहन, बैटरी प्रौद्योगिकी और स्पेयर पार्ट्स निर्माण में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से संयंत्र स्थापित करेगा और राज्य में 1,000 से अधिक रोज़गार के अवसर पैदा करेगा। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री स्टालिन की जर्मनी और ब्रिटेन की यात्रा से अब तक 13,016 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है और राज्य में 17,813 नौकरियां सृजित होंगी।

ओयो का पहली तिमाही का लाभ 200 करोड़

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने शुक्रवार को शीर्ष प्रबंधन को भेजे एक ईमेल में बताया कि मजबूत राजस्व वृद्धि से पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 200 करोड़ रुपये रहा। अग्रवाल ने ईमेल में कहा कि राजस्व वृद्धि की मुख्य वजह होटल 'इन्वेंट्री' का प्रीमियमीकरण और कमरों का बेहतर उपयोग है। ओयो ने पिछले वर्ष की इसी (अप्रैल-जून) तिमाही में 87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयरधारकों को भेजी अधिसूचना के अनुसार समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ओयो ने 16,250 करोड़ रुपये के बुकिंग मूल्य (जीबीवी) और 6,252 करोड़ रुपये तक के राजस्व के साथ मजबूत परिचालन प्रदर्शन किया।

नथिंग इस साल भारत में पहला स्टोर खोलेगी

नई दिल्ली। लंदन स्थित उपभोक्ता प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग इस साल भारत में अपना पहला स्टोर खोलेगी जबकि इसका सहयोगी ब्रांड सीएमएफ यहां पर अपना वैश्विक मुख्यालय खोलने जा रहा है। नथिंग के सह-संस्थापक एकिस इवान्जेलिडिस ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। नथिंग का स्मार्टफोन फोन (3) भारत में ही बनाया जा रहा है और अब इसका निर्यात भी शुरू हो गया है।

जीएसटी में कटौती से स्वास्थ्य सेवाएं होंगी सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती करने के फैसले का चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने स्वागत करते हुए कहा कि इससे स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।

आरजी हॉस्पिटल्स के प्रबंध निदेशक अविनाश ओझा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के वित्तीय बोझ को कम करने के लिए आवश्यक दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों पर जीएसटी में सरकार का हालिया सुधार स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती बनाने को लेकर मजबूत प्रतिबद्धता को बताता है। 33 जीवन रक्षक दवाओं पर जीएसटी को पूरी तरह से माफ करना,

साथ ही कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और पुरानी बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली महत्वपूर्ण दवाओं के लिए इसे घटाकर शून्य करना स्वागत योग्य राहत है। पारस हेल्थ के मुख्य परिचालन अधिकारी (ग्रुप) विनीत अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी सुधार भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने और देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

लेज के पैकिंग पर किसान

नई दिल्ली। स्वदेशी की अपनी छवि को बढ़ावा देने के लिए अमेरिकी कंपनी पेप्सीको की भारतीय इकाई पेप्सिको इंडिया ने लेज चिप्स के पैक पर किसानों को जगह दी है। पेप्सीको इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि उसके आलू चिप्स ब्रांड लेज ने भारतीय किसानों को सम्मानित करने वाली अपनी पहल ''मिट्टी की चिट्ठी'' के तहत यह शुरुआत की है। लेज ने पहली बार लिमिटेड एडिशन पैक पेश किया है जिनमें भारतीय किसानों को दर्शाया गया है। इन पैकेट्स पर पुरुष और महिला किसानों के हाथ से बने चित्र हैं जिनके चारों ओर खेती के जीवंत दृश्य दिखाये गये हैं।

नोएडा से दिल्ली एयरपोर्ट के लिए शुरू होगी सीधी लग्जरी बस सेवा

नई दिल्ली, एजेंसी

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों के लिए अब दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचना बेहद आसान हो जायेगा क्योंकि जल्द ही इसके लिए सीधी लग्जरी बस सेवा शुरू होने वाली है।

एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने शुक्रवार को बताया कि इस बस सेवा के संचालन के लिए उसने फ्लेक्सीबस नामक कंपनी से करार किया है। इसका किराया 199 रुपये होगा। इस बस सेवा के अगले सप्ताह शुरू होने की उम्मीद है। बुकिंग फ्लेक्सीबस के ऐप या वेबसाइट के अलावा रेडबस, मेकमाईट्रिप और पेटीएम के माध्यम से भी कराई जा सकती

- संचालन के लिए फ्लेक्सीबस नामक कंपनी से किया करार

है। बस के ठहराव नोएडा सेक्टर 16, बोटैनिकल गार्डेन, गोल्फ कोर्स, गौड़ सिटी, जेपी विशटाउन और परी चौक पर होंगे। यह सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध होगी। हवाई अड्डे से ग्रेटर नोएडा के परी चौक तक के सफर में 130 से 180 मिनट का समय लगेगा। डायल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सार्वजनिक वाहन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

आईएचसीएल की आईटी पर मैलवेयर हमला

नई दिल्ली। इंडियन होटल्स कंपनी लि. (आईएचसीएल) ने अपनी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली पर एक मैलवेयर हमला होने की जानकारी देते हुए कहा है कि इसके प्रभाव को कम करने के लिए तुरंत कार्रवाई की गई। देश की आतिथ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी आईएचसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस साइबर हमले का प्रभाव कम करने और आईटी प्रणाली को सुरक्षित करने के लिए तुरंत जरूरी कदम उठाए गए हैं। टाटा समूह की इस कंपनी ने यह भी साफ किया है कि सभी होटल और सेवाएं सामान्य रूप से चालू हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। आईएचसीएल ने कहा कि हम शेयर बाजार को सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी पर एक साइबर हमले की घटना का पता चला है जिससे कुछ चुनिंदा आईटी सिस्टम प्रभावित हुए हैं।

रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर दे भारत तो दुनिया में बढ़ेगी महंगाई

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारी मुनाफे पर उसे दूसरे देशों को बेचने के अमेरिका के आरोपों के बीच एक रिपोर्ट ने इस दावे का खंडन किया है और कहा है कि यदि भारत रूस के कच्चा तेल खरीदना बंद कर दे तो दुनिया में महंगाई बेतहाशा बढ़ जायेगी। वैश्विक ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए और अमेरिका निवेश बैंकिंग कंपनी जेफरीज ने अपने विश्लेषण में बताया है कि भारत को रूसी तेल से होने वाला वास्तविक लाभ बेहद सीमित है और यह लगातार घटता जा रहा है।

जेफरीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि रूसी तेल से भारतीय कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को सालाना करीब

- रूसी तेल से महज 50 करोड़ डॉलर सालाना कमाती है रिलायंस: रिपोर्ट

50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त लाभ मिलता है जो उसके परिचालन लाभ का महज 2.1 प्रतिशत है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने भी मौजूदा केंद्र सरकार पर आरोप लगाया था कि उसने रूस से मिलने वाले कच्चा तेल आयात का लाभ आम लोगों को देने की बजाय रिलायंस इंडस्ट्रीज को इससे कमाई करने की छूट दे रखी है। इससे पहले, सीएलएसए ने 28 अगस्त को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में कहा था कि रूसी कच्चे तेल पर कीमत में लाभ लगातार कम होती जा रही है। वित्त वर्ष 2024 में यह औसतन 8.5 डॉलर प्रति बैरल थी, जो 2025 में घटकर तीन से पांच डॉलर पर आ गयी। हाल के महीनों में यह सिर्फ 1.5 डॉलर प्रति बैरल तक रह गयी है। इसके साथ ही परिवहन, बीमा और माल ढुलाई जैसी अतिरिक्त लागतें इस छूट का बड़ा हिस्सा खत्म कर देती हैं जिससे भारत को रूसी तेल से होने वाला वार्षिक शुद्ध लाभ अब घटकर केवल एक अरब डॉलर रह गया है। पश्चिमी मीडिया में पहले अनुमान लगाया जाता था कि भारत को रूस से 10 से 25 अरब डॉलर प्रति बैरल कम कीमत पर कच्चा तेल मिल रहा है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र 535 अरब डॉलर होने का अनुमान

नई दिल्ली। बढ़ती खपत, निर्यात और 'मेक इन इंडिया' पर सरकार के जोर के साथ देश का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र वित्त वर्ष 2025-26 तक 535 अरब डॉलर तक हो सकता है। एक कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि एआई स्वचालन और स्मार्ट पैकेजिंग इस उद्योग को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं तथा भारत में खाद्य एवं पैकेजिंग सामग्री के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की क्षमता है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत का जैविक खाद्य बाजार वर्ष 2033 तक 20.13 प्रतिशत की संचयी सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 10.8 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जबकि खाद्य सामग्री बाजार सात से आठ प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ रहा है।

जेएएल के लिए वेदांता ने लगाई 17,000 करोड़ रुपये की बोली

नई दिल्ली, एजेंसी

खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता ने कर्ज में फंसी जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेएएल) के अधिग्रहण के लिए 17,000 करोड़ रुपये की सफल बोली लगाकर अदाणी समूह को पीछे छोड़ दिया है। सूत्रों ने कहा कि वेदांता की बोली की राशि 17,000 करोड़ रुपये है लेकिन मौजूदा समय की कीमत और भविष्य में मिलने वाले पैसों को ध्यान में रखने पर इसका शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) 12,505 करोड़ रुपये बैठता है।

जेपी एसोसिएट्स का कारोबार रियल एस्टेट, सीमेंट, ऊर्जा, होटल और सड़क परियोजनाओं में रहा है। लेकिन भारी कर्ज के बोझ से दबने और कर्ज चुकाने में नाकाम रहने की वजह से कंपनी को दिवाला

- कर्ज चुकाने में नाकाम रहने से दिवाला प्रक्रिया का सामना करना पड़ा जेपी एसोसिएटस को

प्रक्रिया का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की इलाहाबाद पीठ ने तीन जून, 2024 को जेपी एसोसिएट्स को कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में भेज दिया था। सूत्रों ने बताया कि जेएएल के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने कंपनी की बिक्री के लिए दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत चुनौती प्रक्रिया अपनाई। कर्जदाताओं की समिति की पांच सितंबर को हुई बैठक में चुनौती प्रक्रिया पूरी हुई। इसमें वेदांता ने दूसरे दावेदार अदाणी एंटरप्राइजेज को पीछे छोड़ते हुए बाजी मार ली।

यूरोपीय संघ का गूगल पर 3.5 अरब डॉलर का जुर्माना

लंदन, एजेंसी। यूरोपीय संघ के नियामकों ने शुक्रवार को गूगल पर 2.95 अरब यूरो (3.5 अरब डॉलर) का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना कंपनी की डिजिटल विज्ञापन सेवाओं को प्राथमिकता देकर यूरोपीय संघ के प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया।

यह कंपनी पर लगाया गया चौथा ऐसा एकाधिकार-विरोधी जुर्माना है। गूगल ने कहा कि यह निर्णय गलत है और वह इसके खिलाफ अपील करेगी। कंपनी की नियामक मामलों की वैश्विक प्रमुख ली-ऐन मुलहोलैंड ने एक बयान में कहा, ''यह एक अनुचित जुर्माना है और इसमें बदलावों की जरूरत है।

अमेरिकी नियोक्ताओं ने पिछले माह 22,000 नौकरियां जोड़ीं

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीतियों पर अनिश्चितता के बीच श्रम बाजार में नरमी के चलते अमेरिकी नियोक्ताओं ने पिछले महीने केवल 22,000 नौकरियां जोड़ीं। श्रम विभाग ने शुक्रवार को कहा कि इससे पहले जुलाई 2025 में 79,000 नियुक्तियां हुईं थी। श्रम विभाग ने कहा कि बेरोजगारी दर बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई, जो अनुमान से अधिक और 2021 के बाद से उच्चतम स्तर पर है। श्रम विभाग ने एक महीने पहले जब नौकरियों पर निराशाजनक रिपोर्ट जारी की थी, तो ट्रंप ने गुस्से में आंकड़ों को संकलित करने के प्रमुख अर्थशास्त्री को बर्खास्त करके और उनकी जगह एक भरोसेमंद को नामित कर दिया था। ट्रंप ने इन आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रोगजार के वास्तविक आंकड़े एक साल बाद सामने आएंगे।

असर अमेरिकी टैरिफ के असर से एमएसएमई यूनिट्स का नुकसान हुआ दोगुना

निर्यात घटा, कच्चा माल हटा, कारोबारियों को लगा बड़ा झटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : निर्यात घटने के साथ ही शहर की ऐसी इकाइयों पर भी असर पड़ रहा है जो सिर्फ लोकल मार्केट में ही डील करती हैं। यह इकाइयां एमएसएमई सेक्टर की हैं।

खासतौर पर यह धागे, गत्ते, पैकेजिंग, रसायन, पॉलिश, स्टिकर व प्रिंटिंग सहित अन्य का कार्य करती हैं। टैरिफ लगाए जाने के बाद इन इकाइयों का नुकसान पिछले महीने के मुकाबले दोगुना हो गया है। अब कारोबार में बने रहने का संकट गहरा गया है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि शहर का निर्यात प्रभावित होने से बड़ी निर्यात यूनिट्स के साथ जुड़ी छोटी इकाइयों का भी लगभग 20 फीसदी कारोबार प्रभावित हुआ है। यह प्रभाव पिछले महीने के मुकाबले दोगुना हो गया है।

शहर में लगभग 90 हजार एमएसएमई यूनिट्स हैं। इनमें लगभग 5 हजार यूनिट्स ऐसी हैं जो निर्यात कारोबार से जुड़ी यूनिट्स के साथ सीधा कारोबार करती हैं। टैरिफ के ऐलान के बाद से ही इन यूनिट्स का कारोबार घटना शुरू हो गया था। सबसे पहले वे छोटी यूनिट्स प्रभावित हुईं जो सीधे अमेरिका के साथ कारोबार से जुड़ी यूनिट्स को कच्चा माल भेजती थीं। पिछले महीने कैंसिल हुए ऑर्डर के बाद से इन छोटी यूनिट्स का कारोबार प्रभावित हुआ।

ऑर्डर को लेकर संशय बरकरार

टैरिफ लगने के बाद सितंबर महीने की शुरुआत में ही ऑर्डर पर दोगुना का असर पड़ने को कारोबारी अच्छा संकेत नहीं मान रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि निर्यात कारोबार में एमएसएमई यूनिट्स सहायता यूनिट्स के रूप में कार्य करती है। ऐसे में जब तक निर्यात यूनिट्स को तेज ऑर्डर मिलने शुरू नहीं होंगे उन लोगों का कार्य मध्यम गति से ही चलेगा।

90 हजार एमएसएमई यूनिट शहर में मौजूद

05 हजार छोटी यूनिट सीधे निर्यात यूनिट से जुड़ीं

35 हजार से अधिक कर्मचारी सीधे तौर पर प्रभावित

02 महीनों में छोटी यूनिट के दोगुने ऑर्डर पर असर

20 फीसदी ऑर्डर पर सीधे तौर पर पड़ रहा असर

03 महीने में छोटी यूनिट की स्थिति सुधरने की संभावना

बाजार बढ़ाने पर जोर

शहर की ऐसी छोटी यूनिट्स जो फिलहाल सिर्फ निर्यात यूनिट्स पर ही ऑर्डर के लिए निर्भर थीं। वह अब खुद का बाजार बढ़ाने में जुट गई हैं। कारोबारियों का मानना है कि अभी तक निर्यात यूनिट्स को एमएसएमई के लिए सबसे मुफीद माना जाता था। इसकी वजह निर्यातकों को लगातार मिल रहे निर्यात रहते थे। बताया गया कि कोरोनाकाल के बाद यह पहली स्थिति है जब शहर की निर्यात यूनिट्स में सप्लाई चेन टूटी है। ऐसे में छोटी यूनिट्स के कारोबारी अब निर्यात यूनिट्स के अलावा इसके दूसरे विकल्प को तलाशने की शुरुआत की दी है।

इसके बाद अगस्त महीने के अंत में पेनाल्टी लागू होने के बाद और वैश्विक बाजार में परिवर्तन से इन छोटी यूनिट्स का कारोबार और अधिक समस्याओं से घिर गया। छोटी यूनिट्स के कारोबार की बात की जाए तो सिर्फ 2 महीनों में ही इन इकाइयों के 20 फीसदी के ऑर्डर प्रभावित हुए हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अनुतिन होंगे थाइलैंड के अगले प्रधानमंत्री

बैंकॉक। थाईलैंड के वरिष्ठ नेता अनुतिन चार्नविराकुल देश के अगले प्रधानमंत्री होंगे। संसद में हुए मतदान में शुक्रवार को उन्होंने बहुमत हासिल कर लिया। भूमजैथाई पार्टी के नेता अनुतिन ने प्रतिनिधि सभा के 492 सदस्यों में से 247 वोट हासिल किए हैं जो कि बहुमत के लिए जरूरी आंकड़ा है। मतदान पूरा होने के बाद उनके कुल मतों की पुष्टि होनी है। राजा महा वजीरालोंगकोर्न द्वारा औपचारिक तौर पर नियुक्ति किए जाने के बाद, अनुतिन और उनकी सरकार के कुछ ही दिन में पदभार ग्रहण करने की उम्मीद है। अनुतिन ने पैतोंगटार्न शिनावात्रा का स्थान लिया है, जिन्हें पिछले सप्ताह अदालत के आदेश पर प्रधानमंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

अफगानिस्तान में फिर लगे भूकंप के झटके

काबुल। अफगानिस्तान के नांगरहार प्रांत में गुरुवार की रात आए भूकंप से 13 लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल व्यक्ति दारा ए नूर जिले के हैं। प्रांतीय राजधानी जलालाबाद सहित कई जिलों में भी भूकंप का असर पड़ा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक गुरुवार सुबह और रात को नांगरहार में क्रमशः 4.7 और 5.6 तीव्रता वाले दो भूकंप के झटके महसूस हुए। इससे पहले रविवार की रात पड़ोसी प्रांत कुनार में 6.0 की तीव्रता वाले भूकंप में 2,200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, 3,600 से अधिक घायल हुए और 7000 घर नष्ट हो गए।

जॉर्जिया में आव्रजन छापे, 475 हिरासत में

सवाना। अमेरिका के जॉर्जिया में आव्रजन अधिकारियों की छापेमारी के दौरान लगभग 475 लोगों को हिरासत में लिया गया। जिस जगह छापेमारी की गयी, वहां दक्षिण कोरियाई ऑटो कंपनी हुंदै इलेक्ट्रिक वाहन बनाती है। गृह विभाग के तहत विशेष अधिकारी स्टीवन श्रैंक ने शुक्रवार को सवाना में संवाददाताओं से यह बात कही। हालांकि लोगों पर लगाए गए आरोपों की घोषणा नहीं की गई। श्रैंक ने बताया, यह कार्रवाई जॉर्जिया और अमेरिकी लोगों के लिए रोजगार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

चीन ने किया नए परीक्षण उपग्रह का प्रक्षेपण

शीचांग। चीन ने शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी प्रांत सिचुआन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से एक नया परीक्षण उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। शियान-29 उपग्रह को बीजिंग समयानुसार प्रातः 10:34 बजे लॉन्ग मार्च-3सी रॉकेट के माध्यम से प्रक्षेपित किया गया, जिसमें युआनझेंग-1 (एक्सपीडिशन-1) का ऊपरी हिस्सा ले जाने वाले रॉकेट से जुड़ा हुआ था। उपग्रह सफलतापूर्वक पूर्व निर्धारित कक्ष में पहुंच गया।

ब्रिटेनः टैक्स चोरी मामले में घिरीं उपप्रधानमंत्री एंजेला का इस्तीफा

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन की उपप्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने घर खरीद पर कर का कम भुगतान जाने के मामले में स्वतंत्र जांच के बाद शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। लेबर पार्टी की एक प्रभावशाली नेता रेनर के खिलाफ इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर स्थित घर पर सही स्टाम्प ड्यूटी का भुगतान के लिए विशेषज्ञ कर सलाह न लेकर मंत्री आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप है।

रेनर ने अपना मामला मंत्रिस्तरीय मानकों पर स्वतंत्र सलाहकार लॉरी मैग्नस के पास भेजा, जिन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर को अपनी रिपोर्ट सौंपी। केअर स्टार्मर अब अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल को औपचारिक रूप दे रहे हैं। उन्होंने

● इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर खरीदे घर की नहीं दी गई स्टांप ड्यूटी

वरिष्ठ मंत्री रेनर के इस्तीफे पर अफसोस जताया। स्टार्मर ने कहा, निजी तौर पर मुझे आपके सरकार से बाहर जाने पर बहुत दुख हो रहा है। रेनर ने प्रधानमंत्री को लिखे त्यागपत्र में कहा, मैं दोहराना चाहती हूं कि उचित राशि के भुगतान के अलावा कुछ और करने का मेरा कभी इरादा नहीं था। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि मीडिया का दबाव मेरे परिवार पर कितना भारी पड़ रहा है।

हिमालयी क्षेत्रों में मानवीय छेड़छाड़ का नतीजा

जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास और शहरीकरण, वनों की कटाई और भूमि उपयोग में बदलाव, पर्यटन के दबाव और संसाधनों पर बढ़ते बोझ जैसे कई कारण हैं जिनके कारण भारत के हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं की न सिर्फ संख्या बल्कि भयावहता भी बढ़ी है। इसमें सबसे ज्यादा तबाही जल मौसम संबंधी घटनाओं की वजह से हुई है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हिमालयी क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप सबसे ज्यादा विनाशकारी साबित हुआ है। भारतीय वन सर्वेक्षण, नीति आयोग और कई गैर सरकारी संगठनों की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में इनके गंभीर प्रभावों का साफ उल्लेख है। वनों के नुकसान, भूस्खलन में वृद्धि और प्राकृतिक झरनों के सूखने जैसे इनके दुष्परिणाम इन क्षेत्रों में बसे लोगों को झेलने पड़ रहे हैं। विडंबना यह है इसे रोकने के लिए अब तक कोई सख्त कदम भी नहीं उठाए गए हैं।

प्राकृतिक आपदाएं

लगातार बढ़ता संकट

- वर्ष 2024-25 में बाढ़, सूखा और तापमान वृद्धि जैसी अत्यधिक प्राकृतिक घटनाओं से 3,000 से अधिक लोगों की जान गई, जो पिछले 11 सालों में सबसे ज्यादा है।
- वर्ष 2019 से 2023 के बीच 281 प्राकृतिक आपदाएं दर्ज की गईं, जबकि केवल 2024 में 400 से अधिक घटनाएं सामने आईं, जो घटनाओं में तीव्र वृद्धि दर्शाती है।
- वर्ष 2023 में भारत को आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ, जो पिछले दशक से काफी ज्यादा था।
- वर्ष 2015 से 2024 के बीच बाढ़, तूफान, भूस्खलन जैसी आपदाओं से 3.2 करोड़ लोग विस्थापित हुए, मगर 2024 में 4.58 करोड़ लोगों को घर छोड़ना पड़ा।
- हाल के कुछ वर्षों में आपदा राहत के लिए सरकारी खर्च में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या और तीव्रता को दर्शाता है।

हाल ही में आईं आपदाएं

- जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में 17 अगस्त को बादल फटने से भूस्खलन होने के बाद भारी तबाही हुई जिसमें सात लोग मारे गए।
- उत्तरकाशी के धराली गांव में 5 अगस्त को आई अचानक बाढ़ ने पूरे गांव को तबाह कर दिया, यहां सैकड़ों लोग बेघर हो गए।
- आंध्र प्रदेश में आपदाओं में 343, मध्य प्रदेश में 243 और हिमाचल प्रदेश में 195 लोगों की मौत हुई, आपदाओं का सिलसिला जारी है।

कहां कैसी आपदा

बादल फटना और बाढ़ जैसी घटनाओं की उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में वृद्धि हुई है। वनों की कटाई और अनियमित निर्माण के कारण भूस्खलन की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। हिमनदों का तेजी से पिघलना ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड को बढ़ा रहा है, सिक्किम में देखा गया।

मानवीय हस्तक्षेप

- भारतीय वन सर्वेक्षण की स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में 2019 की तुलना में 1,072 वर्ग किमी वन आवरण कम हुआ है।
- नीति आयोग ने बताया है कि भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 50% प्राकृतिक झरने सूख रहे हैं, जो वन कटान और अनियोजित विकास के कारण है।
- सुदूर संवेदन संस्थान की रिपोर्ट में पश्चिमी हिमालय में शहरीकरण में भारी वृद्धि, वनों के कटान और जल निकायों में गिरावट की पुष्टि।

ये भी प्रमुख कारण

- ग्लोबल वार्मिंग से वर्षा की तीव्रता बढ़ रही है और तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं।
- वन कटान से मिट्टी की पकड़ कमजोर होती है, इससे भूस्खलन का खतरा, जल निकासी पैटर्न भी प्रभावित।
- पर्यटकों की बढ़ती संख्या से संसाधनों पर दबाव पड़ता है जो नाजुक क्षेत्रों को और ज्यादा असुरक्षित बनाता है।

यूक्रेन युद्ध के परोक्ष परिणाम ग्लोबल साउथ के देशों पर डाल रहे हैं असर

भारत का संयुक्त राष्ट्र महासभा में संबोधन, ईंधन की कीमतों पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने यूक्रेन संघर्ष के 'परोक्ष प्रभावों' खासतौर पर ईंधन की कीमतों पर चिंता व्यक्त की और कहा है कि 'ग्लोबल साउथ' के देशों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। भारत ने साथ ही कहा कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिए युद्ध को समाप्त किया जा सकता है और स्थाई शांति लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बृहस्पतिवार को कहा, भारत यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंतित है। हमारा मानना है कि निर्दोष लोगों की जान जाना अस्वीकार्य है और युद्ध के मैदान में कोई समाधान नहीं निकलता। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति' विषय पर आयोजित चर्चा में हरीश ने कहा कि भारत को इस बात की चिंता है कि संघर्ष के परिणामस्वरूप ईंधन की कीमतें और अन्य चीजें पूरे विश्व को प्रभावित कर रहे हैं, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों को, जिन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। हमारा मानना है कि उनकी आवाज सुनी जाए और उनकी वैध चिंताओं का समुचित समाधान किया जाए।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य

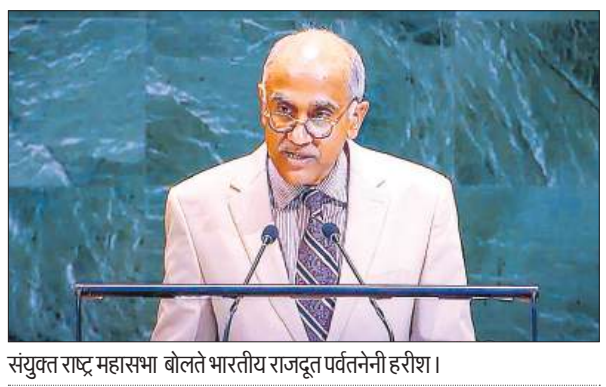

संयुक्त राष्ट्र महासभा बोलते भारतीय राजदूत पर्वतनेनी हरीश।

मोदी के संदेश का किया जिक्र - ये युद्ध का युग नहीं

राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन संघर्ष का शीघ्र अंत सभी के हित में है, साथ ही उन्होंने मोदी के इस संदेश का जिक्र किया कि यह युद्ध का युग नहीं है। हरीश ने कहा, हम यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के कूटनीतिक प्रयासों पर भी ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा,हमारा मानना है कि ये सभी कूटनीतिक प्रयास यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त कराने और स्थायी शांति की संभावनाओं के लिए अहम हैं। हरीश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौजूदा स्थिति पर पुतिन, जेलेंस्की और यूरोपीय नेतृत्व के संपर्क में हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के बयान से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वॉन डेर लेयेन से बातचीत की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आपसी हितों के मुद्दों और यूक्रेन में संघर्ष को जल्द समाप्त कराने के प्रयासों पर विचार विमर्श किया।

उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि स्थाई शांति के लिए सभी हितधारकों की पूर्ण भागीदारी और प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है। हरीश ने कहा कि भारत ने पिछले महीने अलास्का में अमेरिक के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई शिखर बैठक का समर्थन किया और उसमें हुई प्रगति की सराहना की।

जयशंकर ने की यूक्रेन के विदेश मंत्री से बात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्रेई सिबिहा के साथ यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की। जयशंकर के साथ फोन पर बातचीत के बाद सिबिहा ने कहा कि उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष को वर्तमान युद्ध की स्थिति और यूक्रेन की ओर से न्यायोचित शांति प्राप्त किए जाने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, हम शत्रुता की पूर्ण समाप्ति और व्यापक अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों के समर्थन में भारत की बुलंद आवाज और सक्रिय भूमिका पर भरोसा करते हैं। यूक्रेनी विदेश मंत्री ने कहा कि वह और जयशंकर इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान मुलाकात करने पर सहमत हुए हैं। जयशंकर-सिबिहा वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात किए जाने के तीन दिन बाद हुई। बैठक में मोदी ने पुतिन को बताया कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने की दिशा में हाल ही में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करता है और यह मानवता का आह्वान है कि यथाशीघ्र शत्रुता को समाप्त करने का रास्ता खोजा जाए।

पेंटागन का नया नाम युद्ध मंत्रालय, रक्षा मंत्री अब युद्ध मंत्री

वाशिंगटन। अमेरिकी के पेंटागन को युद्ध मंत्रालय और रक्षा मंत्री को युद्ध मंत्री के नाम से जाना जाएगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नया कानून बनाने जा रहे हैं जिसके अंतर्गत ये दोनों नाम बदल दिए जाएंगे।

नया नाम रक्षा मंत्रालय द्वितीयक पद के रूप में इस्तेमाल होगा। सरकार को इस पर कानून बनाने के लिए पहले अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी चाहिए होगी। नाम बदलने के तर्क में कहा गया है कि 'युद्ध मंत्रालय' नाम 'रक्षा मंत्रालय' की तुलना में कहीं अधिक तत्परता और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। रक्षा शब्द से केवल रक्षात्मक क्षमताओं पर ही ध्यान जाता है।

शिक्षक दिवस

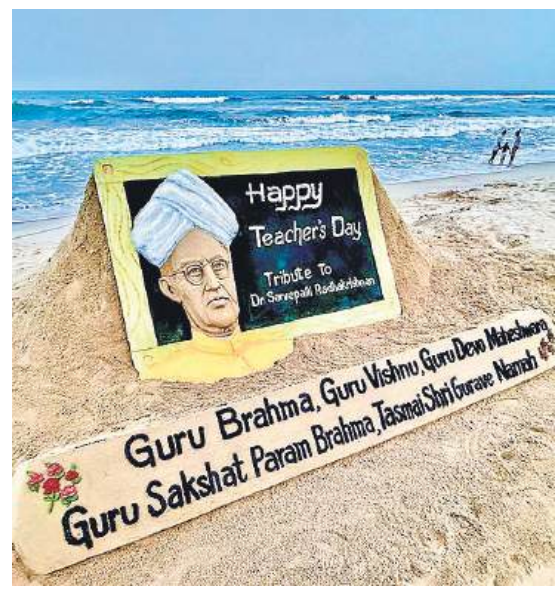

पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी में रेत की मूर्ति बनाकर देश को शिक्षक दिवस की बधाई दी। एजेंसी

वैश्विक सद्भाव के लिए दुबई में शुरू हुआ 'आई एम पीसकीपर' अभियान

दुबई। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच, दुबई में एक नया अंतरराष्ट्रीय अभियान, 'आई एम पीसकीपर' शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य वैश्विक सद्भाव के लिए संवाद और समझ को बढ़ावा देने के इच्छुक व्यक्तियों और संस्थाओं को एक मंच पर लाना है।

भारतीय फार्मा दिग्गज वॉकहार्ट के कार्यकारी निदेशक और वॉकहार्ट फाउंडेशन के सीईओ डॉ. हुजैफा खोराकीवाला ने बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में इस आंदोलन की शुरुआत की, जिसमें दो नोबेल पुरस्कार विजेताओं समेत कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने हिस्सा लिया। यह घटनाक्रम गाजा में जारी संघर्ष और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है, जहां जून में ईरान और इजराइल के बीच कुछ समय तक युद्ध हुआ था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, खोराकीवाला ने कहा कि यह अभियान इस बात पर जोर देता है कि मानवीय मूल्यों की मुद्रा से अपने लिए आंतरिक शांति खरीदी जा सकती है, जो समाज में शांति की नींव रखती है।

भारतीय छात्रों की अमेरिका में घटी रुचि, यूरोपीय देश बन रहे नई पसंद

मुंबई। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि भारतीय छात्र जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों को पसंद कर रहे हैं, जहां 2024-25 में 32.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

एडटेक कंपनी अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन रिपोर्ट 2024-25 में कहा गया है कि अमेरिका अब भारतीय छात्रों के लिए स्वभाविक और सबे पसंदीदा शैक्षणिक गंतव्य नहीं रह गया है। इसमें कहा गया कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि जर्मनी जैसे यूरोपीय गंतव्यों (2022 के 13.2 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 32.6 प्रतिशत) और संयुक्त अरब अमीरात में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है जहां 42 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय छात्र भारतीय हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया तेजी से भारतीय छात्रों के लिए व्यावहारिक और सुलभ विदेश अध्ययन स्थल बनता जा रहा है, जहां वैश्विक परिसरों से डिग्री कार्यक्रम उपलब्ध हैं। दुबई और कतर के एजुकेशन सिटी में जॉर्जटाउन, जॉन्स हॉपकिन्स, आरआईटी, कार्नेगी मेलॉन और वेइल कॉर्नेल सहित अमेरिकी विश्वविद्यालयों के सैटेलाइट परिसर अपने घरेलू संस्थानों के समान ही डिग्री प्रदान करते हैं।

बोलीवियाः अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

ला पाज, एजेंसी

विवादों में रहने वाले बोलीविया के पूर्व गृह मंत्री आर्तुरो मुरिलो को कई आरोपों में अमेरिका से प्रत्यर्पित करने के बाद बृहस्पतिवार को हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया।

उनके खिलाफ आरोपों में 2019 में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर दमनकारी कार्रवाई का आदेश देने के लिए मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। मुरिलो जून में अमेरिकी जेल से चार साल सजा काटने के बाद रिहा हुए थे। उन पर फ्लोरिडा की एक कंपनी से 5.32 लाख डॉलर की रिश्वत लेने और आंसू गैस बेचने का

● मुरिलो पर हैं हत्या, गबन धनशोधन और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप

अनुबंध दिलाने का आरोप था। बुधवार रात उन्हें मियामी से निष्कासित कर बोलीविया भेजा गया, जहां वह पहले से दो मामलों में दोषी ठहराए जा चुके हैं। उन पर हत्या, धनशोधन, सत्ता का दुरुपयोग, गबन और महंगी आंसू गैस की खरीद में पद का दुरुपयोग करने जैसे आरोप भी हैं। ला पाज पहुंचने पर अभियोजन पक्ष ने कहा कि उन्हें अधिकतम सुरक्षा वाली चोनचोकोरो जेल में भेजा जाएगा। अटॉर्नी जनरल रोजर मरिका ने कहा, मुरिलो को जेल में रहना ही होगा।

श्रीलंकाः बस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के उवा प्रांत के बडुल्ला ज़िले में एक बस दुर्घटना में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि इतने ही घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, 30 से अधिक लोग दक्षिणी श्रीलंकाई शहर तांगल्ले से पर्यटन यात्रा पर निकले थे, लेकिन बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे बस की टक्कर सामने से आ रही एक जीप से हुई, जिसके बाद बस सड़क की रेलिंग से टकराकर एल्ला कस्बे के पास 1000 फुट से अधिक गहरी खाई में गिर गई। मृतकों में नौ महिलाएं शामिल हैं। सभी लोग तांगाल्ले अर्बन काउंसिल (नगर परिषद) के कर्मचारी थे।

ट्रंप ने टेक दिग्गजों को दी दावत, मस्क को नहीं बुलाया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी जगत (टेक) के दिग्गजों के एक समूह की मेजबानी की और उनकी कंपनियों द्वारा देश में किए जा रहे निवेश की जानकारी ली। ट्रंप के मेहमानों में उनके करीबी रहे एलन मस्क शामिल नहीं थे?

ट्रंप ने एक लंबी मेज के चारों ओर बैठे इन दिग्गजों को बेहद बुद्धिमान करार दिया। कंपनियों के सीईओ ट्रंप की तकनीकी प्रगति से जुड़ी आकांक्षाओं पर चर्चा करते रहे लेकिन ट्रंप ने पूरा ध्यान निवेश पर केंद्रित रखा। उन्होंने मेज के

व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों के साथ ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया।

चारों ओर घूमकर उनसे पूछा कि वे देश में कितना निवेश कर रहे हैं। ट्रंप के दाहिनी ओर बैठे मेटा के सहसंस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि वह 600 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश कर रहे हैं। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने भी 600 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश की बात कही। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 250 अरब डॉलर के निवेश का अनुमान जताया। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा निवेश 80 अरब डॉलर प्रति वर्ष के करीब है। ट्रंप ने यह सुनकर कहा, अच्छा है, काफी अच्छा।

● सभी कंपनियों के सीईओ से देश में निवेश के बारे में ली जानकारी

मेहमानों में ट्रंप के करीबी रहे एलन मस्क शामिल नहीं थे। इस साल के शुरू में मस्क और ट्रंप के बीच एक विधेयक को लेकर विवाद हुआ था और दोनों ने एक-दूसरे पर काफी कड़ी सार्वजनिक टिप्पणियां की थीं। मेहमानों के बीच एआई में मस्क के प्रतिद्वंद्वी रहे ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन और पेमेंट प्रॉसेसिंग कंपनी 'शिफ्ट4' के संस्थापक जेरेड इसाकमैन भी शामिल थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 6 सितंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 7 सितंबर 01.41 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

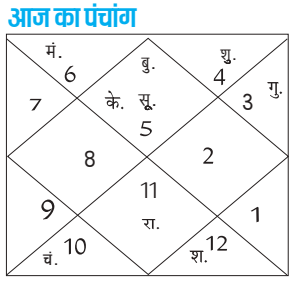

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-धनिष्ठा 22.55 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर काम का दबाव कम होगा। महिलाएं खरीदारी पर काफी ध्यान दे सकती हैं। अपनी कल्पनाओं को साकार करने का अवसर मिलेगा। मन में नए कार्यों को लेकर उमंग-उत्साह की भावना रहेगी।

वृष आज कारोबार की स्थिति में सुधार आने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। पुराने झगड़ों को लेकर दोबारा उलझने से बचें। आपको कोई गुमी हुई वस्तु वापस मिल सकती है।

मिथुन आज व्यवसाय में सावधानी रखने की आवश्यकता है। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके ऊपर गर्व करेंगे। उच्च अधिकारियों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। अध्यात्मिक विषयों पर गूढ़ अध्ययन कर सकते हैं।

कर्क आज का दिन संघर्ष से युक्त हो सकता है। कुछ महत्वपूर्ण काम अटक सकते हैं। आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा। आलस्य करने से बचें। प्रियजनों की सलाह पर गंभीरता से विचार करें। जीवनसाथी के साथ विश्वास में कमी आएगी।

सिंह आज व्यवसाय में दैनिक आय में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्च पद मिल सकता है। थोड़े ही प्रयासों से आपके कार्य सफल हो जाएंगे। आपके मन में अनेक सवाल एक साथ चलते रहेंगे। इंटरव्यू में सम्मिलित हो रहे हैं तो दिन सौभाग्यशाली रहेगा।

कन्या आज प्रेम-संबंधों को पारिवारिक सहमति मिल सकती है। आपकी बातों से मित्र नाराज हो सकते हैं। जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण में कुछ परिवर्तन ला सकते हैं। जीवनसाथी के साथ तालमेल बहुत ही अच्छा रहेगा।

तुला आज सहकर्मी आपको अपमानित करने का प्रयास करेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में शुभ परिणाम प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। परिवार के लोग आपके निर्णयों से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक आज आपको अकारण यात्रा करनी पड़ सकती है। आपको अपनी छवि की चिंता हो सकती है। व्यवसाय में धन की कमी होने की आशंका है। आपके घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। घर में अचानक बिना बुलाए मेहमान आ सकते हैं।

धनु आज मनोरंजन के संसाधनों पर धन खर्च करेंगे। शांतिपूर्ण तरीके से समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें। किसी रिश्तेदार के घर मिलने के लिए जा सकते हैं। प्रभावशाली लोगों के बीच आपका उठना-बैठना रहेगा।

मकर आज गरिष्ठ व तला-भुना भोजन कब्ज व माइग्रेन का कारण बन सकता है। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र रच सकते हैं। कार्यक्षेत्र में तनाव बढ़ने की संभावना है। नई संपत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। अपनी नकारात्मक आदतों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ आज आपके करियर में नया मोड़ आ सकता है। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिलेगा। यदि आप किसी समस्या से परेशान हैं तो आपको उसका समाधान मिल सकता है। धैर्यवान होकर कार्य पूर्ण करें।

मीन आज पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद उपजने की आशंका है। स्वभाव में क्रोध और चिड़चिड़ापन अधिक हो सकता है। आपकी राय लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। अधीनस्थ कर्मचारी उच्च अधिकारियों से असंतुष्ट हो सकते हैं।

सुडोकू-91

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2					3	
6				1		4		
	8				9		5	
4			2				6	
	5						4	
			8		5		1	7
	6		7			8		
		3		5				4
	9					6		

सुडोकू - 90 का हल

6	1	9	2	8	3	7	4	5
3	4	8	7	5	6	1	2	9
7	5	2	4	9	1	3	6	8
8	7	3	9	6	4	5	1	2
9	2	5	1	7	8	4	3	6
1	6	4	3	2	5	8	9	7
2	3	7	5	1	9	6	8	4
5	8	1	6	4	2	9	7	3
4	9	6	8	3	7	2	5	1

मुझे गर्व है कि मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। यह ना सिर्फ मेरे पसंदीदा खेल में मेरी वापसी है, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति, गांव और परिवार का प्रतिनिधित्व करने का बड़ा सम्मान भी है। -रॉस टेलर

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार, 6 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

महिला हॉकी टीम का शानदार आगाज

हांगझोउ (चीन) : उदिता दुहान और ब्यूटी डुंग डुंग के दो-दो गोल की मदद से भारत ने महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां थाईलैंड को 11-0 से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उदिता ने 30वें और 52वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर जबकि डुंग डुंग ने 45वें और 54वें मिनट में गोल किए। इन दोनों के अलावा भारत की तरफ से मुमताज खान (सातवें मिनट), संगीता कुमारी (10वें), नवनीत कौर (16वें), लालरेम्सियामी (18वें), थौदाम सुमन देवी (49वें), शर्मिला देवी (57वें) और रुतुजा दादासो पिसल (60वें) ने गोल दागे।

मुक्केबाज सुमित अंतिम सोलह में

लिवरपूल : भारतीय मुक्केबाज सुमित कुंडू ने शुक्रवार को यहां पुरुष मिडिलवेट वर्ग में जॉर्डन के मोहम्मद अल हुसैन को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के अंतिम 16 में प्रवेश किया। सुमित ने मुकाबले के शुरुआती दौर से ही दबदबा कायम करते हुए अल हुसैन को रक्षात्मक होने पर मजबूर कर दिया। दोनों मुक्केबाजों ने कई बार सटीक मुक्के मारे लेकिन सुमित लगातार हावी रहे।

रॉस टेलर की संन्यास से वापसी

नई दिल्ली : न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कर ली है। हालांकि अब वह न्यूजीलैंड से नहीं बल्कि समोआ की तरफ से खेलते हुए दिखाई देंगे। 41-वर्षीय मध्य क्रम के बल्लेबाज टेलर आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफिक टी20 विश्व कप 2026 के क्वालिफ़ायर टूर्नामेंट में समोआ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यू मुम्बा ने बेंगलुरु बुल्स को रौंदा

विशाखापत्तनम : अजीत चौहान के दमदार खेल से यू मुम्बा ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) मैच में शुक्रवार को यहां बेंगलुरु बुल्स को 48-28 से करारी शिकस्त दी। यू मुम्बा ने पहले हाफ में ही बेंगलुरु बुल्स को दो बार ऑल आउट कर 23-7 की बड़ी बढ़त कायम कर ली। मध्यांतर के समय टीम के पास 29-12 की बढ़त थी। बेंगलुरु बुल्स ने दूसरे हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन इससे सिर्फ हार का अंतर ही कम हुआ।

एशिया कप फाइनल से एक कदम दूर भारतीय हॉकी टीम

राजगीर (बिहार), एजेंसी

फाइनल में जगह बनाने से एक कदम दूर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एशिया कप में शनिवार को सुपर 4 चरण के आखिरी मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत चीन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पांच बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया से 2-2 से ड्रॉ के बाद भारत ने दूसरे सुपर 4 मैच में मलेशिया को 4-1 से हराया। इस जीत से चीन के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

भारत दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि चीन और मलेशिया के तीन अंक है। कोरिया एक अंक लेकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है। सुपर 4 चरण से शीर्ष दो टीमें फाइनल में जाएंगी और भारत के लिए एक ड्रॉ भी काफी होगा। कोरिया के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद भारत ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया हालांकि शुरूआत बहुत अच्छी नहीं रही। भारत ने शुरुआती गोल गंवा दिया, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की। मलेशिया पर मिली जीत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि अभी भी यह टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है और भारतीय खिलाड़ियों को पता है कि उनसे अपेक्षाएं बहुत ज्यादा है।

- चीन के खिलाफ अहम मुकाबले में आज करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

समय : शाम 7:30 से।

सवाल यह है कि वे अपेक्षाओं पर कैसे खरे उतरें और इसका जवाब भी आसान है कि बारीकियों पर ध्यान देकर अपने प्रदर्शन में और सुधार किया जाए।

टूर्नामेंट में अभी तक मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राजिंदर सिंह ने मिडफील्ड में अच्छा खेल दिखाया है। मलेशिया के खिलाफ फॉरवर्ड पंक्ति से उनका तालमेल कमाल का था। हार्दिक ने खास तौर पर तेज ड्रिबलिंग और अकेले गेंद लेकर दौड़ते हुए कई मौके बनाए। बरसों से भारतीय हॉकी की सेवा कर रहे मनप्रीत ने दिखा दिया कि अभी भी उनके भीतर जीत की भूख कम नहीं हुई है । उन्होंने न सिर्फ मौके बनाए बल्कि गोल के सूत्रधार भी रहे।

अभिषेक, सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह ने आक्रमण का जिम्मा बखूबी संभाला और आगे भी इस लय को कायम रखना चाहेंगे। भारत को हालांकि सर्कल के भीतर मिले हर मौके को भुनाना होगा और इसके लिए हड़बड़ाने से बचना जरूरी है। सुपर 4 चरण के एक अन्य मैच में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

पेनल्टी कॉर्नर है परेशानी का सबब

- पेनल्टी कॉर्नर कोच फुल्टोन की परेशानी का सबब होगा। अच्छी शुरुआत के बाद कप्तान हरमनप्रीत पेनल्टी कॉर्नर भुनाने में नाकाम रहे। जुगराज सिंह, संजय और अमित रोहिदास का भी यही हाल था। मलेशिया के खिलाफ छह में से एक ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल हो सका और वह भी रिबाउंड पर था। दूसरी ओर पूल चरण में भारत से 3-4 से हारने के बाद से चीन ने अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है।

सबालेंका और अमांडा के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

यूएस ओपन : सेमीफाइनल में सबालेंका ने पेगुला और अमांडा ने ओसाका को हराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा बीच यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग में खिताबी भिड़ंत होगी। बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता और मानसिक शक्ति का परिचय देते हुए एक सेट से पिछड़ने के बाद चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर तीसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

गुरुवार रात दो घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया।

पेगुला ने न्यूयॉर्क के शोरगुल में उत्साहित दर्शकों के बीच पहला सेट जीतकर पासा पलटने की चेतावनी दी। अमेरिकी खिलाड़ी ने पेगुला ने सबालेंका की सहज गलतियों का फायदा उठाया और दो बार सर्विस ब्रेक करके 6-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया।

बेलारूस की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला के खिलाफ शॉट लगाती हुईं। एजेंसी

इसके बाद बेलारूसी खिलाड़ी ने ऑफ-कोर्ट ब्रेक के बाद नए दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की। उन्होंने अपने ग्राउंडस्ट्रोक की तीव्रता बढ़ाई और दूसरे सेट को 6-3 से जीत के साथ मैच को निर्णायक बना दिया। अंतिम सेट में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ने दबाव के क्षणों में अपना धैर्य बनाए रखा। अपने तीसरे मैच पॉइंट पर, उन्होंने राहत और जश्न की गर्जना के साथ जीत पक्की कर ली। 27 वर्षीय खिलाड़ी की इस जीत ने उन्हें सेरेना विलियम्स (2011-2014) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बना दिया है। मैच के बाद सबालेंका ने कहा यह वाकई एक कड़ा मुकाबला था। उसने अविश्वसनीय टेनिस खेला और मुझे यह जीत हासिल करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। मैं बस अंदर ही अंदर प्रार्थना कर रही थी और अच्छे की उम्मीद कर रही थी। शनिवार को होने वाले चैंपियनशिप मैच में सबालेंका का सामना उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने अपने करियर के सबसे उल्लेखनीय उलटफेरों में से एक की कहानी गढ़ते हुए रोमांचक मुकाबले में जापान की नाओमी ओसाका को 6-7(4), 7-6(3), 6-3 से हराकर पहली बार यूएस ओपन फाइनल में जगह बनाई। यह जीत अमेरिकी टेनिस प्रशंसकों के लिए, यह नई उम्मीद का क्षण है, क्योंकि अनिसिमोवा 2017 में स्लोएन स्टीफंस के बाद यूएस ओपन महिला एकल फाइनल में पहुंचने वाली पहली घरेलू खिलाड़ी बन गई हैं।

अमांडा अनिसिमोवा।

भांबरी और वीनस का सफर थमा

- **न्यूयॉर्क :** भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में हार गए, जो किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भांबरी और वीनस को नील स्कूप्स्की और जो सैलिसबरी की छठी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश जोड़ी से रोमांचक मुकाबले में 7-6(2) 6-7(5) 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे पहले भारतीय खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया था। दिल्ली के रहने वाले 33 वर्षीय भांबरी ओपन युग में आनंद अमृतराज, विजय अमृतराज, लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल छठे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। सानिया मिर्जा युगल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली, दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनने वाली और टेनिस ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली एकमात्र अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं। भांबरी और वीनस की जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और अंतिम चार तक के अपने सफ़र में वरीयता प्राप्त जोड़ियों को भी हराया। हार के बाद भांबरी ने कहा यह मेरे लिए एक विशेष सप्ताह रहा है। इस स्तर पर खेलना और किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ा क्षण है। पिछले दशक में कई चोटों से जूझने वाले दिल्ली के इस खिलाड़ी के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ी सफलता है।

स्लोवाकिया ने जर्मनी को उलटफेर का शिकार बनाया

लंदन : स्लोवाकिया ने जर्मनी को 2-0 से हराकर फुटबॉल विश्व कप के यूरोपीय क्वालीफायर में बड़ा उलटफेर किया। डेविड हैन्को और डेविड स्ट्रेलेक ने जर्मनी की रक्षापंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर स्लोवाकिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

स्लोवाकिया ने आखिरी बार 2010 में विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। इस हार से जर्मनी की 2026 में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने की राह मुश्किल हो गई है। प्लेऑफ से बचने के लिए जर्मनी को शेष सभी पांच मैच जीतने होंगे।

विश्व कप ग्रुप ए क्वालीफाइंग फुटबॉल मैच में जर्मनी को हराने के बाद जश्न मनाते स्लोवाकिया के खिलाड़ी। एजेंसी

बीसीसीआई ने टीम की जर्सी प्रायोजन की दरों में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी को अब प्रायोजित करना और महंगा हो जाएगा। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने द्विपक्षीय सीरीजके लिए दाम प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपये और बहुपक्षीय टूर्नामेंट में प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपये कर दिए हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा स्वीकृत और आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी। रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ये आंकड़े मौजूदा दरों से थोड़े ज्यादा हैं। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपये और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता था। यह बदलाव ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के आने के बाद ड्रीम 11 के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद हुआ है।

सरकार द्वारा हाल ही में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम के प्रमुख प्रायोजक ड्रीम 11 का अनुबंध रद्द कर दिया। यह संशोधन आगामी एशिया कप के समाप्त होने के बाद ही लागू होगा। बीसीसीआई को हालांकि 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। बोली के परिणाम के आधार पर अंतिम आंकड़ा अधिक भी हो सकता है। नई दरें आगामी एशिया कप के बाद से प्रभावी होंगी। बीसीसीआई संभावित रूप से प्रति मैच 400 करोड़ रुपये से अधिक कमा सकता है। अंतिम आंकड़ा हालांकि बोली के परिणाम के आधार पर अधिक हो सकता है।

3.5 करोड़ रुपये दाम द्विपक्षीय सीरीज के लिए प्रति मैच होगा।

1.5 करोड़ रुपये बहुपक्षीय टूर्नामेंट में प्रति मैच के लिए होगा।

ड्रीम 11 के हटने के बाद भारतीय टीम के मुख्य प्रायोजक अधिकारों के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को बोलियां आमंत्रित कीं। बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया बोली लगाने वाले (जिसमें उसके समूह की कोई भी कंपनी शामिल है) को भारत में या दुनिया में कहीं भी ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाओं में संलग्न नहीं होना चाहिए, भारत में किसी भी व्यक्ति को कोई ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाएं प्रदान नहीं करनी चाहिए और भारत में सट्टेबाजी या जुए में संलग्न किसी भी व्यक्ति में कोई निवेश या स्वामित्व हित नहीं होना चाहिए। भारतीय टीम यूएई में नौ सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप में बिना किसी मुख्य प्रायोजक के खेलेगी, क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। ड्रीम 11 ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के कारण अपने वास्तविक धन से जुड़े ऑनलाइन गेम को बंद कर दिया है।

जगदीशन दोहरे शतक से चूके दक्षिण क्षेत्र ने बनाए 536 रन

बेंगलुरु, एजेंसी

नारायण जगदीशन (197 रन) अपना दोहरा शतक पूरा करने से महज तीन रन से चूक गए जिससे दक्षिण क्षेत्र ने शुक्रवार को यहां दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में दूसरे दिन उत्तर क्षेत्र के खिलाफ पहली पारी में 536 रनों का प्रभावशाली स्कोर बनाया।

दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 297 रन से करने के बाद दक्षिण क्षेत्र ने पूरे दिन (88.2 ओवर) बल्लेबाजी की लेकिन बाकी विकेट खोकर केवल 239 रन ही बना सका। जगदीशन ने रन आउट होने से पहले 352 गेंद में 16 चौके और तीन छक्के लगाए। दक्षिण के बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके लेकिन टीम को सराहनीय स्कोर तक पहुंचाने में सफल रहे। उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाजों के पास अब पहली पारी में 537 के स्कोर तक पहुंच कर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पूरे दो दिन हैं।

दलीप ट्रॉफी

नारायण जगदीशन। एजेंसी

मध्य क्षेत्र का पश्चिम क्षेत्र को माकूल जवाब

बेंगलुरु : दानिश मालेवार और शुभम शर्मा की अगुवाई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को उत्तर क्षेत्र के 438 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 229 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। दिन का खेल खत्म होते समय शुभम शर्मा (60) के साथ कप्तान रजत पाटीदार (47) क्रीज पर डटे हुए थे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 69 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। टीम पहली पारी में उत्तर क्षेत्र से 209 रन पीछे है और उसके आठ विकेट शेष है। क्वार्टर फाइनल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के खिलाफ दोहरा शतक जड़ने वाले मालेवार ने धैर्य के साथ पारी की शुरुआत करते हुए 76 रन बनाये। उन्होंने पहले विकेट के लिए आयुष पांडे (40) के साथ 67 रन की साझेदारी कर ठोस शुरुआत दिलाई।

दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराकर वनडे सीरीज जीती

लंदन : दक्षिण अफ्रीका ने लॉर्ड्स में मैट ब्रीट्ज़के की 85 रन की रिकॉर्ड पारी की बदौलत दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच रन से जीत हासिल कर इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की सीरीज एक मैच शेष रहते अपने नाम कर ली।

दक्षिण अफ्रीका में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट पर 330 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम नौ विकेट पर 325 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से जो रूट (61), जैकब बैथेल (58) और जोस बटलर (61) ने अर्धशतक जमाए। मैच आखिरी ओवर तक गया, जिसमें इंग्लैंड को एक विकेट शेष रहते 16 रन चाहिए थे, पर पुछल्ले बल्लेबाज जोफ्रा आर्चर की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद मेजबान टीम लक्ष्य तक पहुंचने से चूक गई।

विश्व तीरंदाजी | आज से शुरू हो रही प्रतियोगिता में अनुभवी दीपिका और युवा गाथा पर रहेंगी सबकी निगाहें

तीरंदाजों की अगली पीढ़ी चमक बिखेरने को तैयार

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

अपने करियर के अंतिम पड़ाव में अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी एक बार फिर विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में पदक जीतने की कोशिश करेंगी। इसमें भारत 15 साल की गाथा खडके की अगुआई में अगली पीढ़ी का प्रदर्शन करने को तैयार है। पुणे की गाथा ने राष्ट्रीय ट्रायल्स में चमकदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार से शुरू हो रहे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए सीनियर टीम में अपनी जगह पक्की की।

अनुभवी दीपिका और अंकिता भकत के साथ गाथा की उपस्थिति ने अतीत और भविष्य की तीरंदाजों के लिए कंधे से कंधा मिलाकर प्रतिस्पर्धा करने का मंच तैयार कर दिया है। ट्रायल्स में अव्वल रहीं दीपिका के साथ अंकिता और गाथा ने भारत की तीन सदस्यीय रिकर्व महिला टीम बनाई। गाथा ने जुलाई में मैड्रिड में पदार्पण किया था और चीनी ताइपे की ओलंपियन और विश्व कप पदक विजेता चिउ यी-चिंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

उनका अंतिम-16 में पहुंचना इस प्रतियोगिता में भारतीय महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा जिससे वह दीपिका और अंकिता से आगे हो गईं।

दीपिका कुमारी। एजेंसी

वहीं मां बनने के बाद 31 वर्षीय दीपिका के लिए विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का एक और मौका है क्योंकि ओलंपिक के साथ यह पदक भी उनकी कैबिनेट में नहीं है। 2011 में पहली बार हिस्सा लेने बाद से इस सबसे प्रतिष्ठित भारतीय तीरंदाज ने केवल टीम रजत पदक (2011, 2015) जीते हैं लेकिन कोई व्यक्तिगत पदक नहीं जीता है। यह उनकी छठी विश्व चैंपियनशिप होगी। अंकिता महिला टीम की तीसरी सदस्य हैं जिन्होंने दो साल पहले बर्लिन विश्व चैंपियनशिप में भाग लिया था लेकिन पहले ही दौर में बाहर हो गई थीं।

भारतीयों के सामने दक्षिण कोरिया की कड़ी चुनौती होगी जिसकी अगुआई तोक्यो ओलंपिक चैंपियन एन सान तथा मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज लिम सिह्योन कर रही हैं। महिला रिकर्व में कोरियाई टीम प्रबल दावेदार हैं और यह देखना होगा कि क्या भारतीय उनकी बाधा पार कर पाते हैं। पुरुष रिकर्व में धीरज बोम्मादेवरा, नीरज चौहान और राहुल के साथ भारत की अगुवाई करेंगे।

भारतीय टीम

- **रिकर्व पुरुष :** धीरज बोम्मदेवरा, नीरज चौहान, राहुल। **रिकर्व महिला :** दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, गाथा खडके। **कंपाउंड पुरुष :** प्रथमेश फुगे, अमन सैनी, ऋषभ यादव। **कंपाउंड महिला :** परनीत कौर, पृथिका प्रदीप, ज्योति सुरेखा वेन्नम।